ईश्वर में हमारा विश्वास

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय नवीन मेल

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● डालटनगंज ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 06 ● विक्रम संवत 2080 ● रविवार, 03 दिसम्बर 2023 ● वर्ष-30 ● अंक-47 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

रणवीर सिंह ने अपने किरदार रॉकी को ... पेज 10 पर

गागर में सागर

पलामू में अलग-अलग स्थानों पर ट्रेन की चपेट में आने से तीन की मौत

मेदिनीनगर। पलामू में अलग-अलग स्थानों पर शनिवार को ट्रेन की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। पहली घटना में शहर थाना क्षेत्र के सुदना पटेल नगर निवासी अशोक गुप्ता के पुत्र लव कुमार गुप्ता उम्र 21 वर्ष की शुक्रवार की शाम सदर थाना क्षेत्र के बीसफुट्टा पुल के समीप करीब 6:30 ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा,सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार, टीओपी 3 प्रभारी मंटूस्ट कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों ने बताया कि लव रांची रह कर पढाई करता था। कुछ दिन पहले ही वह अपने घर आया था। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस घटना से संबंधित मामले की छानबीन में जुट गई है। एक अन्य घटना में बरवाडीह थाना क्षेत्र के केचकी रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। केचकी व मंगरा स्टेशन के समीप पुलिस ने खंभा नंबर- 268/18-19 के समीप सुबह 11.45 बजे दोनों युवकों का शव बरामद किया। समाचार लिखे जाने तक शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई थी।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा सिंघल की जमानत पर सुनवाई 14 को

रांची। निलंबन के साथ-साथ लंबे समय से न्यायिक हिरासत में चल रहीं आईएएस पूजा सिंघल की मुश्किलें लगातार जारी हैं। अब सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर 14 दिसंबर को सुनवाई होगी। 31 अक्टूबर को पिछली सुनवाई के दौरान न्यायाधीश एसके कौल और न्यायाधीश एस धूलिया की अदालत ने 1 दिसंबर को सुनवाई की अगली तारीख निर्धारित की थी। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को रेलिवेंट गवाहों की गवाही प्रक्रिया 5 दिसंबर तक पूरी करने को कहा था। इसी बीच ईडी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि चुनाव ड्यूटी में एक गवाह के जाने की वजह से 5 दिसंबर को ट्रायल कोर्ट में गवाही होनी है। इसी आधार पर पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 14 दिसंबर तय की गई है। आपको बता दें कि मनरेगा घोटाला में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने 11 मई 2022 को पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया था। 6 मई को छापेमारी के दौरान उनके सीए सुमन कुमार के घर से 19 करोड़ से ज्यादा नकद बरामद हुआ था। गिरफ्तारी के बाद से अबतक दो बार पूजा सिंघल पेरोल पर जेल से बाहर आ चुकी हैं। अब उन्होंने नियमित जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में मूव किया है। फिलहाल वह खराब स्वास्थ्य की वजह से रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती हैं। पिछली सुनवाई के दौरान पूजा सिंघल के अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट को बताया था कि ईडी जानबूझकर मामले को टाल रही है।

कोर्ट चपरासी के इंटरव्यू में हजारीबाग से चार मुन्ना भाई गिरफ्तार

हजारीबाग। झारखंड में बहाली के दौरान फर्जीवाड़ा करने वाले मुन्ना भाई फिर पकड़े गए हैं। शनिवार को हजारीबाग व्यवहार न्यायालय में पुलिस ने चार मुन्ना भाइयों को जाली एडमिट कार्ड पर इंटरव्यू देने के आरोप में पकड़ा है। पकड़े गए चार में तीन आरोपित नालंदा और एक आरोपित पटना के बख्तियार का रहने वाला है। चारों सुबह दस बजे तक पकड़े गए जब इनका रौल नंबर, शनिवार को जारी रौल क्रमांक से अलग निकला। जांच में यह पता चला कि जिस नंबर क्रमांक से ये अभ्यर्थी साक्षात्कार देने पहुंचे थे, वह तीन दिन पहले 29 नवंबर को ही खत्म हो चुका है। ऐसे खुली मुन्ना भाइयों की पोलपकड़े गए आरोपित शंकर कुमार पिता उपेंद्र यादव (सिलाव नालंदा), सोनू कुमार और दिलीप कुमार पिता गणौरी यादव (सुरुमपुर नालंदा) तथा अभिषेक कुमार, पिता गुड्डू सिंह (दियारा अथमनगोला पटना) के हैं। गिरफ्तार आरोपितों में सोनू कुमार और दिलीप कुमार दोनों सगे भाई हैं। इसके बाद दस्तावेज की जांच में एडमिट कार्ड पर लगाई गई मुहर से इनकी पोल खुल गई।इसके बाद सुरक्षा में तैनात जवानों ने इन्हें कब्जे में ले लिया और इसकी सूचना कोर्ट रजिस्ट्रार को दी। सूचना पर पहुंचे सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ललित कुमार ने आरोपितों को अपने कब्जे में ले लिया और इनसे थाने में पूछताछ की जा रही है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। इस बाबत सदर थाना में फजीर्वाड़ा और जाली मुहर और हस्ताक्षर की मदद से एडमिट कार्ड तैयार करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। संभावना जताई जा रही है कि इसकी गहराई से जांच होगी तो एक बड़े गिरोह का पदार्फाश हो जाएगा।एक सप्ताह से चल रहा इंटरव्यूज्ञात हो कि पिछले एक सप्ताह से कोर्ट में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी बहाली को लेकर साक्षात्कार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, 119 पदों के लिए 58 हजार आवेदन आया था।

कौन होगा आउट, कौन मारेगा चौका ? राजस्थान मप्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना चुनाव परिणाम आज

सुबह आठ बजे शुरू होगी मतगणना, पहले बैलेट वोट की होगी गिनती

चारों राज्यों के 635 सीटों पर वोटों की गिनती होगी, मिजोरम में मतगणना कल

नई दिल्ली। 2024 में दिल्ली की गद्दी के लिए होने वाले चुनाव से पहले सत्ता का सेमीफाइनल कौन जीतेगा? चार राज्यों के विधानसभा चुनाव का फाइनल स्कोर क्या रहेगा? पीएम नरेंद्र मोदी को अगले लोकसभा चुनाव से पहले गुड न्यूज मिलेगा या राहुल गांधी चौका लगाएंगे? मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान,राजस्थान में अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल अपनी सरकार बचा पाएंगे या नहीं। इन सारे सवालों के जवाब मिलने में अब कुछ घंटे बाकी हैं। वहीं मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी। रविवार सुबह सात बजे से मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में वोटों की गिनती शुरू होगी। सबसे पहले बैलेट वोट गिने जाएंगे, सुबह 8 बजे से चारों राज्यों से नतीजों की शुरूआती रुझान आने लगेगी। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच टक्कर है तो तेलंगाना में बीआरएस के मुकाबले में कांग्रेस डटी है। रविवार को इन चारों राज्यों के 635 सीटों पर ही वोटों की गिनती होगी। राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं, मगर वहां कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के बाद 199 सीटों पर ही मतदान हुआ। एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है, जबकि राजस्थान में बीजेपी का पलड़ा भारी है। हिंदी प्रदेश के तीन राज्यों में 519 सीटों पर फैसला होना है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, 119 विधानसभा वाली तेलंगाना में कांग्रेस ने बढ़त ली है। निर्वाचन आयोग मतगणना की तैयारियां पूरी कर चुका है। वोटों की गिनती रविवार सुबह सात बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने जाएंगे। इसके बाद सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों के सामने ईवीएम से मतगणना शुरू होगी। एग्जिट पोल ने इशारा दिया कि मध्यप्रदेश में मामला एकतरफा ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

‘बागेश्वर सरकार का पलामू आना सौभाग्य’

ओरनार गांव के लोग 500 एकड़ निजी भूमि कार्यक्रम के लिए देने को हैं तैयार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गढ़वा एवं पलामू के बीच मेदिनीनगर से सटे ओडनार ग्राम में गांव के प्रबुद्ध लोगों ने शनिवार को ग्राम सभा कर कहा कि बागेश्वर सरकार का झारखंड में पहली बार वह भी पलामू की धरती पर आने का निमंत्रण स्वीकार करना पलामू ही नहीं पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। ग्राम सभा में लोगों ने निर्णय लिया कि यहां निजी जमीन जो लगभग 500 एकड़ है। पूरे गांव वाले सहर्ष इस कार्यक्रम के लिए अपनी भूमि देने को तैयार हैं। सभी लोगों ने यह भी कहा कि सरकार एवं जिला प्रशासन जल्द अनुमति दे ताकि इस बड़े कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सके। ग्राम के सभी लोगों ने श्रीबागेश्वर सरकार के कार्यक्रम की संयोजक प्रथम महापौर अरुणा शंकर को इस कार्यक्रम में अपनी पूर्ण भागीदारी निभाने का वचन दिया। कहा कि हम सब धीरेंद्र शास्त्री के स्वागत के लिए व्याकुल हैं। जहां भी हम ग्राम वासियों की आवश्यकता होगी युवा, बुजुर्ग, महिला, पुरुष सारे तन-मन-धन से खड़े रहेंगे। सभा में विशेष कर कार्यक्रम के सचिव दीना जी, नितेश सिंह, अतुल जी, एवं मंटू जी उपस्थित थे।

टनल हादसे से रेस्क्यू किए गए श्रमिकों को

1.11 करोड़ की योजनाओं से जोड़ेगी राज्य सरकार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार रात कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर निमार्णाधीन सिलक्यारा टनल हादसे से सुरक्षित रेस्क्यू किए गए झारखंड के 15 श्रमिकों और उनके परिजनों से मुलाकात की। इससे पहले मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य के श्रमिकों और उनके परिजनों को शुक्रवार रात एयरलिफ्ट कराकर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची लाया गय। रांची आने वाले श्रमिकों में श्री विश्वजीत कुमार वर्मा (गिरिडीह), सुबोध कुमार वर्मा (गिरिडीह), अनिल बेदिया (रांची) राजेंद्र वेदिया (रांची) सुकराम बेदिया (रांची), टिंकू सरदार (पूर्वी सिंहभूम), गुणधार नायक (पूर्वी सिंहभूम) रंजीत लोहार (पूर्वी सिंहभूम) रविंद्र नायक (पूर्वी सिंहभूम) समीर नायक (पूर्वी सिंहभूम) भुक्तु मुर्मू (पूर्वी सिंहभूम), महादेव नायक (पश्चिमी सिंहभूम), चमरा उरांव (खूंटी), श विजय होरो (खूंटी), गणपति होरो (खूंटी) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी श्रमिकों के साथ राज्य सरकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए कई योजनाओं को शुरू किया है। जल्द देश के लगभग एक दर्जन राज्यों से एक इकरारनामा करने हेतु प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस इकरारनामा के तहत प्रवासी मजदूरों को हमारी सरकार हरसंभव मदद कर सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को हुनरमंद बनाने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। विगत कुछ महीनों में ही युवाओं को हुनरमंद बनाकर कई निजी क्षेत्रों में हजारों नौकरियां दी गयी हैं। इसके साथ-साथ सरकार सरकारी नौकरियों के तहत भी नियुक्तियां दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब आप श्रमिक भाइयों के टनल हादसे में फंसने की सूचना मिली तब आपके परिजनों के साथ-साथ पूरे राज्यवासियों के लिए भी काफी चिंता और डरावना का समय रहा। हम सभी लोग आपके सकुशल वापसी की प्रार्थना कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के साहस, धैर्य और बहादुरी की भी सराहना की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को उपस्थित श्रमिकों को 1 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक राशि की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने हेतु निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को अबुआ आवास योजना, पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड, कृषि यंत्र, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, पशुशेड ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पीएलजीए सप्ताह को लेकर हाई अलर्ट पर पलामू पुलिस

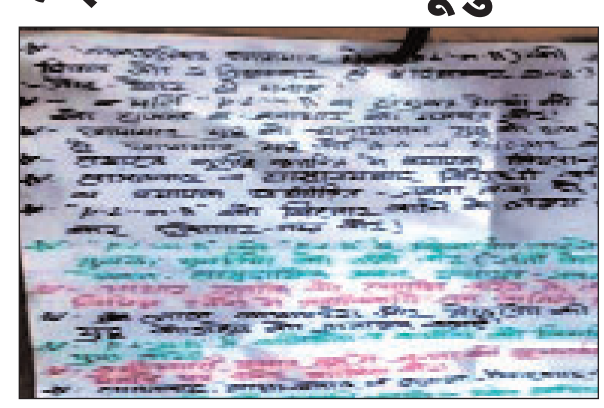

नावा बाजार क्षेत्र में नक्सली संगठन के पोस्टर चिपकाने से लोगों में दहशत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने अपने पिपुल्स लिबरेशन के गोरिल्ला आर्मी के स्थापना सप्ताह को लेकर पलामू में पोस्टरबाजी की है। पलामू के नावा बाजार थाना क्षेत्र के सोहदाग समेत कई इलाकों में माओवादियों द्वारा पोस्टर चिपकाने से जहां इलाके के लोगों में दहशत व्याप्त है। वहीं इसे लेकर जिले की पुलिस भी अलर्ट मोड में आ गई है। दरअसल माओवादी अपने गुरिल्ला आर्मी का 23वां व 24 वां स्थापना सप्ताह दो दिसंबर से आठ दिसंबर तक मना रहे हैं। माओवादी पोस्टर की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची व पोस्टर को जब्त कर लिया गया। साथ ही इलाके में माओवादियों के खिलाफ सर्च अभियान शुरू कर दिया गया है। एक लंबे अरसे के बाद पलामू के इलाके में माओवादियों ने पीएलजीए सप्ताह के दौरान पोस्टरबाजी की है। पोस्टर में माओवादियो ने कई बातें लिखी हैं और संगठन के बारे में जानकारी दी है। पोस्टर इलाके के सरकारी भवनों में लगाया गया था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इसे लेकर पलामू जोन में पहले से ही हाई अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद बड़ी संख्या में कई इलाकों में जवानों की तैनाती की गई है। झारखंड, बिहार व बूढापहाड़ के इलाके में स्थापना सप्ताह को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। पलामू रेंज के आईजी राजकुमार लकड़ा ने बताया कि स्थापना सप्ताह को लेकर एसओपी जारी किया गया है।

डायन बिसाही में देवर ने बेटों के संग मिलकर की भाभी की हत्या, तीन गिरफ्तार

मामला चैनपुर थाना के बसरिया कला गांव की

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बसरिया कला गांव में डायन बताकर ललिता कुंवर नामक 45 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई है। महिला का शव कुएं से बरामद किया गया है। महिला की हत्या उसके देवर द्वारा अपने बेटों के साथ मिलकर किये जाने की बात सामने आई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। थानाप्रभारी रुपेश कुमार दुबे के अनुसार हत्या के आरोपी देवर यमुना प्रजापति एवं उसके दो पुत्रों देवनारायण प्रजापति व नागेंद्र प्रजापति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून लगा डंडा पुलिस ने बरामद किया है। जानकारी के अनुसार स्व.अरुण प्रजापति की 45 वर्षीय पत्नी ललिता कुंवर की हत्या आरोपियों ने लाठी से पीट-पीटकर कर दी। शव को गांव के एक कुएं में जाकर फेंक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

तत्कालीन वन बंदोबस्त पदाधिकारी के खिलाफ एसीबी में मुकदमा दर्ज

रांची। रांची के तत्कालीन वन बंदोबस्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में प्राथमिक दर्ज की गयी है। राजेंद्र प्रसाद पर अनुचित लाभ के लिए पद का दुरुपयोग करने का आरोप है। राजेंद्र प्रसाद के खिलाफ पद का दुरुपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन के निपटारा के एक मामले में छह करोड़ 31 लाख 36 हजार 677 रुपये का भुगतान नियम विरुद्ध करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले को लेकर एसीबी ने कांड संख्या 5/2023 दर्ज किया है। मामले के सूचक एसीबी के इंस्पेक्टर विधा प्रसाद सिंह है। राजेंद्र प्रसाद सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, दुमका के पद से सेवानिवृत हुए हैं। मामले में एसीबी ने उन पर पद का दुरुपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन की निपटारा में नियम विरुद्ध भुगतान करने का आरोप लगाया है।

संसद का शीतकालीन सत्र 4 से 22 दिसंबर तक, 15 बैठकें होंगी आयोजित

पहले दिन तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा को निचले सदन से निष्कासित करने पर लग सकती है मुहर

विपक्ष नेता अधीर रंजन ने अध्यक्ष को पत्र लिख एथिक्स कमेटी की कार्यवाही व पारदर्शिता की समीक्षा की मांग की है

विपक्ष, चीन द्वारा जमीन हड़पने, मणिपुर, महंगाई, ईडी व सीबीआई के दुरुपयोग का मुद्दा उठाने , जातिगत जनगणना कराने की मांग करेगा

- ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में उपनेता व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के पहले हुई सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, ‘4 दिसंबर से शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। हमने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। बैठक में 23 दलों के 30 नेता शामिल हुए। बैठक में कई सुझाव आए हैं। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है।’ जोशी ने आगे कहा, ‘हमने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित होने देने का अनुरोध किया है। हमने विपक्ष के सुझावों को सकारात्मक रूप से लिया है।’ उन्होंने कहा, ‘संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होकर 22 दिसंबर तक चलेगा। इन 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी।’ वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता व कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्ष ने कुछ मुद्दों पर चिंता व्यक्त की है। इसमें चीन का हमारी जमीन हड़पना, मणिपुर, महंगाई, ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग शामिल है। उप्र की पूर्व मुख्य मंत्री मायावती ने जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। बैठक में लोकसभा में उप नेता व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ,संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी , वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई व प्रमोद तिवारी, तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंद्योपाध्याय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता फौजिया खान व आरएसपी नेता एन के प्रेमचंद्रन सहित अन्य कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

इस सत्र में पहले से चले आ रहे आपराधिक कानूनों के स्थान पर तीन विधेयक लाने सहित प्रमुख विधेयकों के मसौदे पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन में कैश फॉर क्वेरी मामले में लोकसभा की एक समिति की रिपोर्ट भी पेश करने के लिए लिस्टेड है। इस रिपोर्ट में तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा को निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश की गई है। इस बीच लोकसभा में कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को ‘कैश फॉर क्वेरी’ मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के विरूद्ध आचार समिति की कार्यवाही के मुद्दे पर शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। अधीर रंजन चौधरी ने पत्र में सदन की ‘मुख्य रूप से सदस्यों के अधिकारों से संबंधित’ संसदीय समिति प्रक्रियाओं की व्यापक समीक्षा का आग्रह किया है। चौधरी के पत्र में एथिक्स कमेटी की कार्यवाही और पारदर्शिता के संबंध में चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि विशेषाधिकार और आचार समितियों की भूमिकाओं में काफी भेद है और दंडात्मक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

फिरायालाल चौकवाला वह परमवीर अलबर्ट एक्का

सुनील बादल

3 दिसंबर 1971 को 20 गोलियां लगने के बाद भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राणों की बाजी लगाकर दुश्मन पाकिस्तान के बंकर को नष्ट करनेवाले बिहार झारखंड के एकमात्र परमवीर अलबर्ट एक्का की मूर्ति राजधानी रांची के महात्मा गांधी सड़क के चौराहे पर लगी है पर इस चौराहे को राजनीतिक झंडों से विकृत करने वाले नेताओं, सरकारों और मीडिया ने भी चार दशकों बाद चौराहे को फिरायालाल चौक के रूप में ही याद रखा है,जो शहीदों का अपमान लगता है।

इसी प्रकार रिम्स बने डेढ़ दशक हो गए पर आरएमसीएच का बोर्ड सड़क पर अभी भी मुंह चिढ़ा रहा है। कांके रोड सीएम आवास के पास जस्टिस एलपी एन शाहदेव चौक अभी भी हॉट लिप्स चौक के रूप में याद किया जाता है,महात्मा गांधी रोड की तरह इसपर स्थापित लाला लाजपत राय चौक शायद ही कोई बता सके। सुजाता चौक सभी जानते हैं,महाराजा अग्रसेन चौक अभी भी लालपुर चौक ही है।

अलबर्ट एक्का को श्रद्धांजलि देते गुमला के उनके जन्मस्थान जारी को 19 मार्च 2010 को अलबर्ट एक्का प्रखंड बनाया गया जिसके पांच पंचायतों में 60 गांव हैं। लगभग 31 हजार की आबादी वाले कुछ गांवों में सोलर से बिजली जलती है। पर अधिकांश गांवों में पूरी तरह बिजली नहीं पहुंच पाई है। टेन प्लस टू स्कूल में महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक नहीं हैं। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जैसे विभाग पूर्व के डुमरी से संचालित होते रहे हैं, लोग 70 किमी दूर गुमला या छत्तीसगढ़ के जशपुर में जाकर इलाज कराते हैं। अस्पताल भी इलाज के मामले में अधूरा है। परमवीर चक्र विजेता शहीद अलबर्ट एक्का के नाम से बने गुमला के जारी प्रखंड को 13 साल हो गए पर प्रखंड, अंचल, थाना तथा बीआरसी को छोड़कर अधिकांश विभाग आज भी डुमरी प्रखंड से संचालित हो रहे हैं।

सबसे घनी जनजातीय आबादी वाला गुमला जिला का यह क्षेत्र परमवीर अल्बर्ट एक्का के नाम पर बहादुर सैनिकों की भर्ती का बड़ा केंद्र हो ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

लांस नायक अलबर्ट एक्का जब बिहार रेजिमेंट से सेना में भर्ती हुए थे ऐसा बहुत कम सैनिकों के साथ संयोग हुआ है जब चीन के साथ भी युद्ध किया हो और पाकिस्तान को भी धूल चटाई हो । 3 दिसंबर, 1971 मोर्चा गंगा सागर के पास था। रात 2.30 बजे लांस नायक अल्बर्ट एक्का ने देखा कि दुश्मन की एलएमजी उनकी कंपनी को भारी नुकसान पहुंचा रही है। मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, अपनी गंभीर चोट और भारी मात्रा में दुश्मन की गोलाबारी के बावजूद, रेंगते हुए दीवार फांद लिया और बंकर में दुश्मन सैनिक पर संगीन से वार किया जो तब भी गोलीबारी कर रहा था और इस तरह उस मशीन-गन को शांत कर दिया, जिससे अपनी कंपनी को भारी नुकसान से बचाया और हमले की सफलता सुनिश्चित हुई। उन्हें गंभीर चोटें आईं और निर्णायक विजयश्री के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

सम्मान-परमवीर चक्र। झारखंड के रांची में एक चौराहे का नाम उनके नाम पर रखा गया है। बांग्लादेश सरकार द्वारा मरणोपरांत 'फ्रेंड्स ऑफ लिबरेशन वॉर' सम्मान प्रदान किया गया। उनके सम्मान में सेना डाक सेवा कोर द्वारा एक कवर लेटर जारी किया गया। एक विशेष डाक टिकट अल्बर्ट की स्मृति में 26 जनवरी 2000 को जारी किया गया था।

गागर में सागर

हृदय गति रुकने से युवक की मौत, शोक

हरिहरगंज। पिपरा प्रखंड के कलीपुर गांव निवासी महेंद्र सिंह के 26 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार की मौत हृदय गति रुकने के कारण धनबाद में हो गयी। घटना की सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार उक्त युवक अपने परिवार के साथ धनबाद में रहता था। अचानक हृदय गति रुकने से उनकी मौत हो गई। क्षेत्रीय विधायक कमलेश कुमार सिंह, सोनल सिंह, बीनू सिंह, एनसीपी के प्रदेश प्रवक्ता सूर्या सिंह, विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह, जिला अध्यक्ष संदीप पासवान, 20 सूत्री अध्यक्ष रविंद्र हरिवंश पासवान, जनेश्वर भुइयां आदि ने युवक की मौत पर शोक जताया है।

आधुनिकीकरण में लालगढ़ पंचायत को मिला प्रशस्ति पत्र

विश्रामपुर। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम में विश्रामपुर प्रखंड का लालगढ़ पंचायत अव्वल स्थान पर है। इस पंचायत में भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम 99 प्रतिशत सफल रहा। इस उपलब्धि के लिए भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लालगढ़ पंचायत को प्रशस्ति पत्र दिया गया है। विभाग के प्रतिनिधियों ने पंचायत के मुखिया धरमेंद्र ठाकुर को शनिवार को एक सादे समारोह में प्रशस्ति पत्र सौंपा। श्री चौधरी ने कहा कि यह सम्मान उन्हे हर क्षेत्र में और बेहतर करने की प्रेरणा देता रहेगा। वे और गंभीरता के साथ गांव के विकास के लिए प्रयास करेंगे।

सियार के हमले में पांच ग्रामीण जख्मी

हुसैनाबाद। प्रखंड के खैरा गांव में शनिवार सुबह पागल सियार के हमले में पांच ग्रामीण जख्मी हो गये। घायलों का इलाज हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में किया जा रहा है। जिसमें एक महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। बताया जाता है कि ग्रामीण नित्य की तरह सुबह घर के बाहर दैनिक कार्य में जुटे थे। इसी दौरान खेतों की तरफ से आये पागल सियार ने हमला बोल दिया। जिससे नेपुरी देवी 70 वर्ष, अर्जुन भगत 75 वर्ष, रुबी कुमारी 19 वर्ष, मिंटू रजक 28 वर्ष, कृष्णा पाल 66 वर्ष आदि घायल हो गये।

सीडीपीओ ने कहा आपत्ति के बाद अधिकारियों के गाइड लाइन का इंतजार

सेविका-सहायिका चयन के लिए आमसभा शुरू नहीं होने से रोष

निर्धारित तिथि के अनुसार पहले दिन सेविका चयन को लेकर खड़गपुर पंचायत के भांवर गांव गये थे : प्रभारी सीडीपीओ

ग्रामीणों ने सेविका के चयन की नियमावली में महिला अभ्यर्थियों का मायका बिहार व झारखंड को लेकर आपत्ति जताई थी

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी पलामू समाज कल्याण शाखा के पत्र के आलोक में सेविका-सहायिका चयन को लेकर गत 22 नवंबर से आमसभा की तिथि निर्धारित की गयी है। इसके बावजूद अब तक हरिहरगंज बाल विकास परियोजना अंतर्गत क्षेत्र में रिक्त पड़े आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए एक भी जगहों पर सेविका-सहायिका का चयन नहीं हो सका है। 22 नवंबर को सेविका चयन के लिए भांवर, अररूआ कला में 23 को वैध विगहा में सेविका व डूबरीडीह में सहायिका तथा 24 को खड़गपुर में सेविका-सहायिका चयन, 25 को कुलहीया में सेविका एवं भोजुआ गांव में सहायिका व सूलतानी में सहायिका पद के लिए 1 दिसंबर को जबकि पिपरा प्रखंड के पिठौरा में सहायिका के लिए 28 नवंबर व बभंडी में 29 नवंबर को आमसभा की तिथि निर्धारित थी। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी सीडीपीओ कामेश्वर बेदिया ने कहा कि निर्धारित तिथि के अनुसार पहले दिन सेविका चयन को लेकर खड़गपुर पंचायत के भांवर गांव गये थे। जहां ग्रामीणों ने सेविका के चयन की नियमावली में महिला अभ्यर्थियों का मायका बिहार व झारखंड को लेकर आपत्ति जताई थी। जिसके बाद सभी जगहों पर आमसभा को स्थगित कर वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए गाइड लाइन मांगी गयी है। वहां से निर्देश प्राप्त होते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

संत जोसेफ स्कूल प्रबंधन ने विजेताओं को किया सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण पर प्रतियोगिता में बच्चों ने दर्शाया उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पूनम तिवारी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के विश्रामपुर व पाटन शाखा में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण पर पेंटिंग व ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के कक्षा दो से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अपने कला का बखूबी प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्द्धन किया गया। स्कूल के निदेशक एनके तिवारी ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता लाना व विद्यार्थियों में रचनात्मक व कलात्मक सोच विकसित करना है। उप निदेशक पूनम तिवारी ने कहा कि आने वाले भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान आकृष्ट करना ही होगा। इसके लिए लोगों को जागरूक करना होगा। प्राचार्य आरके सिंह ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के उपाय व इससे होने वाले लाभों के बारे में बताया। मौके पर शिक्षिका आरती सिंह, श्रेयनिधि राय,रिंकी कुमारी, मंजू शर्मा, कुमारी शशिबाला, कुमारी लक्ष्मी, संध्या सिंह, काजल कुमारी, विकास कुमार,विश्वास चौबे मौजूद थे।

पीएम ने दिया पकरी की प्रिया को नियुक्ति पत्र

पाटन। राष्टीय स्तरीय रोजगार मेला में झारखण्ड़ के पलामू जिले के पाटन थाना के पकरी गांव निवासी ज्वाला दुबे अधिवक्ता की पुत्री प्रिया कुमारी को पीएम मोदी ने ऑन लाइन नियुक्ति पत्र दिया। इससे गांव में हर्ष व्याप्त है। विदित हो कि राष्ट्रीय स्तर पर 30 नवम्बर को पीएम मोदी द्वारा देश के 38 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया था। इस दौरान पचास हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिला था। झारखण्ड़ के रांची में आयोजित रोजगार मेला में प्रिया कुमारी को वित्तीय सेवा में नियुक्ति पत्र दिया गया। रोजगार मेला में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा तथा रांची सांसद संजय सेठ ने नियुक्ति पत्र दिया। प्रिया कुमारी बैंकिंग सेवा में चयनित हुई हैं।

विधायक ने मंदिर के तोरण द्वार का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। प्रखण्ड के किशुनपुर पंचायत के आकराहा गांव के विष्णु मंदिर के तोरण द्वार निर्माण कार्य का उद्घाटन विधायक पुष्पा देवी ने किया। मौके पर पूर्व एमपी मनोज कुमार, अशोक तिवारी, संजय सिंह, उमेश सिंह, बबलू उपाध्याय, मणिकांत उपाध्याय, प्रकाश तिवारी, बैद्यनाथ दुबे आदि उपस्थित थे। विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि सनातन धर्म में विष्णु भगवान का विशेष स्थान है। उनकी पूजा, उपासना एवं उनके गुणों का चिंतन करके ही जीवन में विकास की विभिन्न सीढ़ियों को पार करते उच्चतम पद तक पहुच सकते है। ग्रामीण काफी समय से तोरण द्वार की मांग कर रहे थे। मनोज कुमार ने कहा कि विधायक निधि का उपयोग जनता की प्राथमिकता की मांग के अनुसार जनता के लिये किया जा रहा है।

कर्नल कप फुटबाल टूर्नामेंट

पेनाल्टी शूटआउट में पतरिया ने कुकही को 3-1 से हराया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल के कपूर्री मैदान में खेले जा रहे कर्नल कप फुटबॉल प्रतियोगिता में शनिवार का मैच पतरिया बनाम कुकही के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। निर्धारित समय तक मुकाबला गोल रहित बराबरी पर रहा। उसके बाद पेनाल्टी शूटआउट हुआ। जिसमें पतरिया ने कुकही को 3-1 से हराकर टूनामेंट में जीत के साथ शुरूआत की। मैच के दौरान अनुमंडल मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। इसके पूर्व मुख्य अतिथि महुअरी पंसस बद्रीनारायण सिंह, राजीव कुमार शर्मा, किसान ब्रिगेड हैदरनगर प्रखंड अध्यक्ष भोला पासवान व सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश राम ने सभी खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर क्वार्टर फाइनल में क्वालीफाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। मैच के दौरान निर्णायक के रूप में धीरेन्द्र कुमार बैठा, मनोज शर्मा व एसएम अकरम ने अपना योगदान दिया। मौके पर डबल सिंह,भानू प्रताप सिंह ,सैयद इकबाल, बैजनाथ सिंह, रविंद्र कुमार सिंह तथा पंकज कुमार यादव सहित काफी संख्या में दर्शक मौजूद थे। प्रतियोगिता में अगला मैच 7 दिसंबर को लपेया बनाम पीपरा दोपहर 1:00 बजे से तथा काजीनगर बनाम पतरा कला के बीच 3:00 बजे से खेला जाएगा।

ग्रामीणों को दिया गया योजनाओं का लाभ

सुगन पंचायत में लगाया गया सरकार आपके द्वार शिविर

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। स्थानीय सगुना पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार फेस टू कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पाटन प्रमुख शोभा देवी, बीडीओ अमित कुमार झा, सीओ दीपक कुमार मिश्रा, मुखिया मंजू देवी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि संजय सिंह, समाजसेवी सुरेंद्र सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के 18 स्टाल लगाये गये। इस दौरान सायकिल योजना के तहत 10 बच्चों के बीच 4500 रूपये का चेक वितरण किया गया। बिरसा सिंचाई कूप निर्माण योजना के तहत लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र वितरण किया गया। मनरेगा मजदूर को जॉब कार्ड उपलब्ध कराया गया। शिविर में लाभुकों के 500 आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर मे बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण भी किया गया। शिविर का संचालन मनरेगा सहायक धीरज सिंह ने किया। मौके पर सीडीपीओ कुमारी अनिता, बीपीओ निर्मल कांत ठाकुर, जीपीएस कामेश्वर मेहता, पंचायत सेवक अहमद हुसैन, सीआई बालगोविन्द सिंह, समाजसेवी रंजीत कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

केंद्रीय गृह मंत्री से मिले विश्रामपुर विधायक

विश्रामपुर। सूबे के पूर्व मंत्री सह विश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात गृह मंत्री के रांची प्रवास के दौरान हुई। इस दौरान श्री चंद्रवंशी ने गृह मंत्री अमित शाह को बुके देकर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान दोनो नेताओं ने झारखंड के राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। विधायक ने श्री शाह को प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक हालात से अवगत कराया।

कायस्थ मोहल्ला आंगनबाड़ी केंद्र सेविका पद पर पूनम कुमारी का चयन

हुसैनाबाद। स्थानीय कायस्थ मोहल्ला स्थित राजकीय उत्क्रमित हरिजन विद्यालय प्रांगण में आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका पद पर चयन के लिए आमसभा बुलाई गई। आमसभा में 10 महिलाओं का आवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें मैट्रिक, इंटरमीडिएट एवं ग्रेजुएशन के मार्कशीट के आधार पर ग्रेडिंग दिया गया। ग्रेडिंग में अव्वल रहने वाली पूनम कुमारी पति अविनाश कुमार सिन्हा का चयन सेविका पद के लिए किया गया। आमसभा की अध्यक्षता हुसैनाबाद अंचल पदाधिकारी धनंजय गुप्ता ने की। महिला पर्यवेक्षिका नीलम कुमारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजनन्दन प्रभाकर, निवर्तमान वार्ड पार्षद सुषमा देवी, पूर्व वार्ड पार्षद अजय प्रसाद गुप्ता आदि मौजूद थे।

हाईवा-बाइक की टक्कर में एक की मौत, दूसरा गंभीर

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ डीहवार स्थान के पास समीप हाईवा व मोटरसाइकिल की टक्कर में एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों द्वारा घटना की जानकारी छतरपुर थाना की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर घायल को उपचार के लिए चिकित्सालय भेजवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई–अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/32/2023-24

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Shaligram Narayanpur (Hunterganj)	50,14,200.00	1,00,300.00	10,000.00	09 माह
2	PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Simaria.	50,14,200.00	1,00,300.00	10,000.00	09 माह
3	PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Kanhachatti.	50,14,200.00	1,00,300.00	10,000.00	09 माह
4	PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Mayurhand.	50,14,200.00	1,00,300.00	10,000.00	09 माह
5	PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Gidhour.	50,14,200.00	1,00,300.00	10,000.00	09 माह
6	PM-Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM), Block-Lawalong.	50,14,200.00	1,00,300.00	10,000.00	09 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – **06.12.2023**
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–**06.12.2023** से दिनांक–**13.12.2023** के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – **15.12.2023** अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 8709184201 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा

PR 312535Rural Development(23-24)#D

जिला खनन कार्यालय, चतरा

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिलान्तर्गत बालू छोड़कर अन्य लघु खनिज (पत्थर/मिट्टी) के खनन के लिए तैयार Draft DSR को जिले के बेवसाईट NIC Portal– htts://Chatra.nic.in पर 21 दिनों से ज्यादा तक Public Viewing एवं Comments हेतु Upload किया गया है, जिसे निःशुल्क डाउनलोड कर देखा जा सकता है।

इस संदर्भ में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा सुझाव देना हो, तो जिला खनन कार्यालय, चतरा में किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में सम्पर्क स्थापित कर लिखित रूप में या कार्यालय ई–मेल dmo-chatra@jharkhandmail.gov.in पर आपत्ति अथवा सुझाव दिया जा सकता है।

जिला खनन पदाधिकारी,
चतरा।

PR.NO.312521 Mines and Geology(23-24):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

(E -MAIL ID - midloh632@gmil.com)

पत्रांक .... /   लोहरदगा, दिनांक.............................. /

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक – 1041 दिनांक – 28.11.2023 निविदा आमंत्रण सूचना सं० WRD/MID/LOHARDAGA/F2-20/2023-24 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR NO. 312223 (Lohardaga) 23-24 (D) द्वारा प्रकाशित है को इस प्रकार पढ़ा जाय।

1.	Date of Publication of E – Tender on website	01.12.2023 at 5:00 PM
2.	Last Date/Time for Submission of E – Tender BID's	14.12.2023 up to 5:00 PM
3.	Last Date for online Submission of Tender Fee and EMD	e-Procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 14.12.2023 up to 5:00 PM
4.	Date of opening Tender	16.12.2023 at 2:00 PM

अन्य शर्त्ते यथावत् रहेगा।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

PR 312559Lohardaga(23-24)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार।

अति अल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/15/2023-24

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड लातेहार पंचायत नावागढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नावागढ़ में पहुंच पथ तथा परिसर में Paver Block का निर्माण।	1514168	30500	5000	3 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 11.12.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 11.12.2023 से दिनांक 18.12.2023 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –20.12.2023 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565245220
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
लातेहार।

PR 312536 (Rural Development)23-24 (D)

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार

आम सूचना

(4th Call)

अपर अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वाथ्य मिशन, झारखण्ड सरकार, रांची के पत्रांक 328 (ADM) दिनांक 06.12.2022 के आलोक में लातेहार जिले के शहरी क्षेत्र में 15वें वित आयोग (स्वास्थ्य) के तहत् संचालित किये जाने वाले Urban Health and wellness Center के संचालन हेतु चिकित्सकों की सेवा प्राप्त किया जाना है। चिकित्सकों के चयन हेतु दिनांक 11.12.2023 को पूर्वाहन् 11:30 बजे नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में Walk in interviiew निर्धारित किया गया है। इच्छुक निजी चिकितसकों से निम्नांकित शर्तो के अधीन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र0 सं0	विवरणी	आवश्यक शर्ते
01	पदनाम	General Duty Medical Officer
02	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया से मान्यता प्राप्तकिसी भी संस्थान से M.B.B.S. की डिग्री
03	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष (सिविल सर्जन के माध्यम से निर्गत मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र के आधार पर 70 वर्ष तक के चिकित्सकों की सेवा प्राप्त की जा सकती है। मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र की वैधता एक वर्ष के लिए मान्य होगा।)
04	मानदेय	रू0 63000/– (तिरसठ हजार रू0 मात्र)
05	कुल रिक्तियां	01 (एक)
06	चयनित चिकित्सकों द्वार भविष्य के लिए नियमितिकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	
07	मानदेय भुगतान में नियमानुसार TDS कटौती की जाएगी।	
08	Walk in Interview में उपस्थित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।	
09	कार्य दिवस सोमवार से शनिवार (कार्य अवधि 08 घण्टा)	

दिनांक 11.12.2023 को पूर्वाहन् 11:30 बजे नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में Walk in Interview के लिए अपना बायोडाटा, सभी मूल प्रमाण पत्र एवं दो सेट छायाप्रति के साथ उपस्थित होना होगा।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार।

PR.NO.312538 Urban Development(23-24):D

गागर में सागर

पलामू जिले का इकलौता दिव्यांग आवासीय विद्यालय तीन वर्षों से बंद

मेदिनीनगर। पलामू ही नहीं पूरे दुनियाभर में विश्व दिव्यांग दिवस मनाया जा रहा है। दिव्यांग दिवस, दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति करुणा,आत्म-सम्मान व उनके जीवन को बेहतर बनाने के समर्थन के उद्देश्य से मनाया जाता है। किंतु यह विडंबना है कि इस दिवस पर शासन-प्रशासन के अधिकारियों के साथ अधिकतर लोग यह भी नहीं जानते हैं कि उनके आस-पड़ोस में कितने दिव्यांग रहते हैं। समाज में उन्हें उनके अधिकार मिल रहे हैं या नहीं। जिला दिव्यांग संघ के उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पलामू जिले में काफी धूम-धड़ाके के साथ 3 दिसंबर 2004 को दिव्यांग आवासीय विद्यालय का शुभारंभ किया गया था। इस विद्यालय से बहुत से दिव्यांग छात्र पढ़-लिखकर आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़े भी हुए। परंतु 15 अक्टूबर 2020 को अचानक उक्त विद्यालय को कुछ कारणों से बंद कर दिया गया। यह आज तक बंद पड़ा हुआ है। जिससे दिव्यांग छात्र शिक्षा से वंचित होकर दर-दर ठोकरें खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 3 दिसंबर का दिन दुनियाभर में दिव्यांगों की समाज में मौजूदा स्थिति, उन्हें आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करने तथा सुनहरे भविष्य हेतु भावी कल्याणकारी योजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए जाना जाता है। लेकिन यहां दिव्यांग आवासीय विद्यालय खोले जाने पर बनी असमंजस की स्थिति से दिव्यांगों के भविष्य पर गहरा कोहरा छाया हुआ है। साथ ही हमारे झारखंड में दिव्यांग पेंशन के मामले में भी भेदभाव किया जाता है। उन्होंने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बंद पड़े दिव्यांग विद्यालय को तत्काल खुलवाये जाने की मांग की है।

12 ज्योतिर्लिंग की पैदल यात्रा पर निकले यात्री का भार्गव सेना ने किया अभिनंदन

मेदिनीनगर। युवाओं को सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से 27 नवंबर से गिरिडीह के चिकनाडीह से अभिषेक कुमार 12 ज्योतिर्लिंग की पैदल यात्रा पर निकले हैं। शुक्रवार को अभिषेक हिन्दू की पैदल यात्रा झारखंड के पलामू जिले के मेदिनीनगर के सदर प्रखंड के नवनिर्मित परशुराम मंदिर प्रांगण में पहुंची। रात्रि विश्राम के लिए उन्हें रेड़मा चौक स्थित अमृत होटल में राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के पदाधिकारियों द्वारा व्यवस्था कराई गई। जिससे उनकी आगे की यात्रा सुलभ हो सके। वहीं हिन्दू धर्म की परम्परा अनुसार उनका स्वागत अंगवस्त्र ओढ़ाकर किया गया। भार्गव सेना से चर्चा के दौरान अभिषेक ने अपनी यात्रा को लेकर बताया कि कुछ दिन पूर्व उन्होंने ऐसा सोचा भी नहीं था कि सनातन की इतनी बड़ी धुन उन पर सवार हो जाएगी। लेकिन उन्होंने महाकाल को अपना प्रभु मानते हुए यात्रा पर निकल गए। बताया कि 200 दिन में लगभग 8728 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। प्रतिदिन 50 किलोमीटर का सफर तय कर रहे हैं। इस यात्रा में वे उत्तराखंड स्थित ज्योतिर्लिंग केदारनाथ,बद्रीनाथ,उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ, झारखंड के वैद्यनाथ धाम,आंध्रप्रदेश के मल्लिकार्जुन, तमिलनाडु के रामेश्वरम, पूणे स्थित भीमाशंकर, नासिक के त्रियंब्केश्वर, संबाजी नगर के घंटेश्वर, इंदौर के ओमकारेश्वर,उज्जैन के महाकालेश्वर के दरबार मे हाजरी लगाएंगे। शनिवार की अहले सुबह 4 बजे उनकी आगे की यात्रा प्रारम्भ होगी।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने सीएम का जताया आभार

पलामू पर जमकर प्यार लुटा रही हेमंत सरकारः राजेंद्र सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झामुमो पलामू के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा पहली बार कोई प्रदेश सरकार पलामू व यहां के नागरिकों पर जमकर प्यार लुटा रही है। इसका जीता-जागता प्रमाण है खुद सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन का दो माह में तीसरी बार यहां आना। उन्होंने विहंगम कार्यक्रम के लिए चतरा, लातेहार, गढ़वा सहित पलामू के सभी नेताओं, कार्यकताओं को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रशासन के सभी पदाधिकारी व अधिकारी भी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सीएम द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया विकास रथ पूरे पलामू जिले का भ्रमण कर नागरिकों को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से रूबरू करायेगी। श्री सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे से झामुमो के सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं।

श्री राणी सती दारी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की बनी रूपरेखा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेड़मा चौक पांकी रोड स्थित नवनिर्मित श्री राणी सती मंदिर में पुर्न प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। पांच दिवसीय कार्यक्रम के बावत समिति के मनीष भिवानिया ने बताया कि 5 दिसंबर मंगलवार सुबह 8:00 बजे महाराजा अग्रसेन भवन कोयल नदी तट से कलश में जल भरकर मारवाड़ी समाज की 108 महिलाएं जय भवानी चौक, पंचमुहान चौक, काली मंदिर चौक, कचहरी होते रेड़मा स्थित मंदिर प्रांगण पहुंचेंगी। वहां विधि-विधान पूर्वक कलश को यज्ञ मंडप में स्थापित किया जाएगा। रांची के प्रसिद्ध पंडित श्याम सुंदर महाराज जी के नेतृत्व में प्रतिदिन यज्ञ स्थल पर पूजा-पाठ किया जायेगा। इस दौरान भक्तों को पटना की पूनम जी का मंगल पाठ व कोलकाता की स्वाति अग्रवाल का भजन सुनने का भी सुअवसर प्राप्त होगा। 8 दिसंबर शुक्रवार को 1:00 बजे नगर भ्रमण शोभा यात्रा श्याम मंदिर माली मोहल्ला से चलकर कनी राम चौक, आदत रोड, डाबर रोड, ओवर ब्रिज रेडमा चौक मंदिर परिसर पहुंचेगी। जहां दादी मां का फूलों से रथ सजेगा। 9 दिसंबर शनिवार को 2:00 बजे पूणाहुति के बाद भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष सुरेश भिवानिया, सचिव आलोक सांवरिया, कोषाध्यक्ष गोपाल छापड़िया, रोहित तुलस्यान, मनीष भिवानिया, टिंकू शंघाई, संदीप केजरीवाल ,दीपक नेमाला, नीरज कामदार, श्याम पोद्दार, भरत सांवरिया, मनोज भिवानिया, पप्पू लट, राजकुमार हरलालका, संजय केजरीवाल, विकास उदयपुरिया, सुशील तुलस्यान ,ओम प्रकाश सिंघानिया, पप्पू शर्मा, यश सर्राफ, ललित, अंकित मौजूद थे।

विभिन्न पदों के लिए अभी तक 62 ने खरीदे नामांकन फार्म

550 अधिवक्ता करेंगे अपने प्रतिनिधियों का चयन, नामांकन की अंतिम तिथि कल

भारी गहमागहमी के बीच नामांकन भरने का कार्य जारी है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला बार एसोसिएशन चुनाव के लिए 550 अधिवक्ता नवीन कार्यकारिणी के लिए अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। भारी गहमागहमी के बीच नामांकन भरने का कार्य जारी है। शनिवार निर्धारित समय तक जहां नामांकन के लिए 62 फार्म खरीदे जा चुके थे। वहीं विभिन्न पदों पर 24 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर निर्धारित की गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी वैद्यनाथ चौबे ने बताया कि नामांकन के दूसरे दिन तक अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक निवर्तमान अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने नामांकन किया है। जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए दो, महासचिव पद के लिए तीन व कोषाध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। इसी प्रकार संयुक्त सचिव प्रशासन पद के लिए दो एवं कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 10 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन किया है। वहीं सहायक कोषाध्यक्ष व संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद के लिए दूसरे दिन भी किसी ने भी नामांकन नहीं भरा है। चार दिसंबर को नामांकन करने की अंतिम तिथि है। इस दिन काफी अधिकाधिक नामांकन होने की संभावना जताई जा रही है। 6 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया का दायित्व संभाल रहे अधिवक्ता संजय दुबे ने बताया कि इस दौरान 45 मतदाता सूची की भी बिक्री हुई है। मतदान 16 दिसंबर को मतगणना 17 दिसंबर को किया जाएगा। इसी दिन चुनाव परिणाम की भी घोषणा कर दी जाएगी।

झामुमो युवा मोर्चा ने श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ समिति का किया सम्मान

मेदिनीनगर। झामुमो युवा मोर्चा ने झामुमो के वरिष्ठ नेता व श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी व युवा मोर्चा के अध्यक्ष सन्नी शुक्ला के नेतृत्व में महायज्ञ के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के सचिव आशुतोष विनायक ने किया। युवा मोर्चा के युवाओं ने झामुमो के वरिष्ठ नेता देवेंद्र तिवारी को माला पहनाकर व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। पलामू में हुए श्रीलक्ष्मी नारायण यज्ञ में कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर के आगमन पर हाउसिंग कालोनी में लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हुआ था। अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने युवा मोर्चा के सभी सदस्यों का धन्यवाद देते हुए कहा कि झामुमो परिवार के सभी लोग एक दूसरे का साथ देते हैं। उन्होंने मंत्री मिथिलेश ठाकुर के प्रति भी आभार जताया। मौके पर उपाध्यक्ष बबलू चौधरी, मुकेश चौधरी,अरविंद कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी प्रशांत सिन्हा, छात्र मोर्चा के कौशल कुमार, सौरभ पाठक, प्रभात तिवारी, अभिषेक सिंह उपस्थित थे।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में आन स्पाट लाभुकों को मिला लाभ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नावाबाजार प्रखंड क्षेत्र के तुकबेरा पंचायत सचिवालय परिसर में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नावा बाजार प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद, उपप्रमुख मीर खुर्शीद आलम, मुखिया विनोद विश्वकर्मा, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, पंसस प्रभा देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन जवाहर पासवान ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद ने लाभुकों को सर्वपेंशन योजना, पशुधन विकास योजना,आयुष्मान भारत कार्ड, मुख्यमंत्री अबुआ आवास, आधार पंजीकरण, शिक्षा विभाग की छात्रवृत्ति व पोशाक वितरण, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मनरेगा से दीदी बड़ी योजना, सिंचाई कूप निर्माण, जेसीपीएल, खाद्य आपूर्ति से राशन कार्ड, हरा कार्ड, कृषि विभाग से किसान क्रेडिट कार्ड, बिरसा हरित ग्राम योजना, आंगनबाड़ी केंद्र से सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बाल विकास परियोजना से महिलाओं को निशुल्क पोषाहार, गोद भराई रस्म, शिशुओं का अनुप्रास योजना सहित शिविर में लगे 18 स्टॉलों के लाभ तथा उपलब्धता के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पंचायतवासियों को महत्वाकांक्षी योजना से जोड़ कर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना ही कार्यक्रम का उद्देश्य है।। शिविर में विभिन्न सरकारी परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। मौके पर पूर्व जिला परिषद अनुज राम, छोटू सिंह, अरुण पासवान, विरेंद्र विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, जन वितरण प्रणाली दुकानदार मनोज प्रसाद गुप्ता,एलटी अजय मेहता, कपिल देव ठाकुर, संजीवन कुमार, कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के जिला सचिव सुरेंद्र कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह, पंचायत रोजगार सेवक गोविंदा पाण्डेय, प्रभु राम, विद्यापति राम, कनिय अभियंता राजू पासवान, अंचल उप निरीक्षक निक्सन, प्रधान सहायक सुधीर कुमार, शाखा प्रबंधक अरविंद कुमार द्विवेदी, आशीष कुमार मौजूद थे।

परिजनों का साथ छूटने से गढ़वा रोड स्टेशन पर भटक रहे थे दो किशोर

आपरेशन नन्हें फरिश्तेः आरपीएफ ने दो नाबालिकों को किया चाइल्ड लाइन के सुपुर्द

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने गढ़वा रोड जंक्शन पर इंस्पेक्टर बनारसी यादव के नेतृत्व में स्टेशन पर भटक रहे दो नाबालिकों को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द किया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दोनों किशोर की उम्र क्रमशः11 व 12 साल है। यह दोनों लड़के हैं। उन्होंने बताया कि 1 दिसंबर को 11:00 बजे दिन में जब वह टीम के साथ गढ़वा रोड जंक्शन स्टेशन पर गश्ती कर रहे थे। उसी समय एक जूता पॉलिश करने वाला व्यक्ति उनके पास आया। उसने बताया कि 12 साल का एक लड़का प्लेटफार्म पर कई घंटे से अकेले भटक रहा है। तत्काल पहल करते हुए उन्होंने बच्चे की तलाश की तथा उसे प्यार से बुलाकर उसका पता पूछा। उसने बताया कि वह रांची डोरंडा मोहल्ले का रहने वाला है। उसे खुद भी नहीं पता कि वह यहां कैसे पहुंचा। किशोर ने बहुत याद कर उन्हें एक मोबाइल नंबर दिया जो संपर्क करने पर उसकी बहन का निकला। उसकी बहन ने बताया उसका भाई 27 नवंबर से गुम है। उसकी गुमशुदगी की सूचना अरगोड़ा थाने में दर्ज कराई गई है। बनारसी यादव ने बताया कि बच्चे को चाइल्ड लाइन डालटनगंज के हवाले कर परिजनों को सूचना दे दी गई है। सही पहचान दिखाकर परिजन अपने बच्चे को चाइल्ड लाइन से ले जा सकते हैं। उसी दिन रात के 9:57 बजे गढ़वा रोड जंक्शन पर रांची से सासाराम जा रही ट्रेन आई थी। उसी ट्रेन के एक डिब्बे से एक यात्री ने आवाज लगाकर आरपीएफ को सूचना दी एक बच्चा जो 11 साल का है। गुमसुम अकेले यात्रा कर रहा है। आरपीएफ की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चे को ट्रेन से उतारकर बिस्कुट व पानी दिया। पूछने पर उसने बताया कि वह कक्षा चार का विद्यार्थी है। सरकारी उर्दू प्राथमिक विद्यालय नारी लोहरदगा जिला में पढ़ता है।। वह अपने पिता के साथ लोहरदगा स्टेशन से ट्रेन पकड़ने आया था। इसी बीच उसके पिता लघुशंका करने के लिए प्लेटफार्म से दूर चले गए। इसी बीच यह ट्रेन आ गई बच्चे ने बताया कि वह तो सवार हो गया लेकिन उसके पिता जब तक सवार होते ट्रेन खुल चुकी थी। आरपीएफ ने दोनों बच्चों को चाइल्ड लाइन डालटनगंज के सुपुर्द कर दिया है।

विपक्षी विधायकों के साथ सरकार का सौतेला व्यवहारः पुष्पा देवी

मेदिनीनगर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर महिला प्रतिनिधियों के साथ अव्यवहार पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए पाटन-छतरपुर की विधायक पुष्पा देवी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व प्रदेश सरकार विपक्षी विधायकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। सीएम को महिलाओ का सम्मान करना नहीं आता हैं। उनके पलामू आगमन पर जनप्रतिनिधि होने के नाते अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर सुबह मिल कर ज्ञापन सौंपा था। जब उनसे पूछे कि हमारे क्षेत्र के 512 पारा टीचर को हटा दिया गया है। एक तरफ तो सरकार रोजगार देने की बात करती है। वहीं दूसरी तरफ रोजगार छीनने का काम किया जा रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री ने भरी सभा मे कहा कि एक महिला विधायक चोरीछिपे मुलाकात करती हैं। एक महिला प्रतिनिधि को लेकर मुख्यमंत्री का यह बयान किस दृष्टिकोण से उचित है।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में आवेदन स्वीकृत

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठायें जिले के गरीब छात्र : उपायुक्त

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत बिना मार्जिन मनी के 4 लाख तक का ऋण देने का प्रावधान किया गया है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के पंडवा प्रखंड के आकाश कुमार अब उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज को दिशा देने का कार्य करेंगे। उनका यह सपना सरकार होता दिखने लगा है। यह संभव हो रहा है, सरकार द्वारा संचालित गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से। आकाश ने बताया कि स्नातक की डिग्री लेने के बाद पैसों कि कमी के कारण उन्हें उच्च शिक्षा का रास्ता नहीं दिख रहा था, लेकिन गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लागू होने से उनके मन में उच्च शिक्षा के प्रति रुचि जागृत हुई। उन्होंने बताया कि प्रचार- प्रसार के माध्यम से पता चला कि सरकार द्वारा गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना संचालित की जा रही है। आर्थिक कमियों के कारण जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते थे। उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। संयोग से शिविर उनके ब्लॉक परिसर में ही आयोजित होने की जानकारी मिली। अपने प्रखंड कार्यालय में आयोजित विशेष शिविर के दौरान उन्होंने आवेदन दिया। आकाश ने बताया कि सरकार की इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। विदित हो कि गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत बिना मार्जिन मनी के 4 लाख तक का ऋण देने का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत अधिकतम 15 लाख तक का शिक्षा ऋण प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक तथा अर्हता प्राप्त छात्र-छात्राओं को बैंकों से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराना सरकार का मुख्य उद्देश्य है। पलामू के उपायुक्त शशि रंजन ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना सहित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील आमजनों से की है। उन्होंने कहा है कि गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना वैसे छात्र-छात्राओं के लिए वरदान है। जिनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और वे उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना सहित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की है।

गागर में सागर

जिपस ने मुख्यमंत्री को सौंपा मांग पत्र पत्रकार सुरक्षा बीमा लागू करने की मांग

गढ़वा। भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा ने परिषद भवन पलामू में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपी है। उन्हांने मुख्यमंत्री से सभी मांगों पर सहानुभुतिपूर्वक विचार करते हुए नियमानुकुल कार्रवाई करने की मांग की है। सौंपे गये मांग पत्र में राज्य के पत्रकारों के हित में पत्रकार सुरक्षा बीमा एवं स्वास्थ्य बीमा कराने, सभी विभाग में कार्य आउटसोर्सिंग कर्मियों, मानदेय पर कार्यरत दैनिक मजदूरों की सेवा नियमितीकरण करने, समान काम के बदले समान वेतन देने, जिला परिषद सदस्यों को निर्वाचित क्षेत्र, प्रखंड या जिला मुख्यालय में कार्यालय उपलब्ध कराने, बड़े पैमाने पर बढ़ रहे भूमि विवाद का समाधान के लिए सभी हाल सर्वे, खतियान को ऑनलाइन रोकते हुए पुराने मांग पंजी टू एवं राजस्व कागजात के आधार पर सभी का कार्य प्रारंभ कराने, बिहार सरकार की तर्ज पर हाल सर्वे को निरस्त करते हुए पुनः नया एवं त्रुटिहीन सर्वे करवा कर भूमि विवाद का निष्पादन करने, झारखंड में केश कला बोर्ड का गठन कर नाई जाति के लिए पद सुरक्षित करने, भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी रिक्त पदों पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मी की पदस्थापना कराने, भवनाथपुर के ग्राम बंसानी, झगराखांड़ में नए डिग्री महाविद्यालय की स्थापना कराने, झगराखांड़ में मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराने, ग्राम बंसानी के कछरवा में कृषि विज्ञान केंद्र सह कृषि महाविद्यालय की स्थापना कराने आदि की मांग शामिल है।

कपूर्री ठाकुर चेतना मंच का गठन, राकेश ठाकुर अध्यक्ष व नंदकिशोर यादव सचिव

श्री बंशीधर नगर। धुरकी प्रखंड मुख्यालय स्थित कपूर्री चौपाल पर पूर्व मुखिया रामबदन राम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर जन नायक कपूर्री ठाकुर चेतना मंच का गठन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुये पूर्वमंत्री रामचंद्र केशरी ने कहा कि धुरकी में कई वर्षों से जननायक कपूर्री ठाकुर की प्रतिमा लगी है। प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को उनकी जयंती व 17 फरवरी को पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले को जारी रखने तथा प्रतिमा व स्थल की देखभाल करने के उद्देश्य से एक कमेटी का गठन किया जा रहा है। कमेटी के पदाधिकारियों की जिम्मेवारी होगी कि वे प्रत्येक वर्ष जननायक कपूर्री ठाकुर की जयंती व पुण्यतिथि समारोह का भव्य आयोजन करें तथा उनके विचारों को लोगों तक पहुंचाएं। बैठक में सर्वसम्मति से जननायक कपूर्री ठाकुर चेतना मंच का गठन किया गया। पूर्वमंत्री रामचंद्र केशरी, सेवानिवृत्त शिक्षक सीताराम जायसवाल, मुखिया हरिलाल सिंह, महबूब अंसारी, रघुनाथ सिंह व सुदर्शन प्रसाद गुप्ता को संरक्षक, राकेश ठाकुर को अध्यक्ष, रामाशंकर जायसवाल को उपाध्यक्ष, नंदकिशोर यादव को सचिव, घनश्याम प्रसाद को संयुक्त सचिव, कृष्णा कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष तथा 26 सदस्यीय कार्यकारिणी में भागीरथी प्रसाद, मोतीचंद ठाकुर, रमजान अंसारी, रामकिशुन राम, गणेश ठाकुर, नंदकिशोर चंद्रवंशी, दिनेश ठाकुर, रूपलाल ठाकुर, अयोध्या यादव, अरविंद गोड़, विनोद परहिया, रामचंद्र ठाकुर, गोपाल केशरी, शिवपूजन ठाकुर, रघुनाथ यादव, लक्ष्मण भुइयां, सूबेदार गोड़, समरथ गोड़, इंद्रदेव केशरी, बेलाल अंसारी, अशर्फी साव, रघुनाथ ठाकुर, हरिवंश कोरवा, रामदास भुइया, उदय केशरी, सीताराम भुइयां के नाम शामिल हैं। जननायक कपूर्री ठाकुर के प्रतिमा स्थल व लोहिया आश्रम के जीर्णोद्धार के लिये प्रशासन से सहयोग लेने, जननायक कपूर्री ठाकुर का शताब्दी वर्ष धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम कल

केतार। केतार पंचायत सचिवालय के प्रांगण में सोमवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इसकी जानकारी मुखिया प्रमोद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त शिविर में राशन, पेंशन, अबुआ आवास, पशुपालन, सावित्री बाई फुले किशोरी योजना, मनरेगा, पंद्रहवें वित्त, श्रम विभाग, कृषी विभाग, भूमि से संबंधित, गुरुजी स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड सहित अन्य योजनाओं का लाभ देने के लिए ग्रामीणों से आवेदन लिया जायेगा। वहीं ऑन द स्पॉट योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

शिविर में कुल 1991 आवेदन हुए प्राप्त

भवनाथपुर। बनसानी पंचायत में शनिवार को आपकी सरकार, आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत बीडीओ नंदजी राम, सीओ रामाशंकर श्रीवास्तव, जिला परिषद सदस्य रजनी शर्मा मुखिया लाइची देवी ने संयुक्त रूप से की। इसमें मनरेगा से 2 लोगों को कूप स्वीकृति पत्र, 10 छात्राओं को साबित्री बाई फुले योजना का लाभ, 5 छात्राओं को साइकिल के लिए 4500 का चेक दिया गया। 25 लोगों के बीच कंबल बितरण किया गया। शिविर में 1991आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम का संचालन बीपीओ तहमीद अंसारी ने की।

नियमित निरीक्षण नहीं होने से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, एमडीएम व बच्चों की उपस्थिति पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

चार बीईओ के भरोसे चल रही 20 प्रखंडों की शिक्षा व्यवस्था

बिट्टू सिंह, केतार

गढ़वा जिले में शिक्षा विभाग का खस्ताहाल है। यहां पर 20 प्रखंडों की शिक्षा व्यवस्था मात्र चार प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीइईओ) के भरोसे है। प्रखंडों में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी की पदस्थापना नहीं होने से विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सभी प्रखंडों में विद्यालयों का नियमित निरीक्षण भी नहीं हो पा रहा है। इस कारण शिक्षा की गुणवत्ता पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। एक बीइईओ पांच- छह प्रखंडों के प्रभार में हैं। इसके कारण वे नियमित रूप से किसी भी प्रखंड के विद्यालयों का निरीक्षण नहीं कर पाते हैं। बीइईओ विजय कुमार पांडे बंशीधर नगर (नगर उंटारी) में पदस्थापित हैं, जबकि इन्हें रमना, विशुनपुरा, केतार, भवनाथपुर व खरौंधी के अतिरिक्त प्रभार मिले हैं। प्रतिभा कुमारी डंडई में पदस्थापित हैं और इन्हें धुरकी, सागमा व चिनिया के अतिरिक्त प्रभार सौंपे गये हैं। विद्यासागर मेहता मझीआंव में पदस्थापित हैं और से कांडी व बरडीहा के अतिरिक्त प्रभार संभाले हुए हैं। वहीं रम्भा चौबे सदर प्रखंड गढ़वा में पदस्थापित हैं। इसके अलावा इनको भंडरिया, बड़गड़, रमकंडा, रंका, मेराल व डंडा के अतिरिक्त प्रभार सौंपे गये हैं। गढ़वा जिले के 20 प्रखंडों में वर्ग एक से आठ तक 1611 विद्यालय हैं। बीइईओ को विद्यालय निरीक्षण के साथ- साथ विभागीय कार्य भी देखना

1611 विद्यालय हैं जिले में वर्ग 1 से 8 तक के

पड़ता है। ऐसे में पदस्थापित प्रखंड से 50-60 किलोमीटर की दूरी तय कर विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करना संभव नहीं है। जिस वजह से शिक्षा व्यवस्था की स्थिति दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। वहीं विद्यालयों का नियमित निरीक्षण नहीं होने से विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था और मध्याह्न भोजन में मनमानी चल रही है। सिर्फ कागजी रिपोर्ट और फाइलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, एमडीएम, बच्चों की उपस्थिति को बेहतर बताया जाता है। मझीआंव में पदस्थापित बीइईओ विद्यासागर मेहता 31 जनवरी 2024 को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। इसके बाद तीन बीइईओ के भरोसे ही जिले के 20 प्रखंडों के 1624 विद्यालयों का संचालन होगा।

जिले में स्कूलों की संख्या

गढ़वा जिले में कुल विद्यालयों की संख्या 1611 है। इसमें केतार प्रखंड में 49, भवनाथपुर में 66, खरौंधी में 63, नगर उंटारी में 108, सागमा में 31, धुरकी में 66, मझीआंव में 83, कांडी में 106, बरडीहा में 36, रमकंडा में 80, गढ़वा 215, बडगड़ 56, भंडरिया 79, रंका 164, मेराल 149, विशुनपुरा 34, डंडा 18, चिनिया 63, डंडई 82 और रमुना में 63 विद्यालय हैं।

डीईओ बोले, प्रखंड स्तर पर पदाधिकारी की कमी

इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार ने कहा कि प्रखंड स्तर पर पदाधिकारी की कमी है। जितने लोग हैं उन्हीं से कार्य चलाया जा रहा है। विद्यालय निरीक्षण के लिए बीपीएम, सीआरपी व बीआरपी हैं। प्रखंड स्तर पर इन्हीं से कार्य कराया जा रहा है।

सक्षम झारखंड कौशल विकास केंद्र में प्रशिक्षु बच्चों का हंगामा

केंद्र में व्यापक भ्रष्टाचार व मीनू के अनुसार समय पर खाना नहीं देने का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत फेस सोसाइटी की ओर से सहिजना में चलाये जा रहे प्रशिक्षण केंद्र में छात्रों ने जमकर हंगामा किया।

कौशल विकास केंद्र में सिलाई, नर्सिंग कंप्यूटर आदि का प्रशिक्षण ले रहे छात्रों ने कहा कि कौशल विकास केंद्र में व्यापक भ्रष्टाचार है। प्रशिक्षण केंद्र में छात्राओं को मीनू के अनुसार खाना नहीं मिल रहा है। साथ ही कई दिन खाने में कीड़े मकोड़े मिले हैं। छात्रों ने कहा कि उन लोगों के द्वारा कौशल विकास केंद्र में अनियमितता की शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती है। उन्होंने बताया कि केंद्र संचालक द्वारा शिकायत करने पर डराया धमकाया जाता है। राज्य सरकार द्वारा हम सभी पिछड़े वर्ग के लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए बेहतर व्यवस्था दी जा रही है लेकिन कौशल विकास केंद्र संचालक द्वारा उक्त योजना में भ्रष्टाचार किया जा रहा है। छात्रों ने बताया कि कौशल विकास केंद्र में मीनू के अनुसार समय पर खाना नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा बेहतर प्रशिक्षक भी नहीं है। उसके कारण छात्रों को बेहतर जानकारी भी नहीं मिल रही है। छात्रों ने कहा कि शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक उन्हें खाना नहीं मिला। साथी छात्रों से खाना भी बनवाया जाता है। छात्रों ने भूखे रहने के कारण हंगामा करते हुए उपायुक्त से मीनू के अनुसार भोजन दिलाने की मांग की। साथ ही बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। छात्रों ने कहा कि केंद्र में सुधार नहीं लाया जाएगा तो उग्र आंदोलन करेंगे। इसके बाद हम लोग प्रशिक्षण छोड़कर अपने-अपने घर चले जाएंगे।

इस संबंध में कौशल विकास केंद्र के प्रभारी अनीश रंजन सिंह ने बताया कि कभी-कभी खाने में गलती से ऐसा हो जाता है। सभी छात्रों को मीनू के हिसाब से खाना दिया जाता है। छात्रों द्वारा लगाया गया आरोप निराधार है। वहीं इस संबंध में जिला नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई होगी।

एक साथ दो युवकों की अर्थियां उठने से गांव के लोगों की आखें हुई नम

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया

थाना क्षेत्र के डोल गांव में बाइक दुर्घटना में एक साथ दो युवकों की मौत से गांव में मातम छा गया है। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शवों के गांव पहुंचते ही परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। एक साथ दो-दो अर्थी उठने से पूरे गांव के लोगों की आखें नम हो गईं। बताते चलें कि शुक्रवार की शाम डोल गांव निवासी बाइक सवार राकेश सिंह (25) व राजा सिंह (17) सड़क किनारे खड़े हाईवा में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। राकेश सिंह घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। कुछ ही दिन पहले धान कटनी करके बाहर से घर आया था। उसका एक छोटा बच्चा और घर में पत्नी व माता-पिता हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अगर हेलमेट पहने हुए होते तो दोनों की जान बच सकती थी। दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार भी बताया जा रहा है।

युवक की असमय मृत्यु से परिवार व टोला आहत

रमना। सिलिदाग पंचायत के अठनवा टोला निवासी 30 वर्षीय रुपेश कुमार उर्फ दिनु का निधन शुक्रवार रात्रि इलाज के क्रम में रांची के अस्पताल में हो गया। मृतक का अंतिम संस्कार सिलिदाग स्थित गड़गड़वा नदी के शमशान घाट पर किया गया। युवक की असमय मृत्यु से लोग आहत हैं। रुपेश भूइयां होम ट्यूशन पढ़ाकर अपने और परिवार के पालन-पोषण में सहयोग करते थे। गत दिनों अचानक से बुखार हुआ। उसका तत्काल इलाज गढ़वा निजी अस्पताल में किया गया, जहां से चिकित्सक ने रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन रांची लेकर गये थे। गत माह पूर्व इसी घर से मृतक के बड़े भाई मंदिश भूइयां की भी मृत्यु किसी विषैले जंतु के काटने से हो गयी थी। एक ही वर्ष में एक ही घर से दो-दो युवकों की मौत से घर वालों के साथ पूरा मुहल्ला आहत है। जिलाध्यक्ष शांति देवी मुखिया पति दिलीप ठाकुर, ग्रामीण शिवकुमार सिंह, गिरवर राम इत्यादि ने दुःख प्रकट किया और परिजनों से मिलकर ढांधस बढ़ाया।

डीसी के निरीक्षण में डीएस दूसरी बार अनुपस्थित पाए गए, वेतन रोकने का निर्देश

उपायुक्त ने सदर अस्पताल में साफ सफाई का अभाव पाया, व्यवस्थाओं में सुधार का निर्देश

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने शनिवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीएस डॉ. हरेन चंद्र महतो अनुपस्थित पाए गए, जिसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन को डीएस से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। इससे पूर्व भी उपायुक्त के निरीक्षण के दौरान डीएस अनुपस्थित पाए गए थे। उपायुक्त ने कहा कि लगातार दो बार अनुपस्थित रहने से स्पष्ट है कि डीएस सदर अस्पताल में प्रायः नहीं रहते हैं इसलिए अगले आदेश तक उनकी वेतन निकासी पर रोक लगाई जाए। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश सिंह भी अनुपस्थित पाए गए। उपायुक्त ने उनसे भी स्पष्टीकरण प्राप्त कर सिविल सर्जन के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सदर अस्पताल में साफ सफाई का अभाव पाया। ओपीडी में चिकित्सक एवं मरीज व्यवस्थित तरीके से बैठे हुए नहीं पाए गए। इस पर सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि यथाशीघ्र सभी व्यवस्थाओं को सुधार करते हुए समुचित तरीके से सदर अस्पताल का संचालन सुनिश्चित करें।

डंडई : अबुआ आवास के स्टॉल पर लगी ग्रामीणों की लंबी कतार

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

प्रखंड की लवाही पंचायत में शनिवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंचायत सचिवालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रमुख क्रांति देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार, सीओ चुनाराम हेंब्रम, चिकित्सा पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी, 20सूत्री अध्यक्ष कयामुद्दीन अंसारी, मुखिया बच्चालाल गुप्ता, प्रधान लिपिक अभयानंद सिन्हा ने भाग लिया। कार्यक्रम में अलग-अलग विभागों के दर्जनों विभागवार स्टॉल लगाए गए थे। इस बीच श्रम, शिक्षा, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, फूलों झानो आशीर्वाद योजना, मुसहर परिवार, 15वें वित्त आयोग, मनरेगा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, कल्याण, कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि विभागों के स्टालों पर पदाधिकारी मुस्तैद रहे। इस दौरान सबसे ज्यादा भीड़ मनरेगा, अबुआ आवास, सावित्रीबाई फुले योजना के स्टालों पर देखा गया। मनरेगा के स्टॉल पर खासकर, पशु शेड को लेकर ग्रामीण काफी बेचैन देखे गए। इसी तरह अबुआ आवास के स्टॉल पर भी ग्रामीणों की लंबी कतार देखी गई। स्टॉल पर कुछ घंटों के लिए उस समय अराजकता का माहौल बन गया जब बीपीओ सह पीएम आवास समन्वयक अरविंद कुमार द्वारा कई आवेदनों को वापस लौटा दिया गया। मामले की शिकायत शिविर में ही प्रमुख कांति देवी तक पहुंच गई। वहीं उनके हस्तक्षेप के बाद अबुआ आवास के स्टॉल पर सभी आवेदकों से आवेदन लेना शुरू कर दिया गया। इस बीच बीडीओ और सीओ की ओर से कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान भी करने का काम किया गया। लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण किया गया। इस बीच पेंशन की राशि से अब तक वंचित 85 वर्षीय एक वृद्ध की पेंशन को बीडीओ ने ऑन द स्पॉट स्वीकृति दी। शिविर में पंचायत के मुखिया बच्चा लाल गुप्ता की ओर से एक अलग से स्टॉल लगाकर पंचायत वासियों के आवेदन पर उन्हें हस्ताक्षर के साथ-साथ अपनी मुहर भी लगाते देखा गया। मौके पर सहायक अभियंता राहुल कुमार, कनीय अभियंता मुकेश कुमार दुबे, बीपीओ अरविंद कुमार, पंचायत के पंचायत सचिव विकाश कुमार, रोज सेवक संजीव ग्रामीण नंदू साह, संजय चंद्रवंशी, महेंद्र गुप्ता, उमाशंकर यादव, श्रीधर बैठा व प्रखंड कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

मझिआंव : आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में 128 आवेदन हुए प्राप्त

मझिआंव। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार का आयोजन शनिवार को आमर राजकीय प्राथमिक विद्यालय के समीप किया गया। इसमें वार्ड 8, 9 व 10 के लोगों की मुख्य रूप से भागीदारी रही। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार ने लोगों को बीच 72 कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम में पेंशन से संबंधित 53, सावित्रीबाई फुले योजना के 9, राशन कार्ड संशोधन के 30, भूमि म्यूटेशन के 5 तथा अन्य 31 सहित कुल 128 आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम में स्वच्छता प्रभारी राकेश कुमार सिन्हा, नाजीर अमित पाठक, नगर प्रबंधक जितेश, अनूप तिवारी आदि मौजूद थे।

पहल | मंत्री प्रत्येक माह दोनों परिवारों को तीन हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान करेंगे

मंत्री मिथिलेश ने 2 असहाय परिवारों को लिया गोद

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने जिले के दो गरीब असहाय परिवारों को गोद लिया है। मंत्री के निर्देश पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे एवं अन्य नेताओं ने शनिवार को इन परिवारों से मिलकर इन्हें सहयोग राशि प्रदान की। मंत्री अब प्रत्येक माह इन परिवारों को तीन हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान करेंगे। साथ ही इनकी अन्य आवश्यक आवश्यकताओं की भी पूर्ति करेंगे।

बेलचंपा पंचायत के मेढ़ना निवासी स्व. रणधीर पासवान के परिवार को गोद लिया गया है। बताया जाता है कि रणधीर पासवान की कुआं में डूबने से मौत हो गयी थी। उनके परिवार में कमाने वाला कोई नहीं बचा था। साथ ही परिहार पंचायत के ग्राम बलीगढ़ में निवासी गोरख राम एवं उसकी पत्नी अनीता देवी दोनों की मौत हो गई थी। परिवार में सिर्फ वृद्धा मालती कुंवर एवं तीन बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण मुश्किल हो गया था। मंत्री ने इन दोनों परिवारों को गोद लिया है। साथ ही इन परिवारों को मंत्री की ओर से छह-छह हजार रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इन परिवारों को प्रतिमाह तीन हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। इस संबंध में मंत्री ने कहा कि कई ऐसे परिवार हैं जिनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब है या पूरी तरह से बेसहारा हैं, जिन्हें अपने जीवन बसर के लिए भी काफी परेशानी हो रही है। ऐसे परिवारों को वे जीवन बसर के लिए हरसंभव मदद करेंगे। कार्यकर्ताओं के माध्यम से ऐसे दो परिवारों की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इन परिवारों को गोद लिया है। वे हमेशा उनकी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे लोगों को सहयोग की काफी आवश्यकता है। समाज के अन्य सक्षम लोग भी अपने आसपास के इस प्रकार के लोगों की मदद करें तो किसी भी परिवार को बदतर जिंदगी जीने की विवशता नहीं होगी। मौके पर मुख्य रूप से गढ़वा प्रखंड अध्यक्ष फुजैल अहमद, बेलचम्पा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो पंचायत प्रभारी सोनल कुमार पासवान, पंचायत अध्यक्ष मुख्तार अंसारी, पंचायत सचिव धर्मेंद्र कुमार, अध्यक्ष राहुल कुमार चंद्रवंशी, सनोष पासवान (पप्पू), छोटू सिंह, विकाश कुमार, वार्ड सदस्य सोनू कुमार पासवान, विनोद राम, ललन पासवान, माखन पासवान, साकेत चौधरी, अनिल पासवान, तारेश पासवान, मुखिया रबिंद्र राम, उप मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, बीडीसी प्रतिनिधि संजय सिंह, वार्ड सदस्य सुषमा देवी, राकेश बैठा, भागीरथी सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष जरीना, दिनेश बैठा, अहमद अंसारी, सोशिल राम, भुनेश्वर सिंह, अनुज सिंह, कामेश्वर राम, राजकुमार पासवान आदि उपस्थित थे।

विभिन्न पंचायतों की महिलाओं ने ग्रहण की एआइएमआइएम पार्टी की सदस्यता

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

एआईएमआईएम के तत्वावधान में शनिवार को गढ़वा जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न पंचायतों से महिलाओं ने एआइएमआइएम पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। महिलाओं ने कहा कि वे लोग पार्टी की नीति और सिद्धांत को जानकर, मानकर व समझकर असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व में राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर रहे हैं। महिलाओं का कहना था कि दलित, पिछड़ा, शोषित, वंचित, अल्पसंख्यक भाइयों के साथ आज तक इंसाफ नहीं हुआ है। इस क्षेत्र की जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही है।

एआईएमआईएम के नेताओं ने महिलाओं को जागरूक करने के लिए और सदस्यता अभियान चलाने के लिए अपने-अपने क्षेत्र में काम करने की बात कही। गढ़वा रंका- विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सह विधानसभा प्रभारी डॉ. एमएन खान ने सबको माला पहनाकर व पार्टी का गमछा प्रदान कर पार्टी में स्वागत किया। सदस्यता ग्रहण करने वाले में माया कुमारी (चामा), दाया कुमारी (चामा), ललिता देवी (चामा), अनीता भारती (गेरुआ), सोनी देवी (हासनदाग) आदि शामिल हैं। मौके पर गढ़वा जिला के प्रवक्ता अब्दुल रहमान अंसारी, जिला महासचिव हाजी नसीरुद्दीन, कोषाध्यक्ष इफ्तेखार अहमद, जिला सचिव अवध किशोर मेहता, कल्याणपुर के पंचायत अध्यक्ष गुलबहार अंसारी, आशिक अंसारी, एनुअल अंसारी आदि उपस्थित थे।

गागर में सागर

थाना प्रभारी ने मतदान केंद्रों का लिया जायजा, विभिन्न व्यवस्थाओं को जांचा

बारियातु। लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर प्रभारी थाना प्रभारी बिंदेश्वर महतो ने शनिवार को थाना क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सदर पंचायत के गाडी, लोदमदाग, नचना, बठेठ, साल्वे पंचायत के जबरा, गुरुलाल्वै, बारिखाप, टोंटी पंचायत के इटके, हेसला, टुणडाहुटु, शिबला पंचायत के राजगुरु, भाटचतरा, मकरा, राजगुरु के अलावा कई मतदान केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय व मतदान कर्मियों के बैठने, रहने की व्यवस्था सहित आदि का जायजा लिया। महतो ने बताया कि यह सामान्य प्रकिया है।

अज्ञात वाहन के धक्के से दो युवक गंभीर

बालूमाथ। पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में रांची-चतरा मुख्य मार्ग बरनी ग्राम के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने एक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार चंदवा निवासी विकाश भगत सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों घायलों को बारियातु थाना पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से एंबुलेंस द्वारा बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घायलों के पैर टूट गये हैं। शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। दोनों युवकों को प्राथमिक उपचार के बाद उचित इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। दोनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

विकसित भारत के तहत शिविर आयोजित

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत बसिया एवं चेताग ग्राम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर बीडीओ सोमा उरांव ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक योग्य व्यक्तियों को केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करना है। कृषि विभाग द्वारा ड्रोन से कीटनाशक छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नुक्कड़-नाटक के माध्यम से भी लोगों को डायन प्रथा के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर पूर्वी जिप सदस्य प्रियंका कुमारी, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा, उप प्रमुख कामेश्वर राम, एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, पंसस पिंटू नायक, विजय यादव, बसिया मुखिया विमला देवी, रामप्रवेश राम, देवनंदन प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

मिनी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

लातेहार। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय लातेहार में शनिवार को संकुल स्तरीय मिनी खेल कूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें लातेहार, पलामू, गढ़वा एवं लोहरदगा के करीब 120 छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिता की शुरुआत केंद्रीय विद्यालय लातेहार के प्राचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने की। केंद्रीय विद्यालय पलामू प्रथम स्थान पाकर संकुल स्तरीय विजेता रहा। लातेहार द्वितीय स्थान तथा केंद्रीय विद्यालय गढ़वा तृतीय स्थान पर रहा। मौके पर प्रदीप कुमार ठाकुर आदि मौजूद रहे।

चलाया गया कंप्यूटर साक्षरता अभियान

इटखोरी। प्रखंड अंतर्गत हीरो शोरूम के समीप सॉफ्टेक कंप्यूटर सेंटर द्वारा शनिवार को विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर विशेष कंप्यूटर साक्षरता अभियान चलाया गया। इसमें सोप्टेक कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक लोगों को कंप्यूटर साक्षर करने का संकल्प लिया। डायरेक्टर गोपाल कुमार ने बताया कि इटखोरी में सॉफ्टेक कंप्यूटर सेंटर 16 वर्षों से चलाया जा रहा है। बेसिक कंप्यूटर शिक्षा मात्र 500 रुपये में रजिस्ट्रेशन शुल्क लेकर दिया जा रहा है और अन्य कोर्स करने पर भी 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। मौके पर शिक्षक दिनेश पांडेय, गुलनाशी चाहत, रौनक गुलनाज, रोहित, रौनक आदि उपस्थित थे।

करंट की चपेट में आने से मवेशी की मौत

कुन्दा। थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंदरी गांव में शनिवार को कुंदा 11 हजार विद्युत प्रवाहित अर्थिंग तार के संपर्क में आने से एक मवेशी की मौत हो गई। राजदेव गंझू ने कहा कि मवेशी की मौत होने से मुझे काफी आर्थिक क्षति हुई है। भुक्त भोगी ने मुआवजे की मांग की है।

पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

चतरा। कौशल विकास सह प्रशिक्षण केंद्र डीएमएफटी में पदाधिकारियों पीएसई (फोटो सिमिलर इंट्रीज), डीएसई (डेमोग्राफिकल सिमिलर इंट्रीज) से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सुधीरदास, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, सभी बीएलओ, सुपरवाईजर वकम्पयूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

गिरिडीह के किसानों ने किया गिद्धौर-बलरी में लगी फसल का अवलोकन

गिद्धौर। कृषि विज्ञान केंद्र आत्मा गिरिडीह से तीन दर्जन किसान कृषि विज्ञान केंद्र चतरा पहुंचे। जहां चतरा कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम सहायक उपेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शनिवार को गिद्धौर प्रखंड के बलरी में लगे फसल का अवलोकन किया। इस दौरान खेत की जुताई से लेकर खेत में लगे गोभी, मिर्च, मटर, बैगन, आलू, सरसों सहित अन्य फसल की कोडाई दवा सहित पटवन की जानकारी किसानों से ली। उन्होंने बताया कि गिद्धौर में किसान काफी मेहनती है जिसके वजह से कृषि विज्ञान केंद्र आत्मा गिरिडीह से खेती को देखकर किसानों से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने जिले के किसानों को प्रशिक्षण देंगे। ताकि अच्छी फसल की उपज हो सके। मौके पर किसान के साथ व आत्मा से आए कृषक शामिल थे।

लातेहार जिले की विभिन्न पंचायतों में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

'योजनाओं का लाभ लें व दूसरों को भी प्रेरित करें'

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

प्रखंड की शीशी पंचायत में शनिवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी द्वारा संयुक्त रूप से शुभारंभ किया गया। इस मौके पर पूनम देवी ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर शिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से विभागों के स्टॉलों पर जाकर योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा करने की अपील की।

प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप योजना, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सोना सबरन धोती-साड़ी योजना आदि योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा गया कि ग्रामीण सरकार की महत्वपूर्ण योजना का लाभ स्वयं लें और साथ ही दूसरों को भी प्रेरित करें। इस दौरान विभिन्न योजनाओं को लेकर आवेदन प्राप्त हुए। कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष, पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से 4 छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल यूनिफॉर्म, 6 लाभुकों के बीच बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत स्वीकृति पत्र, 2 लाभुकों के बीच सर्वजन पेंशन योजना, 8 लाभुकों के बीच जॉब कार्ड, 10 लाभुकों के बीच पौधा, 5 लाभुकों के बीच आई कार्ड, 5 लाभुकों के बीच धोती-साड़ी, 4 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल के लिए स्वीकृति पत्र, 10 जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार मनोज तिवारी, अंचल अधिकारी विजय देवाशीस टोप्पो आदि उपस्थित थे।

बरवाडीह : सरकार आपके द्वार शिविर में 1741 आवेदन मिले, सबसे अधिक अबुआ आवास के 534

बरवाडीह। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया। इसका उद्घाटन बीडीओ राकेश सहाय, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद, उप प्रमुख वीरेंद्र जायसवाल, 20सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, पंचायत समिति सदस्य प्रवीन कुमार, मुखिया कालो देवी, 20 सूत्री सदस्य झामुमो नेता शशि भूषण तिवारी, सुनीता पाल आदि ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में बीडीओ के अनुरोध पर जिला प्रशासन द्वारा दिव्यंगता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जिला स्तरीय चिकित्सा टीम द्वारा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए 143 लोगों की जांच कर दिव्यंगता प्रमाणपत्र बनाया गया। शिविर के दौरान कुल 1741 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें आबुआ आवास योजना के सबसे अधिक 534 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा जॉब कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना के 16 आवेदन प्राप्त हुए। 150 लोगों को कंबल, 412 लोगों के बीच धोती-साड़ी का वितरण किया गया। इसके अलावा जॉब कार्ड समेत कई तरह के प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अनुज कुमार शरण, पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, शिक्षा पदाधिकारी नागेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कई मामलों का मौके पर निपटारा

चंदवा। प्रखंड की चेटर पंचायत सचिवालय में शनिवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन चंदवा पश्चिमी जिला परिषद सदस्य सरोज देवी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश गंझू, प्रखंड उप प्रमुख अश्विनी मिश्र, प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार, अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक, चेटर मुखिया मालो देवी, झामुमो प्रखंड सचिव मो. इजहार ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान बीडीओ ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से देते हुए ग्रामीणों को पंचायत स्तरीय शिविर का लाभ उठाने की बात कही। शिविर में कई मामलों को ऑन द स्पॉट निपटाया गया। सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना का स्वीकृति पत्र, पेंशन स्वीकृति पत्र, अंचल जमीन सुधार रसीद, लाभुकों के बीच धोती-साड़ी, साइकिल का चेक, जॉब कार्ड, पौधा, कंबल आदि का वितरण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अलग- अलग स्टॉल लगाकर सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप योजना, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। उप मुखिया सुमन देवी, पंसस शंकर गंझू, झामुमो युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रजापति आदि मौजूद थे।

मिश्रोल के आपके द्वार कार्यक्रम में सर्वाधिक आवास के 795 आवेदन

नवीन मेल संवाददाता। टंडवा

टंडवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मिश्रोल पंचायत सचिवालय परिसर में शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ बीस सुत्री अध्यक्ष सुभाष यादव, मुखिया संघ जिला अध्यक्ष अंरविद सिंह, सुबेश राम, महावीर साव, सुरेश यादव, रविन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों ने विभिन्न विभाग द्वारा लगें स्टॉलों का निरीक्षण किया। शिविर में विभिन्न विभगों के साथ विशोष रुप से आबुआ आवास के लिए स्टॉल लगाए गए थे। शिविर में 1012 आवेदन आए, जिसमें सबसे अधिक आबुआ आवास 795 आवेदन जमा हुए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिप सदस्य ने कहा कि शिविर में आम लोगों का कार्य आसानी से हो रहा है। शिविरों में सरकार ने गरीबों के लिए सर्वजन पेंशन और अबुवा आवास की सौगात दे रही है।

एकलव्य विद्यालय के विरोध ने पकड़ा जोर

ग्रामीणों ने बैठक कर अंचल व अनुमंडल कार्यालय में पुणः आवेदन देने का लिया निर्णय

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड़

प्रखंड की अक्सी पंचायत के सरनाडीह ग्राम में शनिवार को ग्रामीणों ने बैठक कर गांव में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय निर्माण का विरोध करते हुए अंचल और अनुमंडल कार्यालय में पुणः आवेदन देने का निर्णय ग्रामसभा माध्यम से लिया। बैठक में अक्सी पंचायत मुखिया रोजलिया टोप्पो एवं सरनाडीह गांव के ग्रामीण भारी संख्या में मौजूद थे। बता दें कि महुआडांड़ अंचल द्वारा बीती 22 नवंबर को अंचल निरीक्षक गौतम कुमार एवं अमीन हैदर अंसारी समेत कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कंपनी के पदाधिकारी, रनधीर सिंह, थाना प्रभारी इंचार्ज रतन टुडू की मौजूदगी में विद्यालय निर्माण की 15 एकड़ भूमि की मापी करके सीमांकन किया गया है। आदिवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के मंतव्य से भारत सरकार द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निर्माण किया जाना है। सरनाडीह गांव में करोड़ों रुपये की लागत से विशाल खेलकूद मैदान, छात्रावास, चहारदीवारी, आवास और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित विद्यालय का निर्माण कार्य जल्द शुरू होना था। विद्यालय निर्माण का कार्य हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कंपनी को दिया गया है।

2019 में सरकारी (बकास) भूमि चिह्नित की गई, परंतु ग्रामीणों के विरोध के कारण उक्त विद्यालय निर्माण की राह आसान नहीं लगती।

क्या कहते हैं ग्रामीण : सरनाडीह गांव के ग्रामीण कहते हैं कि इस विद्यालय के लिए जो भूमि चिन्हित की गई है वह प्रसिद्ध स्नान घाट है। विद्यालय निर्माण के लिए ग्रामीणों के साथ बैठक भी कभी नहीं की गई। अचानक मालूम होता है कि विद्यालय का निर्माण होना है। वहीं फर्जी तरीके से ग्राम सभा कर ग्रामीणों के हस्ताक्षर कराए गए हैं। ग्रामीण यह भी कहते हैं कि पहले से ही गांव में प्राथमिक मध्य विद्यालय सरनाडीह विद्यमान है। उसी में सुविधाओं को बेहतर करके बच्चों को शिक्षा दी जा सकती है।

क्या कहती हैं मुखिया : रोजलिया टोप्पो कहती हैं कि ग्रामीणों द्वारा उक्त विद्यालय निर्माण का विरोध इसलिए किया जा रहा है कि विद्यालय के लिए जो भूमि चयनित की गई है, उसका लोकेशन सही नहीं है। इस विद्यालय को किसी और जगह बनाने की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही है। 2021 से ही ग्रामीण विद्यालय बनने का विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर अंचल, अनुमंडल एवं जिला उपायुक्त को आवेदन दिया गया है, लेकिन अधिकारी द्वारा बार-बार इस मुद्दे को नजरअंदाज किया जाता है।

संस्कृत की नहीं होती पढ़ाई, छात्रों ने कहा बिन पढ़ाए ही थमा दिया जाता है प्रश्न पत्र

नवीन मेल संवाददाता। कुंदा(चतरा)

6 से 14 वर्ष आयु के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने को लेकर सरकार शिक्षा व्यवस्था पर लाखों खर्च कर रही है। लेकिन गुणवत्ता युक्त शिक्षा नहीं मिलने से बच्चे परेशान हैं। कुंदा प्रखंड मुख्यालय स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय की छात्राओं का आरोप है की संस्कृत की एक दिन भी पढ़ाई नहीं हुई और प्रश्न पत्र थमा दिया जाता है। ऐसे में संस्कृत की परीक्षा कैसे दिया जाय। साथ ही छात्रों का आरोप है कि शिक्षक क्लास में पढ़ाने के बजाय सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कर आपस मे गप्पे लड़ाने व मोबाइल फोन चलाने में व्यस्त रहते हैं।

पढ़ाने के वक्त शिक्षक गप्पे लड़ाने व मोबाइल फोन में रहते हैं व्यस्त

वहीं एक छात्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि रसोईया द्वारा गैस चालू करने की मांग पर शिक्षक द्वारा बेतुका शब्द का प्रयोग करते हुए ड्रेस के बजाय साड़ी व ब्लाउज पहन कर स्कूल आने की बात कह दी गई। अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ऐसे शिक्षक बच्चों को अनुशासन व नैतिकता का ज्ञान दे सकते हैं। हालांकि प्रधानाध्यापक ने इस तरह के बयान को अपनी जानकारी में नहीं होने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि मेरे विद्यालय में 960 बच्चे नामंकित हैं, जबकि विद्यालय में मात्र 9 शिक्षक ही पदस्थापित हैं। इसके कारण पठन-पाठन में परेशानी हो रही है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए छात्रों ने डीएसई व प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से गुहार लगाई है।

डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक, 14 शिक्षकों को विद्यालयों में पदस्थापित करने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

समाहरणालय स्थित कार्यालय में उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला शिक्षा समिति अबु इमरान की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षक नियुक्ति से संबंधित बैठक हुई। बैठक में संस्कृत विषय के 11 शिक्षक, भूगोल विषय के 2 शिक्षक एवं उर्दू विषय के 1 शिक्षक कुल 14 शिक्षकों के नियुक्ति पर विचार विमर्श करते हुए सभी 14 शिक्षकों को जिले के विभिन्न विद्यालयों में पदस्थापित किया गया। साथ ही संबंधितों को कई अवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में डीआरडीए निदेशक अरुण कुमार एक्का, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिषेक बड़ाईक, कार्यपालक दंडाधिकारी राम नारायण खालखो, जिला कल्याण पदाधिकारी विजय कुमार दास आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम संत जेवियर्स कॉलेज नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का सर्वोत्तम महाविद्यालय : विधायक

हर्षोल्लास से मना संत जेवियर कॉलेज का स्थापना दिवस

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड़

संत जेवियर महाविद्यालय का स्थापना दिवस शनिवार को मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी विपिन कुमार दुबे, सर्किल ऑफिसर संतोष कुमार बैठा, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेंड डांग आदि ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि संत जेवियर्स कॉलेज निलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का सर्वोत्तम महाविद्यालय है। इस महाविद्यालय के प्राचार्य फादर डॉ एमके जोस, सिस्टर, प्रोफेसर्सगण तथा जितने भी अन्य सहायक सदस्य हैं, उनकी मेहनत और परिश्रम से यह कॉलेज इतना आगे बढ़ पाया है। विधायक ने आश्वासन दिया कि कॉलेज को आगे बढ़ाने में हरसंभव मदद करने के लिए तत्पर हूं। वहीं एसडीओ ने कहा कि मैं इस महाविद्यालय के बच्चों को उच्चतम स्तर की शिक्षा प्राप्त करने में मदद करूंगा तथा कभी वक्त मिले तो मैं प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में भी इनको जानकारी दूंगा। उन्होंने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखकर मैं अचंभित हो गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर फादर एमके जोस ने कहा कि प्रत्येक वर्ष नई-नई शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से महाविद्यालय विद्यार्थियों के अंदर हर तरह की प्रतिभा और अनुभव को विकसित करने का प्रयास करता है। कार्यक्रम के दौरान सभी विभागों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने नृत्य और नाटक के माध्यम से अनेकता में एकता का संदेश प्रस्तुत किया। मौके पर मुख्य रूप से फादर डॉक्टर समीर टोप्पो, सिस्टर कैसलीन जूलियट, फादर राजीप तिर्की, जफर इकबाल, रीमा रेनू सुरभी सिंह आदि उपस्थित थे।

पब्लिक सड़क से कोयले के बाद राख की ढुलाई पर चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। टंडवा

प्रखंड की लाइफलाइन सड़क से कोयले के बाद अब फ्लाई ऐश (राख) की ढुलाई की संभावना पर चारों ओर विरोध के स्वर उठने लगे हैं। उतरी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य देवंती देवी, मिश्रौल मुखिया सुबेश राम, काबरा मुखिया निलेश ज्ञासेन ने ब्यान जारी कर कड़ा विरोध जताया है और जिला प्रशासन से राख के ढुलाई कार्य नहीं कराने की मांग की है।

पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा है कि टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क पंचायत, प्रखंड व जिला मुख्यालय को जोड़ती है तथा सैकड़ों विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र अवस्थित है। भारी संख्या में आमजनों की मौत असमय हाईवा के चपेट में आकर हो चुकी है तथा हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। जिप सदस्य देवंती ने कहा की वर्तमान में

ग्रामीणों के साथ जिपस व कई मुखिया का विरोध

चट्टीबरियातु व आम्रपाली कोल परियोजना से प्रतिदिन हजारों की संख्या में कोयला लदे हाईवा दौड़ रहे हैं। अब एनटीपीसी की नॉर्थ कर्णपुरा विद्युत परियोजना से कोयले के अवशेष की ढुलाई किए जाने को लेकर ट्रांसपोर्टरों की गिद्ध दृष्टि लगी हुई है, जिसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उपायुक्त समेत संबंधित अधिकारी को लिखित आवेदन देकर कोयला व राख की ढुलाई पर रोक लगाने की मांग की जाएगी। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर न्यायलय का दरवाजा खटकाया जाएगा। कबरा मुखिया ने कहा कि अगर राख की ढुलाई सिमरिया-टंडवा मुख्य पथ से होती है तो हजारों लोगों के साथ विरोध में सड़क पर उतरा जाएगा।

गागर में सागर

संदीप को मिला कूप योजना का लाभ

लोहरदगा। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम भंडरा प्रखंड की भंडरा पंचायत स्थित टांड़ बाजार में आयोजित किया गया। इसमें कसपुर निवासी संदीप उरांव को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि अपने खेत में सिंचाई के लिए दूसरों के कुएं से पानी लेना पड़ता था, जिसके कारण कई बार दिक्कत होती थी। बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के अंतर्गत अब सिंचाई कूप मिल गया है तो इसके निर्माण के बाद सिंचाई की समस्या खत्म हो जाएगी। बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का लाभ दिए जाने पर संदीप उरांव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया।

असमंती उरांव को मिला जाति प्रमाणपत्र

लोहरदगा। मन्हो पंचायत के बंजार किस्को स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय मन्हो कीपांचवीं कक्षा की छात्रा असमंती उरांव को जाति प्रमाणपत्र दिया गया। असमंती बेहद खुश है और पढ़-लिख कर प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहती है। असमंती के पिता बैजू उरांव इस मौके पर मौजूद थे और वह बेटी को खूब पढ़ाना-लिखाना चाहते हैं। असमंती व उनके पिता ने ऑन द स्पॉट जाति प्रमाणपत्र का लाभ प्राप्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री व जिला प्रशासन, लोहरदगा को धन्यवाद दिया।

सुबेश्वर को मिला कूप योजना का लाभ

लोहरदगा। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम सदर प्रखंड के मन्हो पंचायत स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बंजारकिस्को स्कूल मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बंजारकिस्को निवासी सुबेश्वर उरांव को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि विशेषकर सब्जी की खेती लिए पानी की बहुत समस्या होती थी। सिंचाई के लिए पानी दूर से लाना पड़ता था। बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के अंतर्गत अब सिंचाई कूप मिल गया है तो इसके निर्माण के बाद सिंचाई की समस्या खत्म हो जाएगी। कूप संवर्धन योजना का लाभ दिए जाने पर सुबेश्वर उरांव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया।

गड़ेया को मिला कूप योजना का लाभ

लोहरदगा। लोहरदगा सदर प्रखंड स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मैदान में शनिवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में मन्हो पंचायत निवासी गड़ेया उरांव को शनिवार को कार्यक्रम स्थल पर ही बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के लाभ की स्वीकृति मिली। गड़ेया उरांव ने बताया कि बहुत समय से सिंचाई कूप की जरूरत थी लेकिन अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयास से बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन का लाभ मिला है। अब खेती बाड़ी के साथ-साथ दूसरे कार्य भी सिंचाई कूप के जरिए होंगे। पहले सिंचाई के अभाव में कई बार सब्जी की खेती बर्बाद हुई है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अब बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना से मिले कुंए से आगे फसल हानि की संभावना कम होगी। इसका फायदा मिलेगा और उत्पादन बढ़ेगा।

वृजनल को मिला कूप योजना का लाभ

लोहरदगा। चिरी स्थित संजय गांधी मध्य विद्यालय परिसर में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में चिरी ग्राम निवासी वृजनल महतो को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का लाभ मिला। वृजनल महतो ने इस योजना का लाभ दिए जाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताया।

चंपा उरांव को मिला कूप योजना का लाभ

लोहरदगा। चिरी स्थित संजय गांधी मध्य विद्यालय परिसर में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में चिरी ग्राम निवासी चंपा उरांव को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का लाभ मिला। चंपा ने कहा कि अब सिंचाई की समस्या झेलनी नहीं पड़ी।

15 साल में भी नहीं बन पाई अच्छी सड़क, खराब सड़क बनी पर्यटन स्थल को विकसित करने की राह में रोड़ा

पर्यटकों को अपनी खूबसूरती से लुभा रहा धरधरिया जलप्रपात

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जिले में मौसम बदलते ही लोग पर्यटन स्थल की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण लोग पर्यटन स्थल तक काफी कम पहुंच रहे हैं। किसी क्षेत्र का विकास का पैमाना उस क्षेत्र की सड़क से तय किया जाता है, लेकिन सड़क ही खराब हो तो उस क्षेत्र का विकास का अंदाजा लगाया जा सकता है। पर्यटन स्थल होने के बावजूद 15 साल से एक अच्छी सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है, जिससे सेन्हा प्रखंड में स्थित धरधरिया जलप्रपात के विकास और पर्यटकों में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण आज पूरा क्षेत्र विकास की कई योजनाओं से वंचित है। बता दें कि सेन्हा प्रखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र उरू चटकपुर गांव में स्थित धरधरिया जलप्रपात का दृश्य मन को प्रफुल्लित करता है। पर्यटक सेन्हा के धरधरिया जलप्रपात में नए साल के मौके पर प्रकृति की गोद में उत्सव मनाने पहुंचते हैं। यहां ऊंचाई से गिरता पानी और पहाड़ की सुंदरता मन को आनंदित करती है। नव वर्ष को लेकर धरधरिया को पर्यटकों का इंतजार रहता है। पर्यटक भी धरधरिया के दीदार को बेताब रहते हैं लेकिन खराब सड़क के कारण बहुत कम लोग ही पर्यटन स्थल की ओर रुख करते हैं। नए साल में यहां पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन यहां की खराब सड़कें उन्हें निराश करती हैं।

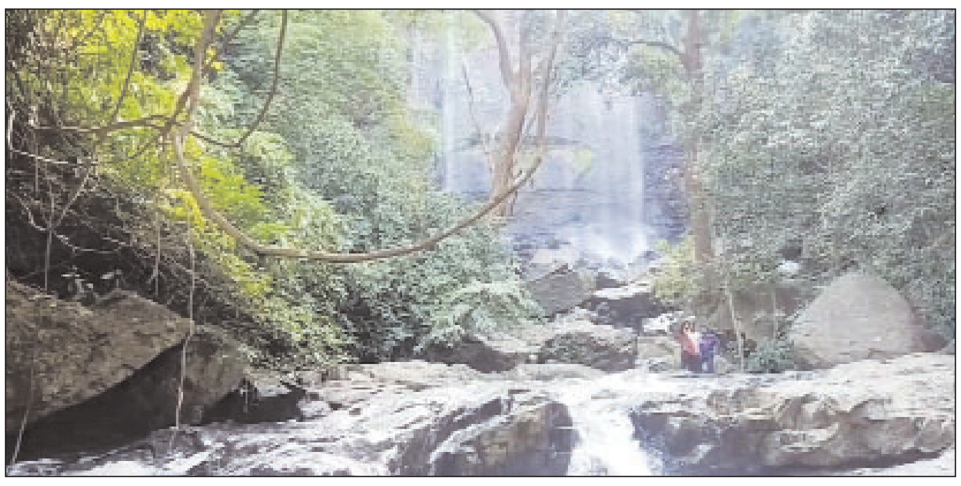

पर्यटकों के लिए यहां का नजारा अपने आप में अद्भुत होता है। जो एक बार यहां आ जाए, वह यहां की तस्वीरों को अपने कैमरे में कैद किए बिना नहीं रह सकता। युवा यहां जलप्रपात का दीदार कर सेल्फी लेते दिख जायेंगे। जलप्रपात में वातावरण की सुंदरता, चिड़ियों की चहचहाहट और प्रकृति ने तो जैसे यहां गहना पहना रखा है खूबसूरती का। लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड अंतर्गत धरधरिया जलप्रपात की यही खासियत है, लेकिन जिला प्रशासन की उदासीनता के कारण सड़क का निर्माण नहीं हो रही है, जिससे ग्रामीण भी परेशान नजर आते हैं।

उग्रवाद कम हुआ, तो बदलने लगी धरधरिया जलप्रपात की तस्वीर

हम सभी ने यह नाम पहले जरूर सुना होगा, पर शायद उस समय इस नाम से खौफ का अहसास होता होगा। जब मई 2011 में धरधरिया जलप्रपात में पुलिस और नक्सलियों के मुठभेड़ और विस्फोट में 11 जवान शहीद हो गए थे लेकिन अब जिले से जब से उग्रवाद कम हुआ है, तो तस्वीरें बदलने लगी है और लोग जलप्रपात का दीदार करने दूर दूर से पहुंच रहे हैं। लोहरदगा जिला मुख्यालय से 24 किलोमीटर दूर स्थित यह पर्यटन स्थल आज फिर से गुलजार हो चुका है। क्षेत्र की रौनक लौट आई है। पर्यटकों का यहां आना-जाना भी बढ़ा है। जिला प्रशासन क्षेत्र को पर्यटन विकास के दृष्टिकोण से देख रही है लेकिन बिना सड़क निर्माण का यह सपना अधूरा ही रह जायेगा। यहां की सुंदरता अपने आप में अद्भुत है और यह झरना पूरी तरह से खड़े चट्टान से गिरता है जो और झरनों से इसे अलग पहचान दिलाती है। जो भी पर्यटक यहां पर एक बार आता है, वह कहे बिना नहीं रह सकता कि हमने लाख जहां देखे हैं, पर ऐसा नहीं देखा। निश्चित रूप से धरधरिया जलप्रपात अपने आप में अद्भुत और दिल को सुकून देने वाला रमणीक पर्यटन स्थल है। धरधरिया जलप्रपात में विकास के कार्य हो रहे हैं लेकिन सुविधाओ का घोर अभाव है। वाटरफॉल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क ही नहीं है। अरु चौक से लेकर तोराड़ चौकनी और धरधरिया वाटरफॉल तक सड़क की स्थिति काफी खराब है, जिसको तय करने लोगों को दो घंटे का समय लग जाता है। इसके कारण पर्यटक बहुत कम इस वाटरफॉल में नजर आते हैं। पिछले 15 साल से सड़क का न तो निर्माण हुआ है और न ही मरम्मत, जिसके कारण लोगों को मुख्यालय तक आने में भी समस्या का सामना करना पड़ता है। जलप्रतात के सटे साके गांव के निवासी रतु उरांव बताते हैं कि गांव और मुख्यालय तक जाने के लिए कोई खास सड़क है। नदी में पुल नहीं है जिससे ग्रामीण को मुख्यालय तक जाने में समस्या होती है। खराब सड़क के कारण पर्यटक भी जलप्रपात में कभी कभार आते हैं। जिला प्रशासन भी इसपर ध्यान नहीं दे रहा है जिसके कारण सड़क निर्माण नहीं हो रहा है।

कार की टक्कर से ऑटो सवार छह यात्री घायल

शराब के नशे में था कार चालक, बीडीओ व थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

कार की टक्कर से ऑटो में सवार आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार सेन्हा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बक्सीडीपा जंगल में लोहरदगा-गुमला मुख्य पथ पर घाघरा की ओर से लोहरदगा जा रहे ऑटो में पीछे से कार ने टक्कर मारकर घटना स्थल से गाड़ी लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन बक्सीडीपा में ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने कार चालक धर दबोचा। बताया जाता है कि आल्टो कार चालक तेज व लापरवाही से शराब के नशे में वाहन चलाते हुए लोहरदगा की ओर जा रहा था। घायलों में दो को गंभीर चोटें आईं, जबकि चार को अंदरूनी चोट

लगने की बात बताई जा रही है। सभी घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया। घायलों की पहचान इटकी थाना क्षेत्र के कुन्दी निवासी एतवा तिग्गा के 18 वर्षीय पुत्र राजेश तिग्गा, चान्हो थाना क्षेत्र के लुंडरी निवासी संजय मिंज के 15 वर्षीय पुत्री निशा मिंज, लोहरदगा थाना क्षेत्र के हेसल मगन टोली निवासी चंद्र भगत के 30 वर्षीय पत्नी तेतरी भगताइन तथा 7 वर्षीय पुत्र पंकज भगत, बगडू थाना क्षेत्र के बेठठ निवासी रतिया उरांव की 17 वर्षीय पुत्री अमृता कुमारी और पूसो निवासी मंगलेश्वर उरांव की 6 वर्षीय पुत्री हिना चुलबुली के रूप में की गई। घटना की सूचना पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा, थाना प्रभारी अभिनव कुमार, एसआई गणेश कुमार यादव घटना स्थल पहुंच अग्रतर कारवाई में जुट गये। कार को जब्त कर थाना लाया गया।

दो पंचायतों में हुए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन कुडू प्रखंड की चिरी पंचायत स्थित संजय गांधी उच्च विद्यालय और सदर प्रखंड की मन्हो पंचायत स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास मैदान में किया गया। कुडू प्रखंड की चिरी पंचायत में जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन, साइकिल वितरण योजना, जॉब कार्ड समेत, कंबल वितरण समेत अन्य योजनाओं के लाभुकों को लाभान्वित किया। सभी विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं स्टॉल लगाये गये थे। जिला जनसंपर्क कार्यालय की ओर से जनप्रतिनिधियों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संदेश का वितरण किया गया। कुडू में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवेश कुमार साव, अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया, उप मुखिया, वार्ड सदस्य उपस्थित थे।

लाभान्वित हुए लाभुक

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन सदर प्रखंड की मन्हो पंचायत स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास मैदान में किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर, अंचल अधिकारी व जनप्रतिनिधियों द्वारा लाभुकों के बीच बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन, साइकिल वितरण योजना, जॉब कार्ड समेत, कंबल वितरण, जाति प्रमाणपत्र, भूमि सत्यापन समेत अन्य योजनाओं के लाभुकों को लाभान्वित किया। सभी विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं स्टॉल लगाये गये थे। कार्यक्रम में सभी विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों के स्टॉल लगाये गये थे। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अबुआ आवास, शिक्षा विभाग द्वारा गुरुजी स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, आमजनों से सामाजिक-आर्थिक बुनियादी परियोजनाओं के आवेदन प्राप्त किये जा रहे थे।

किसानों के बीच दो-दो किलो सरसों के बीज का वितरण

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

प्रखंड की झलजमीरा पंचायत के मेढ़ों ग्राम में बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत जिला कृषि कार्यालय आत्मा की ओर से प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष राजकिशोर राम और तकनीकी प्रबंधक आत्मा सुमन कुमार की मौजूदगी में किसानों के बीच दो-दो किलोग्राम सरसों बीज का वितरण किया गया। इस मौके पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष राजकिशोर राम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के किसानों के लिये कृषि से संबंधित विभिन्न तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसान अधिक दामों पर बीज नहीं खरीद सकते हैं। इसी के मद्देनजर प्रखंड क्षेत्र के किसानों को पूर्ण अनुदान पर बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

गुड़ी ने जीती मुख्यमंत्री आमंत्रण खेल प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता। कैरो

प्रखंड मुख्यालय स्थित डॉ. अनुग्रह नारायण उच्च विधालय खेल मैदान में शनिवार को प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय मुख्यमंत्री आमंत्रण खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रखंड उप प्रमुख मधुलिका रानी, बीस सूत्री उपाध्यक्ष बुधवा उरांव एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन मैच नरौली पंचायत बनाम हनहट पंचायत के बीच खेला गया, जिसमें नरौली पंचायत की टीम ने मैदानी गोल करते हुए विजय प्राप्त कर दूसरे चक्र में प्रवेश किया।

वहीं फाइनल मैच गुड़ी पंचायत बनाम गजनी पंचायत के बीच खेला गया, जिसमें गुड़ी पंचायत की टीम ने मैदानी गोल करते हुए विजय प्राप्त कर

जिला स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता जीत ली। इस मौके पर प्रखंड उप प्रमुख मधुलिका रानी ने कहा मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कर झारखंड सरकार ने ग्रामीण स्तर पर छुप्पी प्रतिभा को जिला, राज्य, देश स्तर पर प्रदर्शित करने का एक सुनहरा मौका प्रदान किया है, जिसका लाभ क्षेत्र के युवाओं को लेना चाहिय।

इस मौके पर मुखिया बीरेंद्र महली, अरबिंद उरांव, सुमन उरांव, पंचायत सचिव गुहा उरांव,राजेश कुमार, आनंदन सिंह आदि उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर में आज रखा जाएगा कलश एवं अक्षत

लोहरदगा। 500 वर्षों के बाद अयोध्या राम मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत 22 जनवरी को मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा होना है। इस निमित विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के द्वारा पूरे संपूर्ण भारत में निमंत्रण हेतु अयोध्या से कलश एवं अक्षत का वितरण किया जाएगा। 1 जनवरी से 15 जनवरी तक प्रत्येक घरों में निमंत्रण दिया जाएगा। उससे पूर्व कलश को प्रत्येक मंदिरों में नगर भ्रमण किया जाएगा। रविवार को संध्या 6:00 बजे मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर बरवा टोली मंदिर प्रांगण से नगर भ्रमण अप्पर बाजार होते हुए शोक विनाशक संकट मोचन हनुमान मंदिर गुदरी बाजार में कलश व अक्षत मंदिर में रखा जाएगा।

आयोजन संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक हुआ समापन

विद्या मंदिर विजेता व इंटर महाविद्यालय बना उपविजेता

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा संकुल स्थित मनोहरलाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित संकुल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसमें कुल 40 इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें संकुल के सभी सात विद्यालय से कुल 88 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। सात संरक्षक आचार्य, सात निर्णायक एवं बसिया के खेल प्रमुख अमरदीप कुमार कुल 109 की उपस्थिती रही। ऑल ओवर चैंपियन में तीसरे नंबर पर 69 अंक के साथ विद्या मंदिर बड़की चापि, दूसरे स्थान पर

मनोहरलाल अग्रवाल 73 अंक के साथ और प्रथम स्थान पर 93 अंक के साथ शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर रहा। सुजल बाखला, कमलेश उरांव व नीलिमा लकड़ा ने 3 -3 गोल्ड प्राप्त किया। 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, गोला फेंक, भाला फेंक, त्रिकुद, लंबी कूद आदि प्रतियोगिता के रूप में शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग, तरुण वर्ग ने भाग लिया।

इससे पहले संकुल स्तरीय खेलकूद समारोह का शुभारंभ संयुक्त प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष विनोद कुमार राय, सचिव अजय प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। विदित वर्ष का संकुल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता, कैरो के प्रधनाचार्य प्रमोद कुमार ने सहर्ष स्वीकार करते हुए सफल आयोजन हेतु संकुल स्तरीय खेलकूद कैरो के लिए संकल्पित करने की घोषणा की। इस प्रकार अगले संकुल स्तरीय खेलकूद का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कैरो में होना सुनिश्चित किया गया। मौके पर रश्मि साहू, सुंदरी देवी शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेशचंद्र पांडेय, सचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष विनोद राय, लोहरदगा संकुल के सातों विद्यालयों के प्रधानाचार्य विपिन दास, विमलेश तिवारी, उत्तम मुखर्जी, मनोहर मोदी, पिंकी इंदवार, सुरेश चंद्र पांडे, प्रमोद कुमार, खेलकूद प्रमुख जोधन सिंह, यशोदा कुमारी, अमरजीत आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी मौजूद थे।

सेन्हा थाना क्षेत्र में चलाया गया वाहन जांच अभियान

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

विशेष जांच अभियान के तहत सेन्हा थाना के समीप यातायात प्रभारी के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान चलाया गया। थाना क्षेत्र के जोगना मोड़ के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया वाहनों की जांच की गई। मोटरसाइकिल चालक को रोक कर हेलमेट तथा वाहन संबंधित कागजातों की जांच की गई। साथ ही जो मोटरसाइकिल चालक बिना हेलमेट पहने वाहन चलाता हुआ पाया गया उसको कड़ी फटकार लगाते हुए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने और गाड़ी का कागज साथ लेकर चलने के लिये कड़ी चेतावनी दी गई। वाहन जांच अभियान पुलिस

अधीक्षक हारिश बिन जमां के निर्देश पर यातायात प्रभारी संतोष कुमार द्वारा चलाया गया। कुमार ने बताया कि हेलमेट नहं पहन कर वाहन चलाने वालों का चालान काटा जा रहा है। साथ ही कहा कि आये दिन दुर्घटना होने के कारण वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा। साथ ही वाहन चालकों से हेलमेट पहन कर घर से चलने का आग्रह किया गया है। मौके पर एसआई गणेश यादव दल बल के साथ मौजूद थे।

मेटा ने भारत में एफबी से 3.36 करोड़ व इंस्टा से 3.7 करोड़ कंटेंट हटाये

एजेंसी। नई दिल्ली

मेटा ने कहा कि उसने अक्टूबर में भारत में फेसबुक की 13 नीतियों में 3.36 करोड़ से अधिक सामग्री और इंस्टाग्राम की 12 नीतियों में 34 लाख से अधिक कंटेंट हटा दिये। इस साल अक्टूबर में फेसबुक को भारतीय शिकायत तंत्र के माध्यम से 12,960 रिपोर्टें प्राप्त हुईं। उसने बताया कि 5,201 मामलों में यूजरों को उनके मुद्दों को हल करने के लिए उपकरण प्रदान किए गए। मेटा ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा, इनमें विशिष्ट उल्लंघनों के लिए कंटेंट की रिपोर्ट करने के लिए पूर्व-स्थापित चैनल, स्व-उपचार प्रवाह जहां वे अपना डेटा डाउनलोड कर सकते हैं, खाता हैक किए गए मुद्दों को संबोधित करने के रास्ते आदि शामिल हैं। मेटा ने कहा, अन्य सात हजार 759 रिपोर्टों में से जहां विशेष समीक्षा की आवश्यकता थी, हमने अपनी नीतियों के अनुसार कंटेंट की समीक्षा की, और कुल दो हजार 132 रिपोर्टों पर कार्रवाई की। शेष पाँच हजार 627 रिपोर्टों की समीक्षा की गई, लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं की गई। इंस्टाग्राम पर कंपनी को भारतीय शिकायत तंत्र के माध्यम से आठ हजार 252 रिपोर्टें प्राप्त हुईं। इसमें बताया गया, इनमें से हमने दो हजार 958 मामलों में यूजरों को उनके मुद्दों को हल करने के लिए उपकरण प्रदान किए। अन्य पाँच हजार 294 रिपोर्टों में से जहां विशेष समीक्षा की आवश्यकता थी, मेटा ने कंटेंट की समीक्षा की और कुल मिलाकर एक हजार 908 रिपोर्टों पर कार्रवाई की। शेष तीन हजार 386 रिपोर्टों की समीक्षा की गई लेकिन हो सकता है कि उन पर कार्रवाई न की गई हो। नए आईटी नियम 2021 के तहत 50 लाख से अधिक यूजरों वाले बड़े डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी। मेटा ने सितंबर में फेसबुक से 2.97 करोड़ से अधिक और इंस्टाग्राम से 44 लाख से अधिक कंटेंट हटा दिये थे।

व्हर्लपूल के शेयरों में 8 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। मूल कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 24 फीसदी तक कम करने की घोषणा के बाद शुक्रवार को व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के शेयरों में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। बीएसई पर व्हर्लपूल ऑफ इंडिया का शेयर 8.83 फीसदी गिरकर 1429 रुपये पर है। व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को 2024 में व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड (व्हर्लपूल इंडिया) में अपने स्वामित्व हित का 24 प्रतिशत तक बेचने की घोषणा की थी। व्हर्लपूल वर्तमान में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से व्हर्लपूल इंडिया में 75 प्रतिशत स्वामित्व हित रखता है, और इस तरह के लेनदेन के पूरा होने के बाद व्हर्लपूल इंडिया में बहुमत हित बनाए रखने का इरादा रखता है।

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की स्थिर कीमत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 2 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध है।

बाजार चढ़ने के साथ बिकवाली कर सकता है एफपीआई

एजेंसी। नई दिल्ली

शेयर बाजार एक बार फिर से उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में एफपीआई फिर से बिकवाली कर सकता है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने ये बात कही है। एफपीआई ने भारत में अपनी बिकवाली रणनीति को उलट दिया है। उन्होंने कहा, अमेरिकी बांड यील्ड में गिरावट और भारतीय बाजार की मजबूती ने एफपीआई को अपनी बिकवाली रोकने के लिए मजबूर किया है। पिछले छह दिनों के दौरान, एफपीआई भारत में लगातार खरीदार रहे। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में, एफपीआई प्रवाह सकारात्मक हो गया और 9,000 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीद का आंकड़ा सामने आया है, हालांकि उन्होंने नकदी बाजार में 368 करोड़ रुपये की बिकवाली की। उन्होंने कहा कि 2023 के लिए अब तक कुल खरीद का आंकड़ा 1,04,972 करोड़ रुपये है। आगे चलकर, एफपीआई की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण रूप से बाजार की प्रवृत्ति पर निर्धारित होगी, जो राज्यों के चुनाव परिणामों से प्रभावित होगी। यदि राज्य के चुनाव नतीजे सत्ताधारी सरकार के लिए अनुकूल रहे, तो बाजार में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी बिकवाली से एफपीआई के उस रैली को चूकने की संभावना नहीं है। वे वित्तीय क्षेत्र में खरीदारी कर सकते हैं जहां मूल्यांकन ठीक है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD), RANCHI
NirupanBhawan,3rd Floor, Room No. 401,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Short Tender Notice)

Letter of Invitation (LOI) No.-52/2023-24

e-Tender Ref No:–RCD/PID/RANCHI/52/2023-24 **Date:-25.11.2023**

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for construction of road from Dundur- Hisag under Chatarpur Block to Chauchhia Solanga including replacement/construction of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Proposal including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Proposal of Utility Shifting in details etc. as required by the Department (If any) under Palamu District in the State of Jharkhand. *Only Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022 are allowed to bid.
2	Tentative Length	9Km
3	Period of Completion of Work	60 Days
4	Cost of Tender documents& Earnest Money Deposit	Cost of tender documents is Rs. 5000/- (Non-Refundable) EMD:-The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 20000.00(Twenty Thousand only)as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in/)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	04.12.2023,10:30 AM
7	Online Last Date/Time of Bid Submission	18.12.2023 12:00 Noon
8	Date and Time of Bid opening	19.12.2023 12:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division,RCD,Ranchi Mob No.-8083039058

Note:-Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seem on e- procurement portal (https: // jharkhandtenders.gov.in).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 312567Road(23-24)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा
(E -MAIL ID – midloh632@gmil.com)

पत्रांक ..../ लोहरदगा, दिनांक....................../

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक – 1040 दिनांक – 28.11.2023 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 WRD/MID/LOHARDAGA/F2-19/2023-24 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR NO. 312222 (Lohardaga) 23-24 (D) द्वारा प्रकाशित है को इस प्रकार पढ़ा जाय।

1.	Date of Publication of E – Tender on website	01.12.2023 at 5:00 PM
2.	Last Date/Time for Submission of E – Tender BID's	14.12.2023 up to 5:00 PM
3.	Last Date for online Submission of Tender Fee and EMD	e-Procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 14.12.2023 up to 5:00 PM
4.	Date of opening Tender	16.12.2023 at 2:00 PM

अन्य शर्त्ते यथावत् रहेगा

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

PR 312555 Lohardaga (23-24)_D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
(लापता मदन कुमार गुप्ता)

मेराल थाना सन्हा सं0–18/23 दिनांक–29.11.2023, में लापता मदन कुमार गुप्ता पे0–प्रभुनाथ साहु, ग्राम–दलेली, थाना–मेराल, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वालें है। लापता ब्यक्ति के पिता प्रभुनाथ साहु के द्वारा आवेदन में बताया गया कि इनका बेटा मदन कुमार गुप्ता जो नेहा औषधालय में MR का काम करता था जो अभी तक घर वापस नहीं आया है। इनके परिवार के द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है।

अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता मदन कुमार गुप्ता ग्राम–दलेली, थाना–मेराल, जिला–गढ़वा, राज्य– झारखण्ड का किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलियाः–
नाम–मदन कुमार गुप्ता रंग–सावला
पहनावा–शर्ट आसमानी कलर एवं पैंट क्रिम रंग
मो0न0–9142940134

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 312529 (Police)23-24*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
(लापता अखिलेश पासवान)

मेराल थाना सन्हा सं0–10/23 दिनांक–28.11.2023, में लापता अखिलेश पासवान ग्राम–बाना, थाना–मेराल, जिला–गढ़वा, राज्य– झारखण्ड के रहने वालें है। लापता ब्यक्ति के पत्नी उर्मिला देवी के द्वारा आवेदन में बताया गया कि इनका पति अखिलेश पासवान मजदुरी का काम करने गुवाहाटी गये थे उधर से पटना रेलवे स्टेशन से किसी ट्रेन में चढ.कर दुसरे जगह चले गये। जो अभी तक वापस घर नहीं आये है। इनके परिवार के द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता अखिलेश पासवान ग्राम–बाना, थाना–मेराल, जिला–गढ़वा, राज्य– झारखण्ड का किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलियाः–
नाम–अखिलेश पासवान, पत्नी–उर्मिला देवी, रंग–गोरा, उँचाई–5 फीट 4 ईंच
पहनावा–उजला रंग का सर्ट एवं फुल पैंट भी उजला रंग का
मो0न0–810243398

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 312527Police(23-24)#D

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
कार्यालय – भूमि संरक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
E-Mail ID- dscogarhwa@gmail.com

कृषको, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं अन्य को अनुदानित दर पर पम्प सेट एवं छोटे कृषि उपकरण बैंक वितरण की योजना

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग), झारखण्ड, रॉची, राज्यादेश सं0 56 दिनांक 06.11.2023 के आलोक में गढ़वा जिले के कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य के लिए अनुदानित दर पर पम्पसेट एवं पाईप तथा छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना की योजना।

पम्पसेट एवं पाईप वितरण की योजना

मनरेगा अंतर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित छोटे और सीमान्त कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूह तथा साथ ही साथ भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा गत वित्तीय वर्षो में तालाब जीर्णोद्वार योजना एवं जलनिधि योजना के तहत् निर्मित परकोलेशन टैंक के लाभान्वित पानी पंचायत के सदस्यों एवं अन्य जल श्रोत से लाभान्वित कृषकों को भी उक्त योजना के तहत् पम्पसेट (1.5–3.0 H.P.तथा 3.5–5.0 H.P.) एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm) तथा 1.0 एच0पी0 सोलर पम्प सेट (Troly Mounted Movable Type) उपलब्ध कराया जायेगा।

क्र0	पम्पसेट के प्रकार	लक्ष्य	90% अनुदान
1	पम्पसेट 1.5–3.0 H.P. एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm)	150	अधिकतम रू0 20,000.00 (बीस हजार रूपये मात्र)
2	पम्पसेट 3.5–5.0 H.P.) एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm)	15	अधिकतम रू0 30,000.00 (तिस हजार रूपये मात्र)
3	1.0 एच0पी0 सोलर पम्पसेट (Troly Mounted Movable Type)	07	अधिकतम रू0 90,000.00 (नब्बे हजार रूपये मात्र)

जिन कृषकों को पूर्व में कृषि विभाग (निदेशक समेती/भूमि संरक्षण निदेशालय/कृषि निदेशालय/उद्यान निदेशालय) द्वारा सिंचाई पम्प का लाभ प्राप्त कराया जा चूका है उनकी पात्रता इस योजना के लिए मान्य नही होगी। मनरेगा अन्तर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी के कार्यालय में अपना नाम सूचीबद्ध करायेगें।

छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना

1	मिनी ट्रैक्टर/रीपर उनके सहायक कृषि यंत्र एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र	OSP-05	80प्रतिशत या अधिकतम 500000.00 रूपया
2	पावर टीलर/ रीपर उनके सहायक कृषि यंत्र एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र	OSP-05	80प्रतिशत या अधिकतम 160000.00 रूपया

छोटे कृषि उपकरण बैंक हेतु लाभुक की पात्रताः–

1. झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी, जिला–गढ़वा द्वारा गठित महिला स्वंय सहायता समूह/महिला सखी मंडल/कृषक समूह जिनमें कम–से–कम 10 से 12 सदस्य होना अनिवार्य है।
2. छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना में वैसे महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल एवं कृषक समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी, जिनके सदस्यों में से कम–से–कम एक सदस्य के पास ट्रैक्टर/वाहन (LMV) चालन का वैध लाइसेंस होगा एवं समूह के पास खेती योग्य 10 एकड़ से अधिक भूमि होगी।
3. महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्पस–पैक्स के द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना एवं व्यक्तिगत कृषकों द्वारा कृषि उपकरणों के क्रय हेतु कुल वास्तविक लागत का 20 प्रतिशत अंशदान की राशि समूह/कृषक द्वारा बैंक खाते में जमा होने का साक्ष्य आवेदन के साथ देंगे। चयन उपरांत समूह को कृषि यंत्र के क्रय हेतु यंत्रों का पैकेज उपलब्ध कराना होगा।
4. इस योजनान्तर्गत कुल वित्तीय लक्ष्य का न्यूनतम 50 प्रतिशत महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल क्षेत्र के माननीय विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृत किया जायेगा।
5. जिन महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्पस–पैक्स को पूर्व में कृषि विभाग द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना या अन्य किसी योजना (केन्द्र प्रायोजित योजना या राज्य योजना) के माध्यम से उपर्युक्त वर्णित कृषि यंत्रों में से जो कृषि यंत्र पूर्व में प्राप्त किया गया होगा, उन यंत्रों को छोड़कर ही अन्य कृषि यंत्रों के लिए पात्रता होगी।
6. समूहों का पूर्ण रूपेण भरे हुए आवेदन पत्र एवं सभी अनुलग्नक सहित जिला प्रोग्राम मैनेजर, झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, गढ़वा के माध्यम से कार्यालय को उपलब्ध कराया जा सकता है। जिला चयन समिति द्वारा सुयोग्य समूह/कृषकों का भौतिक लक्ष्य के विरूद्ध चयन किया जायेगा।
7. देय अनुदान की राशि का हस्तांतरण RTGS/NEFT के माध्यम से नियमानुसार समूह/कृषक के बैंक खाते में किया जायेगा। कुल औसत लागत का 80 प्रतिशत् अधिकतम 5.00 लाख रूपये अनुदान एवं व्यक्तिगत कृषक को कुल औसत लागत का 80 प्रतिशत् अधिकतम 1.60 लाख रूपये अनुदान देय है। अनुदान उपरांत अवशेष राशि समूह/कृषक अंशदान के रूप में देय होगा।
8. आवेदन पत्र भूमि संरक्षण कार्यालय गढ़वा के माध्यम से निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

1. **पम्प सेट एवं पाईप वितरण हेतु लाभुक की पात्रताः–**
   (1) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/लघु/सीमान्त कृषक/महिला समूह का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा।
   (2) आवेदन पत्र पर त्रिस्तरीय पंचायती राज के प्रतिनिधि का अनुशंसा अनिवार्य होगा।
   (3) अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार्य नही होगा।
   (4) पूर्णरूपेण भरे हुए आवेदन पत्र संवंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के कार्यालय में दिनांक 26.12.2023 को संध्या 5.00 बजे तक स्वीकार किये जायेंगें एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के कार्यालय से जॉच के फलस्वरूप दिनांक 30.12.2023 तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा किया जायेगा।
   (5) आवेदन पत्र इस कार्यालय एवं संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकेंगे। आवेदन पत्र भूमि संरक्षण निदेशालय के वेवसाईट-www.jharkjandsoil.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

विशेष जानकारी के लिए अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पताः– भूमि संरक्षण कार्यालय गढ़वा
संयुक्त कृषि भवन गढ़वा

ह0/
भूमि संरक्षण पदाधिकारी, गढ़वा

PR 312533Agriculture(23-24)#D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर गुमला

रोजगार मेला– 07 दिसम्बर 2023
सूचना

राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजन का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर गुमला के तत्वाधान में **नगर भवन गुमला परिसर में दिनांक–07.12.2023 (वृहस्पतिवार)** के पूर्वाह्न 10:30 बजे से 4:00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में निम्नांकित प्रमुख नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है :–

स्थानः– नगर भवन गुमला परिसर में।

Sl NO	Name of the Employer & Address	Name of the post	No. of Vacancy	Qualification Required	Experience	Age (Min. / Max)	Pay/ Scale	Job Location
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	SGRS Academic Pvt. Ltd Ranchi	Sewing Machine Operator For Male & Female Candidates.	10	10th pass	6 years	21-30 years	15,600/- Per Month	Jharkhand
		Retails Sales Associates Trainer For Male & Female Candidates.	4	Graduation Pass	2 years	21-30 years	20,000/- Per Month	Jharkhand
		Data Entry Operator Trainer For Male & Female Candidates.	4	Graduation Pass	2 years	21-30 years	20,000/- Per Month	Jharkhand
		Soft Skill Trainer For Only Female Candidates.	4	Graduation Pass in English Honors.	1years	21-30 years	15,600/- Per Month	Jharkhand
		IT Hardware For Male & Female Candidates.	4	BCA/ IT Pass	1years	21-30 years	18,000/- Per Month	Jharkhand
2	National Career Service, Hehal Bus Stand , Itki Road Ranchi	Automobile Repair, Consumer Electronics, Dress Making For Male & Female Candidates.	20	No Bar	Nil	15-50 years	2,500/- Per Month Stipend	Ranchi
		Offset Printing and book Binding , General Mechanic For Male & Female Candidates.	30	No Bar	Nil	15-50 years	2,500/- Per Month Stipend	Ranchi
		Hair and Skin Care, Hardware Maintenance and Networking For Male & Female Candidates.	20	No Bar	Nil	15-50 years	2,500/- Per Month Stipend	Ranchi
		Computer Application and office Management For Male & Female Candidates.	10	No Bar	Nil	18-21 years	2,500/- Per Month Stipend	Ranchi
3	SKILLZDESK Pvt. Ltd.	Work integrated ITI Trainee (Free ITI Course with Job) For only Male Candidates.	200	10th Pass with 45% Marks.	Nil	18-21 years	14,167/- Per Month	Mehsana , Gujarat
		Apprentice Assembly Trainee For only Male Candidates.	100	12th , ITI , Graduate Pass	Nil	21-30 years	15,588/ Per Month	Pune
		WILP Trainee (Free Diploma With JOB) For Male & Female Candidates.	500	12th PCM or 2 years ITI Pass.	Nil	18-23 years	12,850/- Per Month+15000 every 6 Month, Bonus.	Sanand, Gujarat
		Diploma Engineer Trainee For Male & Female Candidates.	100	Diploma EE, ME, EC, ENTC, AUTOMOBILE, CIVIL Pass.	Pass out year 2021, 2022,2023	18-24 years	16,000/- Per Month	Pune, Aurangabad, Maharashtra
		NATS Trainee	50	Diploma ME,EE,EC Pass	Pass Year 2019,2020, 2021	18-28 years	15,000/- Per Month	Sanand, Gujarat
		Customer Support Executive For Male & Female Candidates.	100	12th and Graduate Pass with Excellent English Communication	Nil	18-28 years	23,000/- to 35,000/- Per Month +10,000/- Relocation Bonus.	Jaipur Rajasthan
4	Develeco Corporate Services Pvt. Ltd. / Lava International Ltd.	Apprenticeship Trainee	200	10th , ITI Pass	Only Fresher's	18-28 years	10,275/- Per Month (for 8 hrs)	Sector 63, Noida, Uttar Pradesh
	Creations Corporation Pvt. Ltd.	Apprenticeship Trainee/ Machine Operator	100	ITI, Trade-SMT Pass	Fresher's & experience both	18-29 years	12,500/- Per Month (for 8 hrs)	Sector 63, Noida, Uttar Pradesh
	Prince Pipes and Fittings Ltd.	Apprenticeship Trainee	30	10th ITI Pass	Fresher's	18-28 years	9,672/- Per Month	Asalpur, Rajasthan
	Intech Organics Ltd.	Apprenticeship Trainee	30	ITI- Fitter Pass	Diploma-Chem. Engg.	18-28 years	10,000/- Per Month	Pali, Rajasthan
5	Gramin Sikhsa Avam Prashickshan Foundation	Assembly	120	ITI Pass	Nil	18-36 Years	16,000/- Per Month	Ahmedabad
		Quality	40	Diploma	Nil	18-36 Years	18,000/- Per Month	Gujarat
		CNC M/C Operator	70	ITI, Diploma Pass	Nil	16-20 Years	18,000/- Per Month	Rajasthan
		VMC M/C Operator	100	ITI, Diploma Pass	Nil	14-18 Years	18000/- Per Month	Rajasthan
6	IPS GROUP	NAPS TRAINEE For only Male Candidates.	150	Diploma and BE, BTECH Pass	Nil	18-30 Years	13,500/-for Diploma & 20,000/- Per Month BE and BTECH	Gurgaon, Haryana
		QA Inspection For only Male Candidates.	100	10th, 12th ITI Pass	Nil	18-35 Years	21,000/- Per Month	Bangalore, Hyderabad.
		ASSISTANT TECHNICIAN For only Male Candidates.	100	10th, 12th GRADUATE Pass	Nil	18-35 Years	21,000/- Per Month	Hyderabad.
		HELPER For only Male Candidates.	200	NON MATRIC	Nil	18-45 Years	13,000/- Per Month + Accommodation Free	Mumbai.
7	Millennium Skill Assessors Pvt. Ltd Gorgeous, Haryana	Security Guard For Male and Female Candidates.	500	10th Pass	Nil	18-40 years	16000/- per Month	Gorgeous, Haryana
8	SIS Pvt. Ltd Jashpur (Chattisgarh)	Security Guard For only Male Candidates.	100	10th pass	Nil	21-35 years	12,000 to15,000/ Per Month	Jamshedpur, Ranchi, Bokaro, Hazaribagh, Dhanbad
		Security Supervisor For only Male Candidates.	100	12th pass	Nil	21-35 years	14,000- to 20,000/- Per Month	Jamshedpur Ranchi, Bokaro, Hazaribagh, Dhanbad
9	Inno vision Limited Gujarat	Security Guard For only Male Candidates.	250	10th 12th pass	Nil	18-40 years	29,000/- Per Month	Gujarat
		Security Guard For only Male Candidates.	100	10th 12th pass	Nil	18-40 years	20,000/- Per Month For	Gurgaon
10	Innov Source Services Pvt. Ltd Noida	NAPS Trainee For only Male Candidates.	200	ITI All Trade	Fresher	18-30 years	12,000/- Per Month	Noida
		Production Executive For only Male Candidates.	200	10th 12th ITI Pass	Fresher	18-30 years	16,000/-Per Month	Ahmedabad
		Production Trainee For only Male Candidates.	500	ITI Pass	Fresher	18-27 years	12,000/- Per Month	Jaipur, Rajasthan.
11	INNODAYA PRECEPTORS PVT LTD	Machine Operator	150	Diploma Pass	Nil	18-30 years	15,000/- to 25,000/- Per Month	Bangalore.
		Quality Inspector.	50	ITI Pass	Nil	18-30 years	15,000/- to 25,000/- Per Month	Bangalore.
		Helper	70	Non Matric or 10th Pass	Nil	18-32 years	14,000/- to 20,000/- Per Month	Kolar, Bangalore, Tumkur.
12	LIC OF INDIA GUMLA	AGENCY & LICENSE OF LIC (GOVT OF INDIA	100	10TH ,12TH, GRADUATION Pass	Nil	21-65 Years.	35% COMMISSION	GUMLA

नोटः– योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा नजदीकी नियोजनालय पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त रोजगार मेला में नियोजक/नियोजकों के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों **Residential, Resume (Self Attested), Aadhar Card (Self Attested), Pan Card (Self Attested), Voter Id (Self Attested), Own Bike/ Scooty RC (Self Attested), Educational Mark sheet and Certificate, Bank Account Details** एवं उसकी एक छायाप्रति तथा बायोडाटा (02 कॉपी) दो पासपोर्ट साईज फोटो एवं **अनिवार्य रूप** के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो। जो उम्मीदवार पूर्व से निबंधित है, उन्हें पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं। चूँकी रिक्ति निजी क्षेत्र की है, अतः चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा।

❖ किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है।

जिला नियोजन पदाधिकारी,
जिला नियोजनालय, गुमला

PR 312532 Labour Employment and Traning(23-24).D

एक नजर इधर भी

संवेदनहीनता की पराकाष्ठा

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे भीषण और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 03 दिसंबर, 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के कारखाने से निकली जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनाइट ने हजारों लोगों की जान ली थी। इस त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गये थे और मौत का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला रात से शुरू होकर कई वर्ष तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बावजूद इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और पीड़ितों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गये लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया या अंतिम संस्कार किया गया। करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गये। एक शोध में सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गये थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल के इस कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था। इसके बाद यहां मिथाइल आइसोसाइनाइट (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। 03 दिसंबर 1984 को इसी कारखाने से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ। रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाये गये थे। जिन लोगों के फेंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाय, क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था।

■ योगेश कुमार गोयल

काउंटिंग में देखिये एग्जिट पोल का 'रोल'

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल माने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल, मसलन वास्तविक अनुमान कहीं बदलाव तो कहीं बराबर की टक्कर जता रहे हैं। वास्तविक नतीजे तो तीन दिसंबर को आयेंगे, उससे पहले सामने आये इन अनुमानों ने मतदाता की नब्ज टटोलने की कोशिश की है। लेकिन इस बार एग्जिट पोल में जो भिन्नता व दुविधा दिखाई दे रही है, उससे लगता है कि मतदाता की मंशा टटोलने वाली सर्वे एजेंसियों की सर्वेक्षण प्रणालियां वैज्ञानिक नहीं हैं, क्योंकि मध्य प्रदेश से जुड़े जो आठ सर्वे खबरिया चैनलों में प्रसारित हुए हैं, उनमें से सात भाजपा को और एक एबीपी-सी वोटर कांग्रेस को बहुमत दे रहे हैं। भाजपा सत्ता में आती है तो इसकी जीत का श्रेय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और चुनाव के ठीक पहले लाई गई लाड़ली बहना योजना को दिया जायेगा। जिन सात सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ाया गया था, वे खुद अपनी जीत की उधेड़बुन में लगे रहे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर-चंबल अंचल में कोई करिश्मा दिखा पायेंगे, ऐसा मतदाता के रुख से फिलहाल नहीं लग रहा है। राजस्थान के आठ सर्वे में से पांच भाजपा और तीन कांग्रेस के पक्ष में हैं। छत्तीसगढ़ में आठ में से आठ सर्वे कांग्रेस को फिर से सत्ता में आते दिखा रहे हैं। तेलंगाना में छह सर्वे में से पांच कांग्रेस को साफ बहुमत दे रहे हैं। दूसरे नंबर पर यहां मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति है। भाजपा को पांच से लेकर 13 सीटों पर ही संतोष करना पड़ेगा। साफ है, कर्नाटक के बाद कांग्रेस तेलंगाना में भी सत्तारूढ़ होती दिख रही है। यहां के चंद्रशेखर राव की पार्टी अधिकांश एक्जिट पोल में कांग्रेस से चुनाव हारती हुई नजर आ रही है। ध्यान रहे, तेलंगाना में कुछ ही महीने पहले कांग्रेस चुनावी संग्राम में उतरी थी। बावजूद वह बढ़त में है तो इसका प्रमुख कारण सत्तारूढ़ दल के प्रति सत्ता विरोधी रुझान है। मिजोरम में राष्ट्रीय पार्टियां आती नहीं दिख रही हैं। यहां त्रिशंकु सरकार बनती दिखाई दे रही है। मिजोरम में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में 14 से 18 सीटों की जीत के साथ एमएनएफ उभरती दिख रही है। उसका सीधा मुकाबला जेडपीएम से है। इस क्षेत्रीय दल को 12 से 16 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को 8 से 10 और भाजपा को दो सीटें मिलने के अनुमान लगाये गये हैं। साफ है, एग्जिट पोल करने वाली सर्वे एजेंसियों में इतना झोल और विरोधाभास है कि ये सर्वे भरोसे के नहीं लग रहे हैं। इसीलिए इन सर्वेक्षणों को 'जितने मुंह, उतनी बातें' कहा जा रहा है। वैसे भी ये अनुमान संयोग से ही सटीक बैठते हैं। ओपिनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंशा टटोलने की कोशिश होते हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पश्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोशिश होते हैं। ओपीनियन पोल शुल्क चुकाकर प्रायोजित ढंग से कराये जा सकते हैं, इसलिए इनके प्रकाशित व प्रसारित होने से मतदाता के रुख को प्रभावित करने की आशंका होती है। किंतु एग्जिट पोल मतदान पूरा हो के बाद, महज वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान होते हैं। इसलिए कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता। मतदान के बड़े प्रतिशत को अब तक सत्तारूढ़ दल के खिलाफ व्यक्तिगत असंतुष्टि और व्यापक असंतोष के रूप में देखा जाता था, लेकिन मतदाता में आई बड़ी जागरुकता ने परिदृश्य को बदला है, इसलिए इसे केवल नकारात्मकता की तराजू पर तौलना बड़ी भूल होगी। इसे सकारात्मक दृष्टि से देखने की भी जरूरत है। मध्य प्रदेश में महिलाओं का बढ़ा प्रतिशत भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। एंटी इनकमबेंसी का संकेत आमतौर पर मौजूदा सरकार के विपरीत चली लहर को माना जाता है। इसे प्रमाणित करने के लिए 1971, 1977 और 1980 के आम चुनाव में हुए ज्यादा मतदान के उदाहरण दिये जाते हैं। लेकिन यह धारणा पिछले कुछ चुनाव में बदली है। 2018 को छोड़कर 2013, 2008 और 2003 में बड़े मतदान का लाभ सत्तारूढ़ होते हुए भी मध्यप्रदेश में भाजपा को मिलता रहा है। 2010 के चुनाव में बिहार में मतदान प्रतिशत बढ़कर 52 हो गया था, लेकिन नीतीश कुमार की ही वापसी हुई। जबकि पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक मतदान 84 फीसदी हुआ और मतदाताओं ने 34 साल पुरानी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकार को परास्त कर, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को जीत दिलाई थी। गोया, चुनाव विश्लेषण करने वालों और राजनीतिक दलों को अब किसी मुगालते में रहने की जरूरत नहीं है, मतदाता पारंपरिक जड़ता और प्रचलित समीकरण तोड़ने पर आमादा है। बड़े मत प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है। हालांकि फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। निकट भविष्य में इस उम्मीद की पूरी होने की संभावना भी नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 75 से 85 प्रतिशत होने लग जायेगा तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विषेश से जुड़े मतदाताओं की अहमियत खत्म हो जायेगी। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जायेगा। लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति नगण्य हो जायेगी। यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से मुक्त कर देगी। क्योंकि कोई उम्मीदवार छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होगा।

राजस्थान के आठ सर्वे में से पांच भाजपा और तीन कांग्रेस के पक्ष में हैं। छत्तीसगढ़ में आठ में से आठ सर्वे कांग्रेस को फिर से सत्ता में आते दिखा रहे हैं। तेलंगाना में छह सर्वे में से पांच कांग्रेस को साफ बहुमत दे रहे हैं। दूसरे नंबर पर यहां मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति है। भाजपा को पांच से लेकर 13 सीटों पर ही संतोष करना पड़ेगा। साफ है, कर्नाटक के बाद कांग्रेस तेलंगाना में भी सत्तारूढ़ होती दिख रही है।

इन दिनों

प्रमोद भार्गव

कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती

अस्तित्व में दो नहीं। यहां द्वैत नहीं है। वेदांत अनुभूति में इसे अद्वैत कहा गया। ऋग्वेद के एक ऋषि ने इसे 'पुरुष' कहा और बताया कि जो भूतकाल में अब तक हो चुका और जो आगे होगा वह सब पुरुष ही है। पुरुष एक है। इसी के भीतर सम्पूर्णता है। यही बात ऋग्वेद में 'अदिति' के लिए कही गई है और छान्दोग्य उपनिषद में 'भूमा' के लिए। भूमा सम्पूर्णता का पर्याय है। पूर्ण भारतीय दर्शन की अनोखी खोज है। 'पूर्ण' असीम विराट है। संख्या गणित का विषय है। विराट अस्तित्व के रहस्य गणित की पकड़ में नहीं आते। गणित में बड़ी से बड़ी संख्या भी पूर्ण का ही भाग होती है। कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती। 'पूर्ण' वैदिक पूर्वजों का आत्मीय विषय रहा है। 'शतपथ ब्राह्मण' उत्तर वैदिक काल का प्रमुख सामाजिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक व दार्शनिक ग्रंथ है। इसमें संख्या व गणित के तमाम उल्लेख हैं लेकिन इसी के अंश वृहदारण्यक उपनिषद (पांचवें अध्याय) में पूर्ण की रम्य व्याख्या है। बताते हैं- वह पूर्ण है, यह पूर्ण है-'पूर्णमदः पूर्णमिदं'। मन प्रश्न करता है कि क्या पूर्ण भी दो हो सकते हैं। एक यह पूर्ण और दूसरा वह पूर्ण। इस जिज्ञासा का उत्तर भी इसी मंत्र में है-'यह पूर्ण उस पूर्ण का ही विस्तार है-पूर्णात पूर्णमुदच्यते।' शंका तो भी शेष न रहे इसलिए आगे कहते हैं-'पूर्ण में पूर्ण निकाल देने पर भी पूर्ण ही बचता है-पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।' भारतीय अनुभूति का यह पूर्ण उल्लासदायी है। प्रगाढ़ अनुभूति और दर्शन में 'पूर्ण' पूरा पूर्ण है। हम सबको अनेक पूर्ण दिखाई पड़ सकते हैं। लेकिन उन्हें पूर्ण नहीं कहा जा सकता। जो वास्तविक पूर्ण है, उस पूर्ण में कुछ भी घटाओ, जोड़ो, गुणा करो, पूर्ण पूर्ण ही रहता है। निस्संदेह गणित में कोई भी अंश या संख्या पूर्ण से छोटी होती है लेकिन पूर्ण अनुभूति में अंश या संख्या भी पूर्ण ही होती है। सारी संख्याएं पूर्ण का ही अविभाज्य अंश हैं और अंश कभी पूर्ण से पृथक अस्तित्व नहीं रखते। इस दृष्टि से हम सब पूर्ण हैं। पूर्णता के बोध के अभाव में अपूर्ण जान पड़ते हैं। अपूर्ण होना दुख है, पूर्ण होना आनंद। वेदों में अनेक देवों की स्तुतियां हैं। पश्चिमी विद्वान इसी आधार पर भारतवासियों को बहुदेववादी बताते हैं। हम भारतवासी बहुदेववादी नहीं, बहुदेव उपासक हैं। ऋषि की घोषणा है कि इन्द्र, अग्नि तमाम देवता हैं लेकिन सत्य एक है, विद्वान उसे भिन्न-भिन्न ढंग से बताते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद में कहते हैं-'वह पुरुष और आदित्य में एक ही है।' संभवतः कुछ विद्वान पुरुष को और कुछ सूर्य को अलग-अलग बताते रहे होंगे। ऋषि दोनों को एक बताते हैं। पूर्णता सनातन प्यास है। हम सब अपूर्ण हैं। भोजन या पानी की प्यास अपूर्णता का संदेश है। सांसारिक उपलब्धियों की इच्छा भी हमारी अपूर्णता की ही सूचना है। इच्छा, अभिलाषा या आकांक्षा अपूर्णता के ही बोधक हैं। तनावग्रस्त होने का कारण भी हमारी अपूर्णता है। हम अतृप्त हैं। हम किसी भी मार्ग या उपाय से समृद्धि चाहते हैं और समृद्धि अतिशीघ्र नई रिक्तता में बदल जाती है। सुख फिसल जाता है, दुख घेर लेता है। प्रकृति सृष्टि सम्पूर्णता है। सम्पूर्णता में ही रहती है। सम्पूर्णता में ही प्रकट होती है। यहां सामान्य गणित नहीं है। पूर्ण से पूर्ण घटा देने पर शून्य नहीं बचता। यहां अस्तित्व की सम्पूर्णता का सुन्दर विवेचन है-'मेरा मन ऐसा ही मंत्र गढ़ने को उतावला है-मैं अपूर्ण हूं। हम सब अपूर्ण हैं। मैं में हम घटाओ तो अपूर्ण मैं ही बचता है।' मैं दुख है, हम होना सुख है और सम्पूर्ण होना आनंद। सम्पूर्णता की प्यास स्वाभाविक ही गहरी ही होनी चाहिए। हम बोधरहित हैं सो अपूर्ण हैं। अपूर्ण हैं सो सांसारिक उपलब्धियों में पूर्णता खोजते हैं। सांसारिक उपलब्धियां क्षणभंगुर हैं। वे अपूर्ण से भी लघुतम हैं। हमारी अपूर्णता हमको बार-बार जगाती है। हम तनावग्रस्त होते हैं। अपूर्णता का ज्ञान अच्छा है। तब हम पूर्णत्व के बारे में विचार करते हैं। पूर्णता को प्राप्य मानते हैं। पूर्वजों ने शब्द संकेतों से ऐसा मार्गदर्शन किया है। संसार के साथ स्वयं का ज्ञान ही पूर्णता की दिशा तय करता है। कार्य और कारण की श्रृंखला में पूर्ण विराम की गुंजाइश नहीं। 'ब्रह्म' पूर्णतम पूर्णता है। यह 'ब्रह्म' ही कारण है और 'ब्रह्म' ही कार्य। गीता के एक सुन्दर श्लोक (4.24) में 'ब्रह्म' ही 'ब्रह्म' को हवि अर्पण करता है-ब्रह्मार्पण ब्रह्म। 'ब्रह्म' ही अग्नि है और 'ब्रह्म' ही हवि। यह हवि 'ब्रह्म' को ही मिलती है। इसका परिणाम भी 'ब्रह्म' ही होता है। इसके पहले के श्लोक में ऐसा जानने वाले व्यक्ति के लिए 'ज्ञानावस्थित चेतसः-ज्ञान में स्थिर चेतना' शब्द आये हैं। ऐसे व्यक्ति के सभी कर्म 'समग्रं विलीयते-सम्पूर्णता में विलीन होते हैं।' लेकिन यह ज्ञान की उच्चतर स्थिति है। संसार का अध्ययन कार्य कारण की श्रृंखला के विवेचन से होता है।

'शतपथ ब्राह्मण' उत्तर वैदिक काल का प्रमुख सामाजिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक व दार्शनिक ग्रंथ है। इसमें संख्या व गणित के तमाम उल्लेख हैं लेकिन इसी के अंश वृहदारण्यक उपनिषद (पांचवें अध्याय) में पूर्ण की रम्य व्याख्या है। बताते हैं- वह पूर्ण है, यह पूर्ण है-'पूर्णमदः पूर्णमिदं'। मन प्रश्न करता है कि क्या पूर्ण भी दो हो सकते हैं।

■ हृदयनारायण दीक्षित

है न विचित्र बात !

वैश्विक व्यापार अनुसंधान की पहल

वैश्विक स्तर पर आज दुनियां में कई देश भारत के साथ व्यापार करने के लिए उत्साहित हैं और भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफडीए) करने के लिए बातचीत कर रहे हैं जिसमें ब्रिटेन के साथ करीब 12 दौर की बैठके हो चुकी है। भारत अपने मिशन आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है तो स्वाभाविक ही है के घरेलू खपत के अलावा दुनियां के अनेक देशों में अपना माल बेचने के लिए प्रतिस्पर्धा माहौल के बीच स्थान बनाना जरूरी है, जिसके लिए अनेक निर्यात स्कीम छूट सहित अनेक रणनीतिक पैसेज तैयार करने होंगे, इसके संबंध में वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल ने अनेक देशों के साथ जारी मुक्त व्यापार समझौतों की समीक्षा करने का प्रस्ताव किया है और व्यापक समीक्षा की सिफारिश की है, क्योंकि भारत अपनी अनेक वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने के लिए अनेक स्कीम्स योजनाएं चलता है, परंतु अमेरिका ईयू सहित अनेक देश इसे सब्सिडी के रूप में घोषित कर प्रतिपूरक शुल्क लगा देते हैं जो हमारे निर्यातकों को दंडित करने जैसा है। जीटीआरआई ने विशेष रूप से सिंगापुर और थाईलैंड के साथ एफडीए समझौता का मूल्यांकन करने की सिफारिश की है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, जीटीआरआई द्वारा सिंगापुर व थाईलैंड के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर विशेष गौर करने की सिफारिश को रेखांकित करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम वैश्विक अनुसंधान पल द्वारा 26 नवंबर 2023 को दी गई सिफारिश की करें तो, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका जैसे भारत के प्रमुख व्यापार साझेदारों सहित कई देश भारतीय योजनाओं को सब्सिडी के रूप में घोषित करते हैं और प्रतिपूरक शुल्क लगाकर निर्यातकों को दंडित करते हैं। वर्तमान में भारत निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए कई योजनाएं लागू कर रहा है। इनमें एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम (एएएस), एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स स्कीम (ईपीसीजीएस), ड्यूटी ड्रॉबैक स्कीम (डीडीएस), निर्यातित उत्पादों पर शुल्क व करों में छूट (आरओडीटीईपी), विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट (ईओयू), प्री-शिपमेंट एंड पोस्ट-शिपमेंट क्रेडिट बैंक और इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम (आईईएस) शामिल हैं। इन योजनाओं का मकसद वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। जीटीआरआई के सह संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ, अमेरिका और कई अन्य ने अक्सर इन योजनाओं को सब्सिडी के रूप में देखा है और भारत द्वारा अपने निर्यातकों को प्रदान किये जाने वाले मौद्रिक लाभों को बेअसर करते हुए प्रतिपूरक शुल्क लगाये है। इन देशों का पहला तर्क यह है कि ये योजनाएं विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सब्सिडी और प्रतिपूरक उपायों (एएससीएम) पर समझौते का उल्लंघन करती हैं। उन्होंने कहा, इन चुनौतियों के चलते भारत सरकार को एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। इसमें निर्यात योजनाओं की संरचना में सुधार, डब्ल्यूटीओ में सक्रिय रूप से विवाद उठाना, योजनाओं की समयपूर्व निकासी का विरोध करना और सीमा शुल्क संरचना को तर्कसंगत बनाना शामिल हैं। कच्चे माल और पूंजीगत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने से सरकार को कई मौजूदा निर्यात योजनाओं की आवश्यकता में कटौती करने में मदद मिल सकती है। शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। उसके अनुसार, यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा क्योंकि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानूनों के ढांचे के भीतर इन प्रोत्साहनों के प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। साथियों बात अगर हम जीटीआरआई द्वारा की गई सिफारिश में सिंगापुर थाईलैंड के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता पर विशेष ध्यान देने की करें तो, सिंगापुर के साथ भारत के द्विपक्षीय एफटीए की व्यापक समीक्षा का प्रस्ताव दिया है।

■ किशन भावनानी गोंदिया

दिव्यांगों को नया आयाम व जीवन मुस्कान दें

हर वर्ष 3 दिसंबर का दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकलांग व्यक्तियों को समर्पित है। विकलांग भी किसी से कम नहीं, उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए थोड़े से सहयोग एवं समतामूलक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वभर में विकलांगता और विकलांग लोगों के साथ सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक भागीदारी को बढ़ावा देना है और उनके अधिकारों, समर्थन, और समाज में उनके साथ सौहार्द्र बनाये रखना है। वर्ष 2023 की विकलांग दिवस की थीम है एक समावेशी समाज का निर्माण और समान अवसरों का सृजन है। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष' के रूप में मनाया गया और वर्ष 1981 से अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाने की विधिवत शुरूआत हुई। विकलांगों के प्रति सामाजिक सोच को बदलने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये एवं उनके कल्याण की योजनाओं को लागू करने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। पूरी दुनिया में एक अरब लोग विकलांगता के शिकार हैं। जिनमें से 80 प्रतिशत विकासशील देशों में हैं। अधिकांश देशों में हर दस व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग हैं। इनमें कुछ संवेदनाविहीन व्यक्ति भी हैं। विकलांगता एक ऐसा शब्द है, जो किसी को भी शारीरिक, मानसिक और उसके बौद्धिक विकास में अवरोध पैदा करता है। ऐसे व्यक्तियों को समाज में अलग ही नजर से देखा जाता है। यह शर्म की बात है कि हम जब भी समाज के विषय में विचार करते हैं, तो सामान्य नागरिकों के बारे में ही सोचते हैं। उनकी ही जिंदगी को हमारी जिंदगी का हिस्सा मानते हैं। इसमें हम विकलांगों को छोड़ देते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है? ऐसा किस संविधान में लिखा है कि ये दुनिया केवल पूर्ण मनुष्यों के लिए ही बनी है? बाकी वे लोग जो एक साधारण इंसान की तरह व्यवहार नहीं कर सकते, उन्हें अलग क्यों रखा जाता है। क्या इन लोगों के लिए यह दुनिया नहीं है? इन विकलांगों में सबसे बड़ी बात यही होती है कि ये स्वयं को कभी लाचार नहीं मानते। वे यही चाहते हैं कि उन्हें अक्षम न माना जाय। उनसे सामान्य तरह से व्यवहार किया जाय। पर क्या यह संभव है? पिछले कुछ वर्षों में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों से, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करने और दुनिया भर में एक बाधा-मुक्त, समतामूलक समाज की स्थापना करने में कुछ प्रगति हासिल हुई है। लेकिन विकलांग लोगों को हाशिये पर धकेलने वाली पर्यावरणीय, सामाजिक, पारिवारिक और कानूनी बाधाएं फिर भी मौजूद हैं, इसलिए रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा देखभाल में विकलांग लोगों के अधिकार अभी भी अलग-अलग स्तर के प्रतिबंधों के अधीन हैं। लेकिन विकलांग दिवस की बदौलत न केवल सरकारें बल्कि आम जनता में भी विकलांगों के प्रति जागरूकता एवं सौहार्द का माहौल बना है। समाज में उनके आत्मसम्मान, प्रतिभा विकास, शिक्षा, सेहत और अधिकारों को सुधारने के लिये और उनकी सहायता के लिये एक साथ होने की जरूरत है। विकलांगता के मुद्दे पर पूरे विश्व की समझ को नया आयाम देने एवं इनके प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण को दूर करने के लिये इस दिन का महत्वपूर्ण योगदान है। यह दिवस विकलांग लोगों के अलग-अलग मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है और जीवन के हर क्षेत्र में चाहे वह राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कोई भी हो, सभी विकलांग लोगों को शामिल करने और उन्हें अपने प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांगों को विकलांग नहीं कहकर दिव्यांग कहने का प्रचलन शुरू कर न केवल उनके आत्म-विश्वास को जगाया है बल्कि एक नयी सोच को जन्म दिया है। हमें इस बिरादरी को जीवन की मुस्कुराहट देनी है, न कि हेय समझना है। विकलांगता एक ऐसी परिस्थिति है जिससे हम चाह कर भी पीछा नहीं छुड़ा सकते। एक आम आदमी छोटी-छोटी बातों पर झुंझला उठता है तो जरा सोचिये उन बदकिस्मत लोगों का जिनका खुद का शरीर उनका साथ छोड़ देता है, फिर भी जीना कैसे है, कोई इनसे सीखे। कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने विकलांगता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाया है। ऐसे लोगों ने विकलांगता को अभिशाप नहीं, वरदान साबित किया है। प्रश्न यह भी है कि विकलांग लोगों को बेसहारा और अछूत क्यों समझा जाता है? उनकी भी दो आँखें, दो कान, दो हाथ और दो पैर हैं और अगर इनमें से अगर कोई अंग काम नहीं करता तो इसमें इनकी क्या गलती? यह तो नसीब का खेल है। इंसान तो फिर भी कहलायेंगे, जानवर नहीं। फिर इनके साथ जानवरों जैसा बर्ताव कहां तक उचित है? किसी के पास पैसे की कमी है, किसी के पास खुशियों की, किसी के पास काम की तो अगर वैसे ही इनके शारीरिक, मानसिक, ऐन्द्रिक या बौद्धिक विकास में किसी तरह की कमी है तो क्या हुआ है? कमी तो सबमें कुछ-न-कुछ है ही, तो इन्हें अलग नजरों से क्यों देखा जाय? परिपूर्ण यानी सामान्य मनुष्य समाज की यह विडम्बना है कि वे अपंग एवं विकलांग लोगों को हेय की दृष्टि से देखते हैं। लेकिन विकलांग लोगों से हम मुंह नहीं चुरा सकते क्योंकि आज भी कहीं-न-कहीं हम जैसे इन्हें हीन भावना का शिकार बना रहे हैं, उनकी कमजोरी का मजाक उड़ा कर उन्हें और कमजोर बना रहे हैं। उन्हें दया से देखने के बजाय उनकी मदद करें, आखिर उन्हें भी जीने का पूरा हक है और यह तभी मुमकिन है जब आम आदमी इन्हें आम बनने दें। जीवन में सदा अनुकूलता ही रहेगी, यह मानकर नहीं चलना चाहिए। परिस्थितियां भिन्न-भिन्न होती हैं और आदमी को भिन्न-भिन्न परिस्थितियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। मनुष्य के मजबूत इरादे दृष्टि दोष, मूक तथा बधिरता को भी परास्त कर देते हैं। अनगिनत लोगों की प्रेरणा स्रोत, नारी जाति का गौरव मिस हेलेन केलर शरीर से अपंग थी, पर मन से समर्थ महिला थीं। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति ने दृष्टिबाधिता, मूक तथा बधिरता को पराजित कर नई प्रेरणा शक्ति को जन्म दिया। सुलिवान उनकी शिक्षिका ही नही, वरना जीवन संगिनी जैसे थीं। उनकी सहायता से ही हेलेन केलर ने टालस्टाय, कार्लमार्क्स, नीत्शे, रविन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गाँधी और अरस्तू जैसे विचारकों के साहित्य को पढ़ा। हेलेन केलर ने ब्रेल लिपि में कई पुस्तकों का अनुवाद किया और मौलिक ग्रंथ भी लिखे। उनके द्वारा लिखित आत्मकथा 'मेरी जीवन कहानी' संसार की 50 भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। अल्प आयु में ही पिता की मृत्यु हो जाने पर प्रसिद्ध विचारक मार्कट्वेन ने कहा कि, केलर मेरी इच्छा है कि तुम्हारी पढ़ाई के लिए अपने मित्रों से कुछ धन एकत्रित करूँ। केलर के स्वाभिमान को धक्का लगा। सहज होते हुए मृदुल स्वर में उन्होंने मार्कट्वेन से कहा कि यदि आप चन्दा करना चाहते हैं तो मुझ जैसे विकलांग बच्चों के लिए कीजिए, मेरे लिए नहीं।

वर्ष 2023 की विकलांग दिवस की थीम है एक समावेशी समाज का निर्माण और समान अवसरों का सृजन है। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष' के रूप में मनाया गया और वर्ष 1981 से अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाने की विधिवत शुरूआत हुई। विकलांगों के प्रति सामाजिक सोच को बदलने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये एवं उनके कल्याण की योजनाओं को लागू करने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

■ ललित गर्ग

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

डॉ. राजेंद्र प्रसाद का हजारीबाग से आजीवन गहरा लगाव बना रहा

विजय केसरी

देश के प्रथम राष्ट्रपति देश रत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद का हजारीबाग से आजीवन गहरा लगाव बना रहा था। डॉ राजेंद्र प्रसाद 1932 से लेकर 1944 तक तीन बार हजारीबाग के सेंट्रल जेल में लगभग 432 दिनों तक बंद रहे थे। इस जेल यात्रा में उनके साथ खान अब्दुल गफ्फार खां, डॉ राहुल सांस्कृत्यायन, महामाया प्रसाद सिंह, कृष्ण बल्लभ सहाय, बाबू राम नारायण सिंह, जगत नारायण लाल, स्वामी सहजानंद सरस्वती, विपिन बिहारी शर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी सहित कई स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े नेता बंद थे। इस जेल यात्रा के दौरान डॉ राजेंद्र प्रसाद का ज्यादातर समय अध्ययन, सूत काटने और जेल में बंद स्वाधीनता सेनानियों के साथ जेल से निकलने के बाद स्वाधीनता आंदोलन को कैसे और तेज गति दी जाए के विचार विमर्श में बीतता था। इसी कालखंड में उन्होंने अपने साहित्यिक मित्रों राहुल सांस्कृत्यायन,रामवृक्ष बेनीपुरी, बाबू राम नारायण सिंह आदि के साथ मिलकर एक हस्तलिखित पत्र भी निकाला था। इस हस्तलिखित पत्र में स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारियों के नाम संदेश दर्ज होता था। मैंने जेल प्रशासन और उस कालखंड में बंद क्रांतिकारियों के परिवार से उक्त हस्तलिखित पत्र के उपलब्ध होने की खोज भी की, लेकिन वह हस्तलिखित पत्र उपलब्ध नहीं हो सका। इस पर इतिहास के खोजकर्ताओं को विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। यह हस्तलिखित पत्र स्वाधीनता आंदोलन के दस्तावेज के रूप में बहुत ही बहुमूल्य साबित होगा।

डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में हजारीबाग जेल यात्रा का बहुत ही शानदार तरीके से उल्लेख किया है। आज भी हजारीबाग सेंट्रल जेल में उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर जिस कमरे में डॉ राजेंद्र प्रसाद बंद रहे थे, उन्हें याद किया जाता है। राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनका हजारीबाग जेल में बंद क्रांतिकारियों से संबंध बना रहा था। हजारीबाग के प्रथम सांसद बाबूराम नारायण सिंह के साथ उनका बराबर पत्र व्यवहार होता रहता था। आज भी ये पत्र उनके पौत्र डॉ प्रमोद सिंह के पास सुरक्षित हैं। हजारीबाग सहित झारखंड के कई स्वाधीनता संग्राम से जुड़े नेता गण राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं को लेकर डॉ राजेंद्र प्रसाद से मिला करते थे। राष्ट्रपति भवन सदैव झारखंड के स्वाधीनता सेनानियों के लिए खुला रहता था। डॉ राजेंद्र प्रसाद झारखंड के हर एक नेता से बहुत ही शालिनता और सम्मान के साथ मिलते थे। वे, उनसे देश की राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं पर चर्चा किया करते थे। इन राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं का निदान कैसे हो? इस पर भी डॉ राजेंद्र प्रसाद मार्ग प्रशस्त किया करते थे।

डॉ राजेंद्र प्रसाद संपूर्ण जीवन स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्र के नवनिर्माण में बीता था। आज के नेताओं को डॉ राजेंद्र प्रसाद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ राजेंद्र प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व दोनों निराला था। उनका जीवन सदा लोगों को प्रेरित करता रहेगा। देश के सबसे शीर्ष राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बावजूद उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया था। वे राष्ट्रपति बनने से पूर्व जिस तरह रहते थे, राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनका रहन-सहन उसी तरह बना रहा था। उनकी वेशभूषा भी नहीं बदली थी। वे आमजन के नेता थे। वे जीवन के अंतिम क्षण तक आमजन के ही नेता बने रहे थे। आज की बदली परिस्थिति में राजनीति एक व्यवसाय बनकर रह गया है। लोग राजनीति में इसलिए प्रवेश करना चाहते हैं, ताकि अधिक से अधिक धन उपार्जन कर सकें, अपने नाम और शोहरत को बढ़ा सकें। जबकि डॉ राजेंद्र प्रसाद की राजनीति इससे बिल्कुल अलग थी। आज की राजनीति सिर्फ सत्ता प्राप्ति का एक जरिया बनकर रह गया है। नेताओं की कथनी और करनी में बहुत बड़ा अंतर आ गया है। आज देशभर के सैकड़ों तथाकथित लोकप्रिय नेताओं के विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों में मुकदमे दर्ज हैं। कई नेताओं को सजा भी दे दी गई है। कई नेता विभिन्न जेलों में बंद पड़े हैं। क्या हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने अपनी जान की कुबार्नी इसीलिए दी थी? यह यक्ष प्रश्न है, आज के तथाकथित नेताओं से। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, खुदीराम बोस, चंद्रशेखर, सरदार भगत सिंह सहित कई नेताओं ने देश की आजादी के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना अपना संपूर्ण जीवन स्वाधीनता आंदोलन को समर्पित कर दिया था। क्या उन सब नेताओं ने अपनी जान की कुबार्नी ये दिन देखने के लिए दी थी? देश की आजादी की रक्षा के लिए हम सबों को बहुत ही गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। डॉ राजेंद्र प्रसाद के सादगी भरे जीवन से देश के समस्त नेताओं को सीख लेनी चाहिए।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर वे वकालत से सदा सदा के लिए त्यागपत्र देकर सीधे स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े थे। बापू की तरह डॉ राजेंद्र प्रसाद भी सत्य अहिंसा के प्रबल समर्थक थे। वे आजीवन सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते रहे थे।

स्वाधीनता आंदोलन में कूदने के पश्चात आंदोलन ही उनके जीवन का सहचर बन गया था। अगर वे चाहते तो वकालत कर एक बेहतर जीवन जी सकते थे। उन्होंने इस बेहतर जीवन का त्याग कर स्वाधीनता संघर्ष का ही मार्ग चुना था। इससे प्रतीत होता है कि उनके मन में राष्ट्र भक्ति कूट-कूट कर भरी थी। भारतीय राजनीति में उनका प्रवेश एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में हुआ था। उनकी विलक्षण प्रतिभा और कर्तव्य परायणता ने उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया था। जब सुभाष चंद्र बोस ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था । ऐसे वक्त में पुनः डॉ राजेंद्र प्रसाद को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बनाया था। वे दो - दो बार अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने कांग्रेस संगठन को बहुत ही तीव्र गति से आगे बढ़ाया था। वे देखने में जितने साधारण, सहज और सरल लगते थे। उनका निर्णय उतना ही सटीक और सार्थक होता था। वे विपरीत परिस्थितियों में भी बिल्कुल घबराते नहीं थे। वे धैर्य और संयम के साथ अपने कदम को आगे बढ़ाते थे। जब डॉ राजेंद्र प्रसाद अपनी बातों को सार्वजनिक मंचो से रखते थे। श्रोता बिल्कुल शांत होकर उनकी बातों को सुना करते थे।

वे विभिन्न भाषाओं के ज्ञाता थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा उर्दू में हुई थी। उन्होंने कम उम्र में ही फारसी का ज्ञान भी अर्जित कर लिया था। हिंदी उनकी मातृभाषा थी। वे हिंदी से बहुत प्रेम किया करते थे। बांग्ला भाषा पर उन्हें कमांड था। उनका अंग्रेजी का ज्ञान देखकर लोग हतप्रभ रह जाते थे। वे इन भाषाओं के अतिरिक्त गुजराती, मराठी आदि भाषाएं भी बहुत ही सहजता से बोल लेते थे।

आज हम सब भारत का जो संविधान देखते हैं। पढ़ते हैं। जिस संविधान पर हर एक भारतवासियों को गर्व है। संविधान निर्माण में उनकी भूमिका सदा देशवासियों को गौरवान्वित करती रहेगी। संविधान निर्माण कोई साधारण कार्य नहीं था। वे अपने संविधान सभा के सदस्यों के साथ मिलकर संविधान निर्माण की पेचीदगियों का बारिकी से संवारा था। संविधान निर्माण में उनकी भूमिका सदा देशवासियों को अपनी ओर आकृष्ट करता रहेगा।

भारत की आजादी के पूर्व अंतरिम सरकार में बतौर कृषि और खाद्य मंत्री के रूप में उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। डॉ राजेंद्र प्रसाद अपने कर्तव्य के प्रति पूरी तरह निष्ठावान थे। वे अपने कर्तव्य के प्रति कभी भी लापरवाही नहीं बरते। राजेंद्र बाबू, महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा से बहुत प्रभावित थे।

स्वाधीनता आंदोलन के सिपाही होने के नाते उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के सीनेटर का पद त्याग दिया था। गांधी जी ने जब विदेशी संस्थाओं के बहिष्कार की अपील की थी, तो उन्होंने अपने पुत्र मृत्युंजय प्रसाद जो एक अत्यंत मेधावी छात्र थे, उन्हें कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाया था। वे चाहते तो ऐसा नहीं भी कर सकते थे। लेकिन वे अपने कर्तव्य से बंधे हुए थे। उन्होंने अपने पुत्र को कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाने के निर्णय पर तनिक भी विलंब नहीं किया था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि डॉ राजेंद्र प्रसाद एक स्तंभकार भी थे। वे स्वाधीनता आंदोलन विषय को लेकर कई लेख देश के विभिन्न अखबारों में लिखा करते थे। उनका लेख देशभर में पढ़ा जाता था। देशीय अखबारों का प्रकाशन अनवरत चलता रहे, इसलिए वे अखबारों के लिए धन भी जुटाया करते थे।

आमजन के प्रति उनके मन में अपार श्रद्धा थी। वे भारतीयों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना चाहते थे। भारतीयों में व्याप्त गरीबी, बदहाली और बेरोजगारी से उन्हें मुक्त कराना चाहते थे। इस विषय पर उन्होंने अखबारों में काफी कुछ लिखा था। जब वे राष्ट्रपति बने थे। तब उनसे मिलने वाले साधारण से साधारण लोगों को कोई कष्ट नहीं होता था। वे बिना भेदभाव किए आम लोगों से मिलते थे। वे उनकी समस्याओं को सुनकर राष्ट्रपति के लेटर पैड पर अनुशंसा भी किया करते थे। देश की आजादी के पूर्व बिहार और बंगाल में जब बाढ़ आई थी। तब उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की सहायता में स्वयं को पूरी तरह झोंक दिया था। वे बाढ़ पीड़ितों की सेवा में ऐसे जुड़ गए थे, जैसे ये इनके सगे संबंधी हो। बाढ़ पीड़ितों के लिए धन जुटाने में उन्होंने कोई भी कसर नहीं छोड़ा था।

देश की आजादी के बाद जब देश में संविधान लागू हुआ था। तब वे देश के पहले राष्ट्रपति बने थे। राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने कभी भी अपने संवैधानिक अधिकारों में प्रधानमंत्री अथवा कांग्रेस को दखलअंदाजी का मौका नहीं दिया था। उन्होंने हमेशा स्वतंत्र रूप से कार्य किया। हिंदू अधिनियम बिल पारित करते समय उन्होंने काफी कड़ा रुख अपनाया था । राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे दृष्टांत छोड़े जो बाद में उनके प्रवृत्तियों के लिए उदाहरण बन गया था। यहां यह लिखना जरूरी समझता हूं कि भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी बहन भगवती देवी का निधन हो गया था। लेकिन वे भारतीय गणराज्य की स्थापना की रसम के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गए थे। राजेद्र प्रसाद, राष्ट्रपति के रूप में 12 वर्षों तक कार्य किया था। उन्होंने 1962 में अपने अवकाश की घोषणा की थी। जब वे विदाई के बाद राष्ट्रपति भवन से निकले थे, तो उनके बख्शा में चार जोड़ी कपड़े और कुछ पुस्तकों के अलावा कुछ भी ना था। पूरी दिल्ली उनकी विदाई पर अश्रुपूरित हो गई थी। जब डॉ प्रसाद, दिल्ली छोड़ कर जा रहे थे, तो उनको देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी थी। दिल्लीवासी भींगे पलकों से उन्हें विदा कर रहे थे।

सरोजिनी नायडू ने उनके बारे में लिखा, 'उनकी असाधारण प्रतिभा उनके स्वभाव का अनोखा माधुर्य था। उनके चरित्र की विशालता और अति त्याग के गुण ने शायद उन्हें हमारे सभी नेताओं से अधिक व्यापक और व्यक्तिगत रूप से प्रिय बना दिया। गांधीजी के निकटतम शिष्यों में उनका वही स्थान है, जो ईसा मसीह के निकट सेंट जॉन का था।' सरोजनी नायडू की बातों से प्रतीत होता है कि डॉ राजेंद्र प्रसाद बाहर से साधारण दिखने वाले अन्दर कितने असाधारण थे। आज के बदली परिस्थिति में जहां चंहुओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। आज हर एक भारतवासियों को डॉ राजेंद्र बाबू के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनकी सहजता, सरलता, कर्तव्य निष्ठा और ईमानदारी को अपने जीवन में उतारना चाहिए। सच्चे अर्थों में यही संकल्प उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आज पूरे देश में राजेंद्र बाबू की जयंती मनाई जाएगी

भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डा. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर आज पूरे पलामू जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में देशरत्न के व्यक्तिव और कृतित्व की चर्चा करते हुए उनके बताए रास्तों पर चलने का आह्वान किया जायेगा।। कई जगहों पर राजेन्द्र बाबू की प्रतिमा और तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। कायस्थ परिवार में जन्मे डा. राजेंद्र प्रसाद बचपन से ही बड़े प्रतिभावान थे। उन पर मां सरस्वती का आशीर्वाद था। उनके दादा हथुआ स्टेट के दीवान थे। उनके पिता महादेव सहाय भी जमींदार थे। अंग्रेजों से आजादी पाने के लिए हुए आंदोलन में एक बड़ा नाम डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद का रहा है। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद एक ऐसे शख्स थे। जिनका सम्मान सभी लोग करते थे। महात्मा गांधी भी उन्हें बहुत सम्मान के साथ देखते थे। बड़े ही कुशाग्र बुद्धि के डा. राजेंद्र प्रसाद का स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ा योगदान रहा है। इसलिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने गणतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में उन्हें सम्मान वाला पद दिया। सभी लोग उन्हें सम्मान से राजेंद्र बाबू कहते थे। किसानों के हमदर्द रहने के कारण आजादी मिलने के बाद उन्हें कृषि और खाद्य मंत्रालय उन्हें मिला। उन्होंने अपने मंत्रालय में किसानों के लिए कई योजनाएं चलाने का निर्णय लिया। डा. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष भी थे। भारत के संविधान निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। महात्मा गांधी से 1915 में राजेंद्र बाबू की भेंट हुई। गांधीजी देशव्यापी दौरे पर पटना पहुंचे थे।। राजेंद्र बाबू उनकी सादगी और सरलता से बहुत प्रभावित हुए। सन 1917 में बिहार के चंपारण नामक स्थान पर नील की खेती करने वाले किसानों को अंग्रेजों के शोषण और अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए गांधी जी ने चंपारण सत्याग्रह आंदोलन चलाया। तब राजेंद्र बाबू और उनके साथियों ने गांधीजी का भरपूर साथ दिया। यह देखकर गांधी जी राजेंद्र बाबू को अपना दाया हाथ मानने लगे। बाद में राजेंद्र जी ने चंपारण में महात्मा गांधी शीर्षक से एक पुस्तक लिखी। राजेंद्र बाबू की देश सेवा की लगन सूझबूझ और विनम्रता सराहनीय थी। स्वतंत्रता आंदोलन और अन्य सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहने के बावजूद भी वे ग्रामीणों से मिलने का समय निकाल लिया करते थे। जब वे अपने गांव जीरादेई जाते तो वहां की स्त्रियां अपने चिट्ठियां तक पढ़ाने के लिए उनके पास आ जाती थी।

-❖ सुरेन्द्र कुमार

परिवार व समाज के साथ देश को उन पर गर्व है

प्रथम राष्ट्रपति और महान देशभक्त डॉ. राजेंद्र प्रसाद नम्रता, सरलता और सादगी के प्रबल पक्षधर थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण उन्हें जो गौरव प्राप्त हुआ वह बहुत कम लोगों को प्राप्त होता है। सबसे बड़ी बात यह है कि राष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित होते हुए भी उन्होंने इन गुणों का कभी त्याग नहीं किया था। वो हमेशा गरीबों, दलितों एवं कमजोर लोगों की सहायता को तत्पर रहे। राजेन्द्र बाबू भारत के एकमात्र राष्ट्रपति थे जिन्होंने दो कार्यकालों तक राष्ट्रपति पद पर कार्य किया। राष्ट्रपति के पद पर राजेन्द्र प्रसाद ने सद्भावना के लिए कई देशों की यात्रायें भी कीं। उन्होंने इस आणविक युग में शांति की आवश्यकता पर जोर दिया। राजेन्द्र बाबू अतीत को हमारी वर्तमान समस्याओं को सुलझाने के लिए प्रेरणा का स्रोत समझते थे। उनका कहना था हमारी विरासत नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से परिपूर्ण है और हमें भविष्य में आधुनिक समय की चुनौतियों का सामना करने में सहायता कर सकती है। प्राचीन और नैतिक मूल्यों में सामंजस्य तो करना ही होगा। वो प्रतिभाशाली और महान विद्वान भी थे। उनका भविष्य एक सुंदर सपने की तरह था। राजेन्द्र प्रसाद का परिवार उनसे कई आशायें लगाये बैठा था। वास्तव में राजेन्द्र प्रसाद के परिवार को उन पर गर्व था। साथ ही समाज व देश को भी उनसे काफी अपेक्षायें थीं। लेकिन राजेन्द्र प्रसाद का मन इन सब में नहीं था। राजेन्द्र प्रसाद केवल धन और सुविधायें पाने के लिए आगे पढ़ना नहीं चाहते थे। एकाएक राजेन्द्र प्रसाद की दृष्टि में इन चीजों का कोई मूल्य नहीं रह गया था।

राष्ट्रीय नेता गोखले के शब्द राजेन्द्र प्रसाद के कानों में बार-बार गूँज उठते थे। उस समय उनके भीतर जल रही राष्ट्रीयता की ज्वाला को कोई नहीं बुझा सकता था। राजेन्द्र प्रसाद गांधी जी के बहुत निष्ठावान अनुयायी थे। उन्होंने स्वयं को पूरी तरह स्वाधीनता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें और पूरे भारत को गांधी के रूप में आंदोलन के लिये नया नेता और सत्याग्रह व असहयोग के रूप में एक नया अस्त्र मिला। विश्व इतिहास में ऐसा उदाहरण नहीं मिलेगा जहां इतने निरस्त्र लोग अहिंसा अपनाकर इतनी बहादुरी से लड़े हों। सत्य और न्याय के आदर्शों को धारण करके उनका ब्रिटिश शासन को हिलाने का निश्चय दृढ़ होता जा रहा था। सरकार ने अपने दमनकारी अस्त्रों से इस उत्साह को दबाने का प्रयास किया। लेकिन उन्हें कभी भी किसी मनोकामना को पूर्ण नहीं होने दिया गया।

❖ बजरंगी कुमार

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

राजेंद्र प्रसाद की वाणी से बरसती थी अमृत की बूंदें

डॉ राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार में सारण जिले के जीरादेई नामक गांव में महादेव सहाय के घर हुआ था। मेधा के प्रतीक बिंदु यानी राजेन्द्र बाबू के बारे में यूं तो कई कहानियां प्रचलित है। उसमें सबसे ज्यादा चर्चा उनकी सादगी पूर्ण जीवन का है। उनका पालन-पोषण बहुत लाड़-प्यार और देखभाल के साथ हुआ था। उनकी माता का नाम कमलेश्वरी देवी था। पिता फारसी और संस्कृत भाषाओं के विद्वान तो माता धार्मिक महिला थीं। भले ही वो देश के प्रथम राष्ट्रपति बन गये थे, लेकिन उनके जीवन में गांव की मिट्टी की सौंधी महक हमेशा महसूस की गई। राष्ट्रपति भवन में रहते हुए राजेन्द्र बाबू ने अपनी जिंदगी ऐसी रखी कि गांव के समान्य चरवाहे को भी वे सहजता से गले लगा सकें। गांव के समीप स्थित एक स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए राजेंद्र बाबू को कलकत्ता अब कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज में भर्ती करवाया गया। यूनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षा में वे प्रथम आए थे। राजेंद्र बाबू पढ़ने में बहुत तेज थे। अपनी लगन और मेहनत के बल पर वे प्रत्येक कक्षा में प्रथम आते थे। इस असाधारण सफलता के फलस्वरूप उन्हें रुपये 50 मासिक की छात्रवृत्ति मिलने लगी। एफए की परीक्षा पास करने के बाद राजेंद्र बाबू बीए की परीक्षा की तैयारी में लग गए। बाद में यह परीक्षा भी उन्होंने उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण की। दो विषयों में बीए ऑनर्स करने के कारण उन्हें अब दो छात्रवृत्तियां मिलने लगीं। बीए की परीक्षा पास करने के बाद राजेंद्र बाबू एमए की तैयारी में लग गए, किंतु उसी दौरान उनके पिताजी का देहांत हो गया। उन्हें पढ़ाई छोड़ कर घर आना पड़ा। पिता के देहांत से राजेंद्र बाबू का उत्साह कुछ कम हो गया। इसी कारण वे एमए की परीक्षा में प्रथम नहीं आ सके। वे सादगी पसंद, दयालु एवं निर्मल स्वभाव के व्यक्ति थे। प्रारंभिक पारंपरिक शिक्षण के बाद कानून में मास्टर की डिग्री के साथ उन्होंने डाक्टरेट की विशिष्टता भी हासिल की। उनके उच्च अध्ययन का श्रेय उनके बड़े भाई महेंद्र प्रसाद को जाता है। कानून की पढ़ाई के साथ-साथ वे राष्ट्रीय कांग्रेस में भी शामिल हुए। वे उन भारतीय नेताओं में से थे जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एक दिन डॉ. प्रसाद गाँधीजी से मिले। गाँधीजी के समर्पण और देशभक्ति ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्होंने अपनी वकालत छोड़ दी और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए। महात्मा गांधी ने उन्हें अपने सहयोगी के रूप में चुना था और साबरमती आश्रम की तर्ज पर सदाकत आश्रम की एक नई प्रयोगशाला का दायित्व भी सौंपा था। राजेंद्र प्रसाद को ब्रिटिश प्रशासन ने नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में डाल दिया था। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद चाहे धर्म हो, वेदांत हो, साहित्य हो या संस्कृति, शिक्षा हो या इतिहास, राजनीति, भाषा वे हर स्तर पर अपने विचार व्यक्त करते थे। उनकी स्वाभाविक सरलता के कारण वे अपने ज्ञान-वैभव का प्रभाव कभी प्रतिष्ठित नहीं करते थे। सादा जीवन-उच्च विचार के अपने सिद्धांत को अपनाने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद अपनी वाणी में हमेशा ही अमृत बनाए रखते थे।

❖ गुड्डू कुमार

धनी व दरिद्र दोनों के घरों में प्रकाश लाना चाहते थे राजेंद्र बाबू

राजेंद्र बाबू भारतीय संस्कृति और सामान्य जनता के प्रतिनिधि थे। इसलिए वे सबके प्यारे थे। वे सरल जीवन और ऊंचे विचार के जीते-जागते उदाहरण थे। उन्होंने जीवनभर भारतीय पोशाक पहनी। विदेशी वस्त्र कभी नहीं पहना। सादगी और सच्चाई के वे अवतार थे। उनका अंदर और बाहर का जीवन एक समान था। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की विद्धता और महान शख्सियत की चर्चा देश ही नहीं विदेशों में भी होती है। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को प्यार से लोग बाबू राजेंद्र प्रसाद भी कहकर बुलाते हैं। पांच वर्ष की उम्र में ही राजेन्द्र बाबू ने एक मौलवी साहब से फारसी में शिक्षा ग्रहण करना शुरू किया था। सकूल के दिन परिश्रम और मौज-मस्ती का मिश्रण थे। उन दिनों में यह परम्परा थी कि शिक्षा का आरंभ फारसी की शिक्षा से किया जाए। उनके दो चचेरे भाइयों को एक मौलवी साहब पढ़ाने के लिए आने लगे। शिक्षा आरंभ करने वाले दिन पैसे और मिठाई बांटी जाती थी। लड़कों ने अपने अच्छे स्वभाव वाले मौलवी साहब के साथ शैतानियां भी कीं। मगर मेहनत भी कस कर की। वे सुबह बड़ी जल्दी उठ कर कक्षा के कमरे में पढ़ने के लिए बैठ जाते। यह सिलसिला काफी देर तक चलता और बीच में उन्हें खाने और आराम करने की छुट्टी मिलती। वास्तव में यह कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि इतने छोटे बच्चे बहुत देर तक ध्यान लगा कर पढ़ाई कर सकें। ये विशेष गुण जीवनपर्यन्त राजेन्द्र प्रसाद में रहे और इन्हीं ने उन्हें विशिष्टता भी दिलाई। ज्ञान के प्रति लगाव होने के कारण राजेन्द्र प्रसाद धनी और दरिद्र दोनों के घरों में प्रकाश लाना चाहते थे। उनका मानना था कि शिक्षा ही ऐसी चाबी है जो महिलाओं को स्वतंत्रता दिला सकती थी। शिक्षा का अर्थ था व्यक्तित्व का पूर्ण विकास न कि कुछ पुस्तकों का रटना। वह मानते थे कि शिक्षा जनता की मातृभाषा में होनी चाहिए। अपनी प्रारंभिक शिक्षा के लिए वे छपरा के जिला स्कूल गए। राजेन्द्र बाबू का विवाह उस समय की परिपाटी के अनुसार बाल्यकाल में ही लगभग 13 वर्ष की उम्र में राजवंशी देवी से हो गया। विवाह के बाद भी उन्होंने पटना की टीके घोष अकादमी से अपनी पढ़ाई जारी रखी। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा दी। जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। उनकी प्रतिभा ने गोपाल कृष्ण गोखले और बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिन्हा जैसे विद्वानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। 12 वर्षों तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के पश्चात उन्होंने 1962 में अवकाश की घोषणा की। अवकाश ले लेने के बाद ही उन्हें भारत सरकार की ओर से सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। राजेन्द्र बाबू की वेशभूषा बड़ी सरल थी। उनको देखकर पता ही नहीं लगता था कि वे इतने प्रतिभा सम्पन्न और उच्च व्यक्तित्ववाले सज्जन हैं। देखने में वे सामान्य किसान जैसे लगते थे। अपने जीवन के आखिरी महीने बिताने के लिये उन्होंने पटना के सदाकत आश्रम को चुना। 28 फरवरी 1963 को वे हम सबको छोड़कर चले गए।

❖ उर्मिला कुमारी

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

एक नजर

छग : आईईडी ब्लास्ट में दो जवान घायल

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बारसूर थाना क्षेत्र के बारसूर -पल्ली मार्ग पर ब्रिज के पास शनिवार सुबह आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 195 बटालियन के दो जवान घायल हो गए। नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाने के लिए बैनर और पोस्टर के नीचे आईईडी लगा रखी थी। इसकी चपेट में आने से जवान घायल हुए हैं। दोनों जवानों को अस्पताल भेज दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर के बर्मन ने घटना की पुष्टि की है। नक्सली दो दिसंबर से आठ दिसंबर तक पीएलजीए सप्ताह की 23वीं वर्षगांठ मनाने के लिए बारसूर-पल्ली मार्ग पर बड़ी संख्या में बैनर और पोस्टर लगाए हैं। यहीं पर नक्सलियों ने प्रेशर आईईडी में लगा रखी थी।

लद्दाख में 3.4 की तीव्रता का भूकंप

लद्दाख। लद्दाख में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता कम होने के चलते किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर लद्दाख में रिक्टर पैमाने पर 3.4 की तीव्रता के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में आया, जिसका अक्षांश 35.44 और लंबाई 77.36 है।

ईडी ने मछली टैंकों से जुड़े मामले में की कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मछली टैंकों के निर्माण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की मंजूरी में धोखाधड़ी के संबंध में जांच के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में छह जगहों पर तलाशी ली। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह तलाशी अभियान(पीएमएलए)- 2002 के प्रावधानों के तहत चलाया है। ईडी ने एक्स पर बताया कि मछली टैंकों के निर्माण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के तहत ऋण की मंजूरी में धोखाधड़ी के मामले में जांच के लिए छह स्थानों पर तलाशी ली गई।

तमिलनाडु के करीब पहुंचा मिचौंग तूफान

नई दिल्ली। मिचौंग तूफान तमिलनाडु के करीब पहुंच गया है। इसके मद्देनजर भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया। विभाग ने शनिवार को एक्स पर बताया कि दक्षिण -पश्चिम की तरफ से निम्न दबाव का क्षेत्र पिछले छह घंटों के दौरान आगे उत्तर -पश्चिम की ओर बढ़ गया है। यह निम्न दबाव का क्षेत्र गहरे दबाव क्षेत्र में बदल गया है। आज सुबह साढ़े पांच बजे तक पुदुचेरी के लगभग 500 कि.मी., चेन्नई के 510 कि.मी. और नेल्लोर से 630 कि.मी. पर केंद्रित था। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले

गरीबों को बराबरी पर लाने का निश्चय

एजेंसी। जूनागढ़

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के गिर सोमनाथ में विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि भारत को हर क्षेत्र में विकसित, सर्वप्रथम और आत्मनिर्भर सिर्फ 130 करोड़ भारतीय बना सकते हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह यात्रा देश के हर क्षेत्र में जाएगी। हम सबने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, वह शब्द मात्र नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीबों को सबके बराबर लाने का पुनीत विचार है। इसमें हमें सबके संकल्प के बल को जोड़ना है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके तीन उद्देश्य देशवासियों के सामने रखे थे। पहला, आजादी की लड़ाई के दौरान जाने-अनजाने सभी बलिदानियों को याद करना और युवा पीढ़ी को आजादी के इतिहास के साथ जोड़ना। दूसरा उद्देश्य था, पिछले 75 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर गौरव करना और उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना। तीसरा उद्देश्य था, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखना और उस पर गौरवान्वित महसूस करना। शाह ने कहा कि आजादी के 75 सालों में एक विकसित भारत का संकल्प लेकर 75 से 100 साल तक के 25 सालों की यात्रा में सबके सामूहिक प्रयासों से भारत को विश्व में सर्वप्रथम बनाने का संकल्प लेना भी आजादी के अमृत महोत्सव का एक उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि इस संकल्प की सिद्धि के लिए प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की कल्पना की है, जो देश की हर पंचायत तक जाएगी और मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जागरूकता और उनका लाभ सभी तक पहुँचाने का काम करेगी।

करोड़ों लोगों को मूलभूत सुविधाएं दीं

शाह ने कहा कि वर्ष 2014 तक देश में करोड़ों लोग ऐसे थे जिनके पास घर,गैस कनेक्शन, शौचालय, पीने का पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं तक नहीं थीं और इन करोड़ों लोगों को हर सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ता था। 2014 में नरेन्द्र मोदी की सरकार ने संकल्प किया कि हर घर में बैंक खाता, गैस कनेक्शन, शौचालय, नल से जल होगा और हर व्यक्ति के स्वास्थ्य का 5 लाख रुपए तक का खर्च सरकार उठाएगी। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के करोड़ों लोगों को प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज मुफ्त दिया और इन करोड़ों लोगों को मूलभूत सुविधाएं देकर इनके जीवन को बदलने की शुरूआत की। सिर्फ बैंक खाता खुलने से कई तरह के फायदे हुए और अब देश के किसानों के खाते में सालाना 6 हजार रुपए केन्द्र सरकार द्वारा जमा कर दिए जाते हैं।

गुजरात सरकार जनता तक पहुंचाई योजनाएं

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सभी जनकल्याणकारी योजनाओ को हर व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने 5 लाख रुपए तक का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड दिया, जिसे गुजरात सरकार ने 10 लाख रुपए तक कर दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनके सपनों के भारत का निर्माण करना हमारी जिम्मेदारी है और इसे हमें अपने संकल्पबल से पूरा करना है।

पीएम मोदी कॉप-28 शिखर सम्मेलन के बाद भारत लौटे

एजेंसी। नई दिल्ली

शिखर सम्मेलन के भाषणों, द्विपक्षीय बैठकों और खाड़ी अमीरात में विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार रात भारत पहुंचे। पीएम मोदी ने इस शिखर सम्मेलन को 'उत्पादक कॉप-28 शिखर सम्मेलन' बताया। इससे पहले, मोदी के लिए आज का दिन काफी व्यस्तता भरा रहा। यह दिन विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में संबोधन और द्विपक्षीय बैठकों वाला रहा। साथ ही 'ग्रीन क्रेडिट इनिशिएटिव' की शुरूआत की गई। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दो मिनट की अवधि का एक वीडियो पोस्ट किया। जिसमें उनके दिन भर के कार्यक्रम की झलक पेश की गई। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया- धन्यवाद, दुबई। यह एक सार्थक कॉप-28 शिखर सम्मेलन रहा। आइये हम सब एक बेहतर ग्रह के लिए मिलकर काम करना जारी रखें। इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मोदी के विमान में सवार होने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में एक तस्वीर साझा की, जिसमें मोदी स्वदेश प्रस्थान करते दिख रहे हैं।

पीएम कल महाराष्ट्र में शिवाजी की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

पीएम सोमवार को महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके अलावा वह भारतीय नौसेना का प्रदर्शन भी देखेंगे। पीएमओ ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री 4 दिसंबर को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 4:15 बजे महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग पहुंचेंगे और राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। उसके बाद, प्रधानमंत्री सिंधुदुर्ग में 'नौसेना दिवस 2023' समारोह के कार्यक्रम में भाग लेंगे।

दावा : महाराष्ट्र में 45 लोस सीट जीतेगा सत्तारूढ़ गठबंधन : शिंदे

एजेंसी। नागपुर

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने दावा किया कि उनके नेतृत्व वाली शिवसेना, अजित पवार नीत राकांपा और भाजपा का सत्तारूढ़ गठबंधन अगले साल होने वाले आम चुनाव में राज्य की 48 लोस सीट में से 45 पर जीत हासिल करेगा। शिंदे शुक्रवार को यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। बारामती और पुणे जिले के कुछ संसदीय क्षेत्रों से राकांपा के चुनाव लड़ने के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बयान पर शिंदे ने कहा कि पवार ने यह भी कहा है कि तीनों दल साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

शिंदे ने कहा, महागठबंधन साथ मिलकर लोस और महाराष्ट्र विस चुनाव लड़ेगा और लोस चुनावों में पीएम के लिए 45 से ज्यादा सीटें जीतेगा।" इसबीच शिंदे नीत शिवसेना गुट के हिंगोली के सांसद हेमंत पाटिल ने कहा कि सीएम का समर्थन (पिछले साल शिवसेना में टूट के बाद) करने वाले 13 सांसदों को 2024 लोस चुनाव के लिए फिर से टिकट दिया जाएगा। पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, "एकनाथ शिंदे ने हमें इस बारे में आश्वासन दिया है।" लोस चुनाव अगले वर्ष मई में होने की संभावना है, वहीं महाराष्ट्र विस चुनाव अक्टूबर या नवंबर में हो सकते हैं।

डाक से पहुंचने लगे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण पत्र

एजेंसी। अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों को रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र प्रेषित करना शुरू कर दिया है। ट्रस्ट की तरफ से भेजे गए कुछ कार्ड के फोटो सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहे हैं। निमंत्रण पत्र के लिफाफे पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह लिखा हुआ है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र में लिखा गया है कि आपको विदित ही है कि लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण कार्य प्रगति पर है। पौष, शुक्ल द्वादशी, विक्रम संवत 2080, सोमवार, 22 जनवरी 2024, गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। हमारी प्रबल इच्छा है कि आप इस पुनीत अवसर पर अयोध्या में उपस्थित रहकर प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने और महान ऐतिहासिक दिन की गरिमा बढ़ाएं। सद्गुरु सदन गोलाघाट के महंत सियाकिशोरी शरण महाराज के एक शिष्य ने रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र मिलने की पुष्टि की है। निवेदन है कि 21 जनवरी के पूर्व अयोध्या पधारने की योजना बनाएं। जितना शीघ्र अयोध्या आएंगे, उतनी ही आपको सुविधा होगा। विलंब से आने पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। 23 जनवरी 2024 के बाद ही वापस जाने की योजना बनाएं। इस पत्र पर चम्पत राय के हस्ताक्षर, पत्रांक और 22 नवंबर को पत्र भेजने की तारीख भी अंकित है।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त देशभर में 6000 लोगों को निमंत्रण भेजना है। ऐसे में यह बड़ा काम है। अयोध्या में संत-महंतों को निमंत्रण भेजना शुरू कर दिया गया है। सद्गुरु सदन गोलाघाट के महंत सियाकिशोरी शरण महाराज के एक शिष्य ने रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र मिलने की पुष्टि की है।

भारतीय अमेरिकी दोनों ओर से सक्रिय, किसे मिलेगी बढ़त!

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी आबादी का लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा वहां रहने वाले भारतीयों का माना जाता है। लिहाजा, अमेरिका में उनकी मौजूदगी और उनके वोट को अमेरिकी राजनीतिक स्पेक्ट्रम में काफी अहम माना जा रहा है। देश के इतिहास में पहली बार, दो भारतीय-अमेरिकी - निक्की हेली और विवेक रामास्वामी - रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद की दौड़ में हैं और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पहली अश्वेत महिला राष्ट्रपति बन सकती हैं। अगर राष्ट्रपति जो बिडेन, जिनकी बढ़ती उम्र चिंता का विषय बन गई है, निर्वाचित कार्यकाल पूरा करने में विफल रहते हैं। भारतीय-अमेरिकी राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि के कारण बताते हुए कांग्रेसी रो खन्ना ने कहा, यह दक्षिण एशियाई लोगों की एक नई पीढ़ी हो सकती है। यह ट्रम्प के 2016 के चुनाव की प्रतिक्रिया हो सकती है। यह बराक ओबामा के राष्ट्रपति पद की प्रतिक्रिया हो सकती है, जिसने दिखाया कि रंगभेद को साइड में रखकर कोई भी नेतृत्व के पदों पर आसीन हो सकते हैं। 2020 में बिडेन के साथी के रूप में हैरिस ने भारतीय-अमेरिकियों को वोट देने के लिए प्रेरित किया, जनमत सर्वे में लगभग 49 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि उनके नामांकन ने उन्हें बिडेन की उम्मीदवारी के बारे में अधिक उत्साहित किया। लगभग छह बार, बिडेन ने अपने 2024 के मौजूदा साथी और दूसरे-इन-कमांड को 'राष्ट्रपति' के रूप में संदर्भित किया है, हालांकि गलती से, लेकिन यह इस तथ्य को दूर नहीं करता कि हैरिस डेमोक्रेट के मामले में व्हाइट हाउस पर नियंत्रण रखने में अधिक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। 19 देशों का दौरा करने और लगभग 100 विश्व नेताओं से मुलाकात करने के बाद, हैरिस-भारत की एक आप्रवासी मां और जमैका के पिता से पैदा हुईं - हाल ही में घरेलू प्राथमिकताओं पर बिडेन प्रशासन की प्रमुख व्यक्ति रही हैं। डेमोक्रेट पहले से ही गर्भपात, मतदान अधिकार, बंदूक नियंत्रण जैसे शक्तिशाली मुद्दों पर आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है - यह दर्शाता है कि 58 वर्षीय खुद को 80 वर्षीय राष्ट्रपति के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में पेश कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एंड्री राजोएलिना को पुनः मेडागास्कर का राष्ट्रपति बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शनिवार को एंड्री राजोएलिना को एक बार फिर मेडागास्कर का राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में कहा, मेडागास्कर के राष्ट्रपति के रूप में पुनः निर्वाचित होने पर एंड्री राजोएलिना को हार्दिक बधाई। भारत-मेडागास्कर साझेदारी और विजन सागर को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं।

FILMY हलचल

रणवीर सिंह ने अपने किरदार रॉकी को बताया करीना के 'पू' का वंशज

रेड सी इंटरनेशनल फेस्टिवल में प्रतिष्ठित युसर अवॉर्ड से सम्मानित बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में रॉकी रंधावा का शानदार किरदार निभाने के बारे में बात की है और इस भूमिका को 'कभी खुशी कभी गम' में करीना कपूर खान के आइकोनिक किरदार 'पू' के 'सीधे वंशज' के रूप में टैग किया है। समीरा तुर्किस्तानी यूट्यूब चैनल के लिए एक इंटरव्यू में, रणवीर ने फिल्ममेकर करण जौहर के हवाले से रॉकी को पू का प्रत्यक्ष वंशज बताया। 2001 की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम...' में करीना द्वारा निभाया गया पू का किरदार आज तक सबसे चर्चित और प्रासंगिक किरदारों में से एक है। इसने फैशन, भाषा और अपील के कारण सुर्खियां बटोरीं। बातचीत में रणवीर ने रॉकी के रिसेप्शन पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहाः जिस तरह से लोग रॉकी के साथ जुड़े हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं, छोटी-छोटी रॉकी की बातें जो बोलचाल में उपयोग में आ गई है, इससे पता चलता है कि आपके किरदार को वास्तव में पसंद किया जाता है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, शबाना आजमी और जया बच्चन भी हैं। रणवीर अगली बार 'डॉन 3' में नजर आएंगे।

कार्तिक आर्यन को 'भूल भुलैया 3' के लिए किया गया फाइनल

हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'भूल भुलैया' की तीसरी इंस्टॉलमेंट का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है। खबर है कि मशहूर एक्ट्रेस तब्बू इस फिल्म से बाहर हो गई हैं। हालांकि, इसमें कितनी सच्चाई है, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। 2022 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया 2' ने एक बड़ी सफलता हासिल की थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और यह अक्षय कुमार की 2007 की फिल्म 'भूल भुलैया' का सीक्वल थी। कार्तिक ने फिल्म के सीक्वल में रूह बाबा की भूमिका निभाई, जिसमें तब्बू डबल रोल्स में थी। सूत्रों ने साझा किया कि स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद ही अन्य प्रतिभाओं को चुना जाएगा। सूत्र ने कहा, रूह बाबा के रूप में कार्तिक आर्यन एकमात्र अभिनेता हैं, जिनकी पुष्टि की गई है और अभी तक किसी अन्य अभिनेता की पुष्टि नहीं की गई है।

'डंकी' के लिए गाना लिखने के बाद प्रीतम ने शानदार संगीत किया तैयार : जावेद अख्तर

अनुभवी पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर, जो 'शोले', 'बॉर्डर', 'जंजीर', 'डॉन', 'लक्ष्य' और अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं, ने शाहरुख खान अभिनीत आगामी फिल्म 'डंकी' के गाने 'निकले थे कभी हम घर से' के बोल तैयार किए हैं। अनुभवी कलाकार ने साझा किया कि कई गानों के विपरीत जहां धुन पहले बनाई जाती है और गीतकारों को धुन पर लिखने के लिए कहा जाता है, संगीतकार प्रीतम ने उनसे उस धुन के लिए पहले गीत लिखने का अनुरोध किया था जिसे वह बाद में रचनात्मक प्रक्रिया में लिखेंगे। 'डंकी' के निमार्ताओं ने 'निकले थे कभी हम घर से' के रूप में रिलीज किया, जिसे सोनू निगम ने खूबसूरती से गाया है। रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में बताते हुए, जावेद अख्तर ने कहा, इस फिल्म में, मेरे पास केवल एक गाना है और दिलचस्प बात यह है कि राजू हिरानी ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि हमने इस गाने को शामिल किया और उन्होंने विशेष रूप से मुझसे इसे लिखने का अनुरोध किया। मुझे उम्मीद है कि आप गाने का आनंद लेंगे, क्योंकि यह अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण अनोखा है।"

अनुसंधान — सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला

आदित्य-एल1 ने शुरू किया सौर हवाओं का अध्ययन

पृथ्वी से 15 लाख किमी दूर लैग्रेंजियन बिंदु एल1 से जारी है अध्ययन

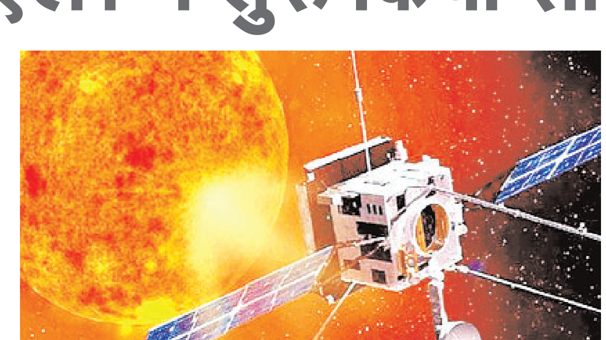

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत के आदित्य-एल1 उपग्रह में लगे पेलोड आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट ने काम करना शुरू कर दिया है और यह सामान्य रूप से काम कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसरो ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया था। इसरो के अनुसार, आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है। यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित लैग्रेंजियन बिंदु एल1 के आसपास एक प्रभामंडल से सूर्य का अध्ययन कर रही है।

इसरो ने एक बयान में कहा कि आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स) में दो अत्याधुनिक उपकरण सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर (एसडब्ल्यूआईएस) और सुप्राथर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (एसटीईपीएस) शामिल हैं। एसटीईपीएस उपकरण 10 सितंबर, 2023 को शुरू किया गया। एसडब्ल्यूआईएस उपकरण दो नवंबर, 2023 को सक्रिय हुआ था और इसने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसरो के अनुसार उपकरण ने सौर पवन आयन, मुख्य रूप से प्रोटॉन और अल्फा कणों को सफलतापूर्वक मापा है।

एक नजर

आर्मी पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

रांची। दिव्यांगों के प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा समाज को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से हर साल 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। आर्मी पब्लिक स्कूल रांची में दिव्यांगों के प्रति जागरूकता, समावेशी शिक्षा और समाज में समान अधिकार को ध्यान में रखकर रांची स्थित दीपशिखा संस्थान के लगभग 20 दिव्यांग बच्चों ने स्कूल भ्रमण कराया गया । स्कूल के बच्चों ने भी उनके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य अभय कुमार सिंह ने दीपशिखा के बच्चों को प्रोत्साहित किए।

रांची में ऑटो और ई-रिक्शा के खिलाफ चला अभियान, 68 जब्त

रांची। रांची ट्रैफिक पुलिस बिना परमिट ऑटो चालकों और ई रिक्शा के खिलाफ अभियान चला रही है। ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव ने शनिवार को बताया कि अभियान के दौरान 43 ऑटो और 25 ई-रिक्शा को जब्त किया गया है। उन्होंने सभी ऑटो चालकों से अपील किया कि कोई भी चालक बिना परमिट, लाइसेंस सहित अन्य कागजात के बिना गाड़ी ना चलाये। पकड़े जाने पर रांची ट्रैफिक पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि एमवी एक्ट की धारा 192ए के तहत बिना परमिट के ऑटो चलाने पर 10 हजार रुपये जुमार्ना का प्रावधान है। साथ ही बिना रूट परमिट के ई-रिक्शा चलाने पर पहली बार तीन हजार और दूसरी बार पांच हजार रुपये के जुमार्ना का प्रावधान है।

लातेहार में रेलवे ट्रैक पर मिला दो युवकों के शव

रांची। झारखंड के लातेहार में शनिवार को रेलवे ट्रैक पर दो युवकों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। इनकी हत्या कर शव को ट्रैक पर फेंका गया है या फिर ट्रेन से कटकर मौत हुई है, यह साफ नहीं हो पाया है। रेलवे पुलिस घटना की जांच कर रही है। बरवाडीह थाना क्षेत्र के कचनपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर दो युवकों के शव पड़े होने की सूचना ग्रामीणों ने रेलवे पुलिस को दी। जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। मृतकों की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटनास्थल पर एक युवक का शव ट्रैक के किनारे पड़ा था, जबकि दूसरे युवक का शव ट्रैक के बीच में था। ट्रैक पर लेटे युवक का एक कंधा भी कट गया, जबकि ट्रैक के किनारे पड़े युवक के शरीर पर जख्म के निशान दिख रहे थे। पुलिस हादसा या हत्या, दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। दोनों मृतक मजदूर तबके के लग रहे हैं। हादसे की वजह से कुछ देर के लिए बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन रोकना पड़ा। दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

हटिया से मुंबई और सूरत जाने वाली ट्रेनें दिसंबर रहेंगी रद्द

रांची। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम चल रहा है। इसके कारण दिसंबर में सूरत और मुंबई जाने वाली ट्रेनों को रद्द कर दिया है। ऐसे में आने वाले समय में रांची से मुंबई और सूरत जाने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है।

ये ट्रेनें रद्द रहेंगी : ट्रेन संख्या 12812 झ हटिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस-आठ और नौ दिसंबर को हटिया से रद्द, ट्रेन संख्या 12811- लोकमान्य तिलक टर्मिनस-हटिया एक्सप्रेस-10 और 11 दिसंबर को रद्द, ट्रेन संख्या 13425- मालदा टाउन- सूरत एक्सप्रेस-दो और नौ दिसंबर को रद्द, ट्रेन संख्या 13426-सूरत- मालदा टाउन एक्सप्रेस-चार और 11 दिसंबर को सूरत से रद्द। वहीं चक्रवात मिचौंग की वजह से ट्रेन संख्या 18637 हटिया- सर एम विश्वईश्वरैया, बेंगलुरु एक्सप्रेस, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 02/12/2023 को हटिया से रद्द रहेगी।

उपायुक्त ने ट्रांसजेंडर मतदाताओं को फूल देकर किया सम्मानित

रांची, 02 दिसम्बर (हि. स.)। रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को नूर नगर पुरानी रांची में पहुंच कर ट्रांसजेंडर मतदाताओं को फूल देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें मतदान करने की अपील की। सभी ने मतदान करने का भरोसा दिया। मौके पर उपायुक्त ने ट्रांसजेंडर मतदाताओं को जागरूक करते हुए मतदान के महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया। साथ ही जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नही है, उन्हें उपायुक्त ने हाथों हाथ फॉर्म-6 दिया गया और जिनका नाम अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों में दर्ज है, उन्हें फॉर्म-8 दिया गया एवं सम्बंधित बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा की जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नही है या अन्य जगह मतदान करते है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने को कहा गया। उपायुक्त ने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा की भारत देश के गणतंत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सभी मतदाता मतदान जरूर करें। साथ

अलनीनो : इस बार ठंड से मिलेगी थोड़ी राहत

10 डिग्री से नीचे जा सकता न्यूनतम तापमान

मौसम विभाग के अनुसार दिसंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। जिसके कारण अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10 डिग्री या इससे नीचे तक भी जा सकता है। बादन छाने के दौरान दिन का तापमान गिरेगा। जबकि बादल छंटने पर रात के न्यूनतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी।

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में अमूमन दिसंबर में जबरदस्त ठंड पड़ती है लेकिन इस बार अलनीनो के प्रभाव के कारण सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। बादल छाए रहने के कारण इस बार ठंड से थोड़ी राहत है। न्यूनतम तापमान सामान्य में उपर दर्ज की जा रही है। लेकिन बादल छंटने के साथ ही ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार दिसंबर महीने के पहले पखवाड़े में मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। इस दौरान रांची समेत राज्य के कई हिस्से में बादल छाये रह सकते हैं। देश के उत्तरी हिस्सों में बर्फबारी हो रही है, जिसका असर आने वाले दिनों में झारखंड में भी देखने को मिलेगा। रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार देश के पश्चिमी भाग राजस्थान से लेकर उत्तर भारत में आए पश्चिमी विक्षोभ का असर झारखंड में पड़ेगा। मैदानी भागों में बारिश हो रही है। यह सिस्टम झारखंड की ओर से बढ़ रहा है। बंगाल की खाड़ी एक अतिदाब बनने की प्रक्रिया से गुजर रही है। तीन दिसंबर को यह अतिदाब से चक्रवातीय तूफान बनकर हैदराबाद और तमिलनाडु के तट पर चार दिसंबर को पार करेगा। इस व्यापक सिस्टम के पार करने के दौरान झारखंड की आबोहवा भी बदलेगी।

क्या है अलनीनो : अल नीनो एक जलवायवीय परिघटना है जो उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में अनियमित रूप से समुद्री जल के गरम होने से घटित होती है। इसका भारत सहित विश्व भर के मौसम पर वृहत प्रभाव पड़ता है। जिससे मौसम के सामान्य तापमान असामान्य रूप से में बढ़ोतरी और कमी आती है। वहीं समुद्री जल के ठंड के प्रभाव से ला नीनो प्रभाव उत्पन्न होता है। सामान्यतः से प्रभाव दो से तीन वर्ष में देखने को मिलते हैं।

इंसान स्कूल ग्लोबल एलुमनी एसोसियेशन का दूसरा मेगा मीट का आयोजन

शिक्षा की बुनियाद पर ही देश और समाज की तरक्की : डॉक्टर मजीद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

इंसान स्कूल ग्लोबल एल्यूमिनी एसोसिएशन दूसरा मेगा मीट्स 2 और 3 दिसंबर को फातिमा गर्ल्स अकैडमी इटकी रांची में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर मजीद आलम निदेशक आलम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, गेस्ट ऑफ ऑनर डॉक्टर जयाउल होदा निदेशक झारखंड नेशनल हॉस्पिटल, डॉक्टर परवेज आलम कार्डिक सर्जन, शमशेर आलम डिप्टी चेयरमैन झारखंड अल्पसंख्यक आयोग, मौलाना मातिउर रहमान मदनी चैयरमैन तौहीद यूनिवर्सिटी सह बुखारी यूनिवर्सिटी किशनगंज, मौलाना नसीम अनवर नदवी डायरेक्टर फातिमा गर्ल्स अकैडमी इटकी रांची, रामजी यादव चेयरमैन वाईबीएन यूनिवर्सिटी मौजूद थे। यह मौका था इंसान स्कूल के पूर्वती छात्रों का एक जगह मिलकर शिक्षा के प्रति जागरूक पैदा करना इस पर चर्चा किया गया । इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉक्टर मजीद आलम ने कहा की इंसान स्कूल एक बहुत बड़ी तहरीक शिक्षा को लेकर चलाया था। यहां के बच्चे हर फील्ड में पूरे दुनिया में है। डॉक्टर परवेज आलम ने कहा कि हमें स्वर्गीय डॉक्टर सैयद हसन के शिक्षा के तहरीक को सीखने की जरूरत है। मुसलमान इल्म नाफे को हासिल करने का प्रयास करें। इस मौके पर फातिमा एकेडमी इटकी में एनआरआई हॉस्टल की संगे बुनियाद रखी गई। इसका संगे बुनियाद मौलाना मातीउर रहमान मदनी अध्यक्ष तौहीद यूनिवर्सिटी और बुखारी यूनिवर्सिटी किशनगंज ने अपने हाथों से किया। मौलाना मातीउर रहमान मदनी ने अपने संबोधन में कहा कि यहां के शिक्षा, प्रशिक्षण बहुत अच्छा है। हमारी दुआ है की फातिमा गर्ल्स अकेडमी का यूनिवर्सिटी हो। वहीं मौलाना नसीम अनवर नदवी निदेशक फातिमा गर्ल्स अकेडमी ने अपने संबोधन में कहा कि सीबीएससी बेस्ट स्कूल है। जहां दीन के साथ दुनियावी तालीम दी जा रही हैं। हमारा उद्देश है बच्चो को एजुकेट करना और एकनामिक्स मजबूत करना है। वहीं मौलाना इलियास मजाहिरी ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मौलाना नसीम अनवर नदवी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

30 लाख परिवार को श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का देगा निमंत्रण : विहिप

नवीन मेल संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ वीरेन्द्र साहू ने बताया कि आज से 10 दिसंबर जिला बैठक 11 दिसंबर से 17 दिसंबर प्रखंड बैठक एवं 18 दिसंबर से 24 दिसंबर तक पंचायत बैठक की जाएगी। 22 दिसंबर गीता जयंती / शौर्य दिवस के पावन अवसर पर झारखंड के सभी प्रमुख मंदिरों में श्री हनुमान चालीसा पाठ एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। 23 दिसंबर से 30 दिसंबर तक स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस पर धर्म रक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया इसके तहत परावर्तन के कार्यक्रम किए जाएंगे। डॉ साहू ने बताया 1 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक झारखंड के 30 लाख परिवारों तक पहुंच कर अयोध्या जी में हो रहे श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त अपने-अपने क्षेत्र के सभी मंदिरों को अयोध्या धाम का प्रतीक मानकर 22 जनवरी 2024 को धार्मिक अनुष्ठान, महाआरती एवं रात्रि में अपने-अपने घरों में दीपोत्सव मनाने का आग्रह करेंगे। इस निमंत्रण में सभी हिंदू जनमानस को फरवरी मास के बाद एक बार पुरुषोत्तम भगवान श्री राम लला का दर्शन करने जाने का भी निमंत्रण दिया जाएगा। डॉ साहू ने कहा आज अयोध्या जी से लाये गए पूजित अक्षत को झारखंड प्रांत के सभी जिला केंद्रों में भेजा जा रहा है। इस पूजित अक्षत को जिला केंद्र से प्रखंड एवं पंचायत केंद्र तक पहुंचाया जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना चुनाव आज....

नहीं है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर है। ग्वालियर-चंबल संभाग की 34 सीटों के नतीजे 2018 की तरह नहीं होंगे। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इस बेल्ट में एकतरफा जीत मिली थी। तब कांग्रेस को 26 और बीजेपी को सिर्फ सात सीटें मिली थीं। 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस ने पहले सरकार बनाई थी, मगर 19 महीने बाद ही ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद सत्ता बदल गई थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी दोनों पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर हुई थी। तब कांग्रेस को 40.89 फीसदी वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 41 फीसदी वोट मिले थे। इस बार मालवा और निमाड़ में भी बीजेपी फायदा मिल सकता है। शिवराज सिंह चौहान, नरोत्तम मिश्रा, कमलनाथ, जीतू पटवारी, नरेंद्र सिंह तोमर, रीति पाठक, गणेश सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद सिंह पटेल, राकेश सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते जैसे दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। वहीं 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधानसभा में बहुमत हासिल करने वाली पार्टी को 101 के मैजिक नंबर को हासिल करना है। दो दशकों से राजस्थान में सीएम की कुर्सी बीजेपी और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कांग्रेस के दोनों नेताओं सचिन पायलट और अशोक गहलोत ने दावा किया है कि इस बार परंपरा बदलेगी। कांग्रेस सरकार में वापस लौटेगी। भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद है कि परंपरा कायम रहेगी और राजस्थान में सरकार बदलेगी। यहां 25 नवंबर को वोट डाले गए थे। छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही मुकाबला है। 2018 में करीब 15 साल बाद कांग्रेस राज्य की सत्ता में लौटी। बीजेपी बिना सीएम के चेहरे के छत्तीसगढ़ के मुकाबले में उतरी है, जबकि कांग्रेस का नेतृत्व सीएम भूपेश बघेल कर रहे हैं। चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही ओपिनियन पोल्स में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा। मगर वोटिंग के बाद नतीजे से पहले हुए एग्जिट पोल में बीजेपी भी मुकाबले में खड़ी दिखाई देने लगी। ट्राइबल इलाके में बंपर वोटिंग के कारण सीएम भूपेश बघेल कॉन्फिडेंट हैं, सरकार कांग्रेस की बनेगी।तेलंगाना विधानसभा चुनाव में इस बार कड़े मुकाबले की उम्मीद है। यहां 119 सीटो पर मुकाबला हो रहा है। लोगों की नजरें के. चंद्रशेखर राव पर टिकी हैं, जहां वह हैट्रिक की उम्मीद कर रहे हैं। ओपिनियन पोल्स और एग्जिट पोल्स में कांग्रेस पहली बार बीआरएस के कड़ी टक्कर में टक्कर में नजर आ रही है। खुद केसीआर दो विधानसभा सीटों कामारेड्डी और गजवेल से चुनाव लड़ रहे हैं। ये दोनों सीटें इस बार तेलंगाना की सबसे हॉट सीट बन गई है। गजवेल में बीजेपी के इटाला राजेंद्र भी मैदान में हैं। कामारेड्डी से रेवंत रेड्डी इस बार केसीआर को चुनौती दे रहे हैं।

1.11 करोड़ की योजनाओं से...

योजना, ग्राम गाड़ी योजना समेत अन्य योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है. मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से कहा कि कहा कि मैं स्वयं आपके रोजगार और आपको दिए जाने वाले योजनाओं की मॉनिटरिंग करूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड टनल हादसे में फंसे आप सभी श्रमिक सकुशल अपने राज्य एवं घर आ वापस आ गए हैं, यह आपके परिवारजनों के साथ-साथ पूरे राज्यवासियों के लिए खुशी की बात है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रमिकों को अंग वस्त्र और शॉल भेंटकर अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

डायन बिसाही में देवर ने बेटों संग...

दिया था। हत्या की प्राथमिकी मृतका के पुत्र मुन्ना प्रजापति व अमरजीत प्रजापति ने कराई है। बताया जाता है कि ललिता की हत्या अंधविश्वास को लेकर की गई है।

फिरायालाल चौकवाला वह परमवीर...

सकता था और लोगों का प्रेरणा स्त्रोत भी लेकिन दिखावटी राजनीति और सरकारों की उपेक्षा के कारण सिर्फ सजावटी विकास का प्रतीक बनकर रह गया है अल्बर्ट एक्का प्रखंड।

पंजाब को वीर भूमि कहा जाता है और वहां शहीदों को सम्मान देने के लिए मंदिरों, गुरुद्वारों जैसे प्रमुख स्थलों में शहीदों के नाम की पट्टिकाएं लगाई जाती हैं और लोग बहुत श्रद्धा से उन्हें याद करते हैं जबकि झारखंड, बिहार जैसे राज्यों में मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों में अपनी नाम पट्टिका लगाने की होड़ मची रहती है जिसमें नेता सबसे आगे रहते हैं, उसके लिए लड़ाई हो जाती है। जिस समाज में शहीदों का सम्मान न होता हो शहीदों की शहादत को प्रेरणा न माना जाता हो और उनकी विधवाओं या आश्रितों को मिलने वाले मुआवजे या अन्य लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हो वहां नौकरी की इच्छा करने वाले सैनिक तो शायद बहुत मिल जाएंगे लेकिन अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश के लिए अपना बलिदान देने वाला अल्बर्ट एक्का शायद दुर्लभ हो सकता है। यह अलग बात है कि झारखंड भी वीरों की भूमि है और अपने आत्मसम्मान, स्वाभिमान और देश की रक्षा के लिए कुबार्नी देने वालों का बहुत बड़ा इतिहास है लेकिन सवाल समाज, सरकारों और मीडिया से भी जो इन शहीदों के प्रतीकों को आज भी पुराने व्यावसायिक नामों से याद करते हैं और इसीलिए नई पीढ़ी के बच्चे पूछते हैं कौन अल्बर्ट एक्का फिरायालाल चौक वाला?

संसद का 4 से 22 दिसम्बर का शीतकालीन सत्र...

शक्तियों के लिए साफ दिशानिर्देशों की कमी को उजागर करता है। सांसद ने इसकी गंभीरता और दूरगामी प्रभाव का हवाला देते हुए निष्कासन की अभूतपूर्व सिफारिश पर भी सवाल उठाए। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी एजेंडा सूचना के मुताबिक आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर पैनल की पहली रिपोर्ट सदन के पटल पर रखेंगे। विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता में आचार समिति ने 9 नवंबर को एक बैठक के दौरान रिपोर्ट को स्वीकार की थी, जिसमें छह सदस्यों ने मोइत्रा के निष्कासन का समर्थन किया था और चार विपक्षी सदस्यों ने असहमति नोट प्रस्तुत किए थे। पैनल के जिन छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था, उसमें कांग्रेस सांसद परनीत कौर भी शामिल थीं। उन्हें पहले पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। विपक्षी दलों से संबंधित पैनल के चार सदस्यों ने असहमति नोट प्रस्तुत किए। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को 'फिक्स्ड मैच' करार दिया और कहा कि शिकायत में कोई सबूत नहीं था। मोइत्रा को तभी निष्कासित किया जा सकता है जब सदन पैनल की सिफारिश के पक्ष में वोट करे। संसद का सोमवार से शुरू होने वाला शीतकालीन सत्र हंगामेदार हो सकता है पर विपक्ष इसमें कितना शामिल होगा या कितना बहिष्कार करेगा देखना शेष है।

झारखंड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालिन ई– पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई–पुनर्निविदा संख्या:- 05/R1/2023-24/RWD/W/EE/GUMLA दिनांकः–01.12.2023

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि		कार्य समाप्ति की अवधि।	टेंण्डर कॉल सं0
			अंक में (लाखं)	अक्षर में		
1	RWD/W/EE/GUMLA/ 11/2023-24	Construction of Approach Road for H.S.C Akashi का निर्माण कार्य।	4.152	चार लाख पन्द्रह हजार दो सौ, रू0 मात्र।	45 दिन	द्वितीय
2	RWD/W/EE/GUMLA/ 13/2023-24	Construction of Approach Road for H.S.C Majhgaon का निर्माण कार्य।	3.183	तीन लाख अठारह हजार तीन सौ, रू0 मात्र।	45 दिन	द्वितीय

2 वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 05.12.2023

3 ई– निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः–13.12.2023 अपराहन 05.00 बजे तक।

4 निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 15.12.2023 अपराहन 03.30 बजे।

5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभिंयता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला, विकास भवन, गुमला के बगल में, पिन–835207

6 ई–निविदा प्रकोश्ठ का दूरभाश सं0–06524–465040 ।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला

PR 312579Rural Work Department(23-24)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD),RANCHI

NirupanBhawan,3rd Floor,Room No. 401,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e- Procurement (Short Tender Notice)

Letter of Invitation (LOI) No.-50/2023-24

e-Tender Ref No:–RCD/PID/RANCHI/50/2023-24 Date:-25.11.2023

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for construction of road from NH-98 Chhatarpur – Telari More to Obra Main Road via Kawual, Kurkuta Road including replacement/construction of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Proposal including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Proposal of Utility Shifting in details etc. as required by the Department (If any) under Palamu District in the State of Jharkhand. *Only Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2023 are allowed to bid.
2	Tentative Length	15 Km
3	Period of Completion of Work	60 Days
4	Cost of Tender documents& Earnest Money Deposit	Cost of tender documents is Rs. 5000/(Non-Refundable) EMD:-The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 30000.00 (Thirty Thousand only)as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in/)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	04.12.2023,10:30 AM
7	Online Last Date/Time of Bid Submission	18.12.2023 12:00 Noon
8	Date and Time of Bid opening	19.12.2023 12:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	ExecutiveEngineer, Planning and Investigation Division,RCD,Ranchi Mob No.-8083039058

Note:-Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seem on e- procurement portal (https: // jharkhandtenders.gov.in).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 312570 (Road) 23-24 (D)

कार्यालय जिला परिषद्, चतरा

(अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 47, वर्ष 2023–24)

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता : जिला अभियंता, जिला परिषद्, चतरा।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 12.12.2023 से 13.12.2023 तक कार्यालय कार्य अवधि में (राजपत्रित अवकाश को छोड़ कर)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद्, चतरा।
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय : 14.12.2023 को कार्यालय अवधि में 3.00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : जिला परिषद कार्यालय, चतरा।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 14.12.2023 को कार्यालय अवधि में 3.30 बजे अपराहन् में
7. निविदा खोलने का स्थान : जिला परिषद, चतरा।
8. कार्य की विस्तृत विवरणी / मद – : DMFT

क्र.	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	टण्डवा	धनगड्डा	खरीका	धनगड्डा हेसात रोड कली बंगी से कनौदी पी0डब्लु0डी0 रोड भाया मो0 मुमताज आलम के घर तक पीसीसी पथ निर्माण।	9979200	10000	200000	04 months
2	मयुरहण्ड	सेकी	ढेबादौरी	ग्राम ढेबादौरी में प्रधान मंत्री सड़क से भुईयाँ टोली होते हुए बड़ाकर नदी तक पीसीसी पथ निर्माण।	5549500	10000	111000	04 months
3	मयुरहण्ड	मयुरहण्ड	मयुरहण्ड	भानुन्जय सहाय के घर से ट्राँसफार्मर बाई पास रोड तक पी0सी0सी0 पथ निमार्ण।	9901800	10000	198500	04 months
4	मयुरहण्ड	हुसिया	चोरहा	आर0ई0ओ0 रोड उपरी टाड़ तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	6290400	10000	126000	04 months
5	Itkhori	Sharjam,	Asariya	Construction of P.C.C Road from P.W.D Road to Kabristan via Devi Mandap.	5018000	10000	100500	04 months
6	Itkhori	Halmata,	Halmata	Construction of P.C.C Road from R.E.O Road to H/O Bhola Yadav	5975100	10000	120000	04 months
7	Itkhori	Dhuna,	Khadauni	Construction of P.C.C Road from :- Cannal to Kesho Tand via Shraswati Shishu Mandir	8970400	10000	179500	04 months
8	Itkhori	Dhankheri,	Dhankheri	Construction of P.C.C Road from :- H/O Tulsi Gope to Parsoni Simana via Middle School Dhankheri	5250900	10000	105500	04 months
9	Itkhori	Karni,	Chorkari	Construction of P.C.C Road from :- Chorkari Powergrid to Harizan Tola	5716600	10000	114500	04 months
10	Gidhour	Gidhour	Gidhour	Construction of P.C.C Road from Upar Tola to Chandaband	6367900	10000	127500	04 months
11	Gidhour	Bariyatu,	Bariyatu (Tola Lubdhiya)	Construction of P.C.C Road from Nimiya More to Chhath Ghat in Tola Lubdhiya.	8053000	10000	161500	04 months
12	Gidhour	Barisakhi,	Barisakhi	Construction of P.C.C Road from P.W.D to River At - Amin.	6450000	10000	129000	04 months

निविदा की शर्ते –

1. जिला परिषद् चतरा अन्तर्गत निबंधित तथा UCAN Portal में Registered संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगें।
2. जिला द्वारा निर्गत आवंटन से जिला अन्तर्गत किसी भी कार्यान्वयन एजेन्सी में संवेदक के नाम से कार्य लंबित रहने की सूचना प्राप्ति होने की स्थिति में उनके पक्ष में निविदा निस्तार नहीं की जायेगी ।
3. परिमाण विपत्र का मूल्य आवेदन के साथ किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक ड्राफ्ट के रूप में "जिला अभियंता, जिला परिषद, चतरा" के पदनाम से देय होगा (जो लौटाया नहीं जायेगा)। तदनुसार परिमाण विपत्र निर्गत किया जायेगा। बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के बैंक से निर्गत बैंक ड्राफ्ट ही मान्य होगा।
4. अन्य निविदा की शर्तें कार्यालय सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद्, चतरा

PR 312575 District (23-24)_D

फैकल्टी क्रिकेट लीग, बीआईटी मेसरा का 12 संस्करण

कंप्यूटर सुपर किंग्स फाइनल में हैं

मैच-1 (2/12/23) कंप्यूटर सुपर किंग्स बनाम एलक्ट्रोब्लास्टर्स
टॉस-कंप्यूटर और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया
स्कोर कार्ड- कंप्यूटर सुपर किंग्स 12 ओवर में 102/1। श्रीधर ने नाबाद 26 और रजनीश ने नाबाद 57 रन बनाए। जवाब में ब्लास्टर्स ने 12 ओवर में 3 विकेट खोकर 89 रन बनाए. कार्तिक ने नाबाद 45 रन बनाए. कंप्यूटर 13 रन से जीता। रजनीश को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

टी20 वर्ल्डकप से पहले टीम इंडिया के सामने नया चैलेंज

ओपनर्स कौन होंगे...5 दावेदार | रोहित-यशस्वी रेस में सबसे आगे

एजेंसी। नई दिल्ली

आगामी टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के पास 7 इंटरनेशनल टी-20 मैच और एक आईपीएल सीजन बचा है। इन मुकाबलों से ही जून में शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की टीम तय होगी। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद सिलेक्टर्स ने रोहित शर्मा और विराट कोहली से आगे बढ़कर टीम चुनने के संकेत दिए थे। दोनों खिलाड़ी एक साल तक कोई टी-20 मुकाबला नहीं खेले, लेकिन वर्ल्ड कप टीम में वापसी की चर्चा तेज है। अब सिलेक्टर्स के सामने नए समीकरण तलाशने और फिर खिलाड़ियों को उनके रोल में ढालने की चुनौती है। भारतीय टीम में सबसे ज्यादा माथापच्ची ओपनिंग स्लॉट्स को लेकर है, जहां 5 मजबूत दावेदार हैं।

एक नजर इन खिलाड़ियों के टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की संभावनाओं पर

यशस्वी जायसवाल

यशस्वी ने भारत के लिए इसी साल अगस्त में टी20 डेब्यू किया और तब से लगातार टीम का हिस्सा हैं। वे वर्ल्ड कप में ओपनिंग के सबसे बड़े दावेदार हैं। इसकी वजह है पहली गेंद से अटैक करने की क्षमता। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप से अब तक 132 खिलाड़ी दुनियाभर में ओपनिंग कर चुके हैं, इनमें पहली 10 गेंदों में यशस्वी का 167.51 का स्ट्राइक रेट दूसरा सबसे बेहतर है। लेग स्पिन भी डाल सकते हैं।

रोहित शर्मा

नवंबर 2022 में आखिरी टी-20 खेलने वाले रोहित टीम में वापसी की तैयारी में हैं। जाहिर तौर पर वे खेले तो प्रमुख ओपनिंग बल्लेबाज होंगे। हालिया वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने 126 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और वे ये कारनामा टी20 फॉर्मेट में भी कर सकते हैं। हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर संशय को देखते हुए उनके कप्तानी करने की भी चर्चा है।

शुभमन गिल

वर्ल्ड कप के बाद गिल टी20 फॉर्मेट के ओपनर की रेस में सबसे आगे थे। तब से वे अपनी पारी की हर 16वीं गेंद पर छक्का जमा रहे हैं। आईपीएल 2023 में उन्होंने 890 रन बनाए। हालांकि, रोहित वापस आते हैं तो अंतिम-11 में जगह मुश्किल होगी। लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन को देखते हुए यशस्वी को तरजीह दी जा सकती है।

ऋतुराज गायकवाड

गायकवाड़ टी20 फॉर्मेट में स्पिन गेंदबाजी के शानदार खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले टी20 वर्ल्ड से अब तक स्पिन के खिलाफ वे 47 के औसत और 166 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। वर्ल्ड कप में विंडीज की धीमी पिचों को देखते हुए टीम में उनकी जगह बन सकती है। हालांकि, शुरूआत में उनका धीमा स्ट्राइक रेट भी चिंता का विषय है, लेकिन लंबी पारियां खेलते हैं।

ईशान किशन

ओपनिंग के दावेदारों में ईशान किशन अकेले विकेटकीपर हैं। केएल राहुल के अलावा वर्ल्ड कप टीम में इशान इकलौते विकेटकीपर नजर आते हैं। वे ओपनिंग और विकेटकीपिंग स्लॉट एक साथ भर सकते हैं। पिछले वर्ल्ड कप से अब तक 13 मैचों में उनका औसत 19.46 और स्ट्राइक रेट 111.94 का है।

एक नजर

राजेश ने की धुआंधार बल्लेबाजी, पीडब्ल्यूडी ने जीता मैच

लखनऊ। इंटर आफिस क्रिकेट टूनार्मेंट में पीडब्ल्यूडी ने सेतु निगम को एक विकेट से हरा दिया। इस मैच में पीडब्लयूडी के राजेश सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी शानदार की। सेतु निगम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 107 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज रोहन मात्र पांच रन पर आउट हो गये। वहीं आमोद शर्मा ने दो रन बनाया, जबकि अजय गौतम और नवाज ने 26-26 रन का योगदान दिया। सुदीश पांडेय ने 11 रन बनाये। वहीं पीडब्ल्यूडी की टीम ने 17वें ओवर में ही नौ विकेट गंवाकर 111 रन बना लिये और मैच को एक विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अवनीश ने छह रन बनाये। वहीं राजेश सिंह ने मात्र 18 बाल पर 23 रन बनाये और अंत तक क्रीज पर जमे रहे। राजेश ने दो विकेट भी लिये, जबकि राका और विजय ने 16-16 रन का योगदान दिया।

पीकेएल 10 के मुकाबले में यू मुंबा की चुनौती के लिए तैयार यूपी योद्धा

अहमदाबाद। जीएमआर समूह के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी यूपी योद्धा यू मुंबा के खिलाफ अपने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 10 अभियान की शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यूपी योद्धा, जिन्होंने कुछ दिन पहले प्रतिष्ठित रेडर परदीप नरवाल को अपना कप्तान घोषित किया था, अपने शुरूआती मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि प्रो कबड्डी लीग पहली बार कोविड-19 के बाद घरेलू और विदेशी प्रारूप में लौट रही है। एलिमिनेटर चरण में बाहर होने के बाद यूपी योद्धा ने 22 मैचों में 71 अंकों के साथ चौथे स्थान पर अपना सीजन नौ अभियान समाप्त किया था। इस सीजन में योद्धा की टीम दो साल के अंतराल के बाद 29 दिसंबर 2023 से 3 जनवरी 2024 तक नोएडा इंडोर स्टेडियम, नोएडा में अपना होम लेग खेलेगी।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किये 4,000 रन

एजेंसी। सिलहट

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4,000 रन पूरे कर लिए हैं। मिशेल ने सिलहट में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच में, मिशेल ने बल्ले के साथ अच्छा प्रदर्शन करते हुए, पहली पारी में 41 और दूसरी पारी में 58 रन बनाए। मिशेल ने 114 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, 41.43 के औसत से 4,061 रन बनाए हैं। उनका सबसे अच्छा स्कोर 190 है। मिशेल के पास 117 पारियों में 117 पारियों में 11 शताब्दियों और 19 पचास हैं। मिशेल ने 19 टेस्ट खेले हैं, 56.60 के औसतन 1,415 रन बनाए हैं, जिसमें 29 पारियों में पांच शताब्दियों और नौ अर्द्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 190 है। मिशेल के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 117 पारियों में 11 शतक और 19 अर्द्धशतक दर्ज हैं। मिशेल ने 19 टेस्ट खेले हैं, 56.60 के औसतन 1,415 रन बनाए हैं, जिसमें 29 पारियों में पांच शतक और नौ अर्द्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 190 रन है। ऑलराउंडर भी एकदिनी क्रिकेट में भी 98.07 की स्ट्राइक रेट के साथ 52.56 की औसत से 1,577 रन बनाए हैं। उन्होंने 134 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ, प्रारूप में छह शतक और पांच अर्द्धशतक बनाए हैं। उन्होंने 56 टी-20 अंतरराष्ट्रीय भी खेला है, जिसमें 24.86 के औसत से 1,069 रन बनाए हैं, जिसमें 72*का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। और उनके रन 137 से अधिक की स्ट्राइक रेट से आए हैं। मिशेल भारत में एक अविश्वसनीय आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के बाद टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश पहुंचे। विश्व कप में उन्होंने 69 की औसत और 111 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 552 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल है। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में तईजुल इस्लाम की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने शनिवार को इतिहास रचते हुए सिलहट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को 150 रनों से करारी शिकस्त देकर कीवी टीम के खिलाफ अपनी पहली घरेलू टेस्ट जीत दर्ज की।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स सबसे कठिन टूनार्मेंट होने जा रहा है: शीतल देवी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 10 दिसंबर, 2023 से पहली बार राजधानी दिल्ली में शुरू हो रहा है। पहली बार, देश के पैरा सितारे इस बहुप्रतीक्षित टूनार्मेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे। इन सितारों में से एक शीतल देवी, जो पहली महिला आर्मलेस-आर्चर है, प्रतियोगिता में अपना कौशल दिखाएंगी। शीतल ने चीन के हांग्जो में चौथे एशियाई पैरा खेलों में डबल गोल्ड मेडल जीता और इसके कुछ ही दिनों बाद, दो टीम इवेंट गोल्ड और एक व्यक्तिगत कांस्य जीता, जो कि बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एशियाई पैरा चैम्पियनशिप में था। वह पहले से ही पेरिस पैरालिम्पिक्स, 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक कोटा सुरक्षित कर चुकी हैं और अब उनका लक्ष्य इस बार जम्मू और कश्मीर के लिए और पदक जीतने पर हैं। शीतल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, अपने घर में और अपने साथी खिलाड़ियों के साथ खेलना थोड़ा अजीब सा लगेगा, क्योंकि सब एक दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं।

4,130 मीटर ऊंचे अन्नपूर्णा बेस कैंप की ट्रैकिंग पर जाएंगे रांची के नौ ट्रैकर

एजेंसी। रांची

रांची टीम में कुल 14 सदस्य, तीन दिसंबर से शुरू होगी चढ़ाई, डेढ़ महीने से कठिन तैयारी में जुटे हैं सभी सदस्य,पर्वतारोही सत्यरूप सिद्धांत हैं टीम लीडर। नेपाल में स्थित दुनिया के 10 वें सबसे ऊंचे पर्वत समूह अन्नपूर्णा बेस कैंप की ट्रैकिंग के लिए 14 लोगों की टीम अपनी तैयारी पूरी कर चुकी है। यह टीम तीन दिसंबर से बेस कैंप की चढ़ाई शुरू करेगी। 4130 मीटर ऊंचे इस अन्नपूर्णा बेस की ट्रैकिंग सामरूंग से शुरू होगी। 14 लोगों की इस टीम में रांची शहर से अकेले नौ लोग शामिल हैं। टीम में सबसे अधिक उम्र 56 वर्ष के शख्स राजीव गुप्ता और प्रवीण राजगढ़िया हैं। जबकि सबसे कम उम्र की प्रतिभागी 16 साल की रिया कोच्चीकर हैं। टीम में रांची के राजीव गुप्ता, प्रवीण राजगढ़िया, तुहिनिका प्रसाद, श्रवण कुमार अग्रवाल, सत्यरूप सिद्धांत, संजय कुमार यादव, नंदिनी श्रवण अग्रवाल, ब्रजेश कुमार, अमित मोदी, राहुल राजगढ़िया शामिल हैं। अन्नपूर्णा बेस कैंप अपनी चुनौतियों, खूबसूरत वादियों और रंग-बिरंगी फूलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां ट्रेकिंग के लिए प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में वे लोग पहुंचते हैं, जिन्हें माउंटेनिंग में रुचि होती है। 4130 मीटर ऊंचे अन्नपूर्णा बेस कैंप की चढ़ाई के लिए टीम के प्रत्येक सदस्य का हौसला बुलंद है। रांची के सभी सदस्यों ने इस कठिन चुनौती के लिए खुद को शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

प्रसिद्ध पर्वतारोही सत्यरूप हैं टीम लीडर

ट्रैकिंग टीम के लीडर प्रसिद्ध पर्वतारोही व गिनीज बुक रिकॉर्ड होल्डर सत्यरूप सिद्धांत हैं। इनकी अगुवाई में ही सभी लोग अन्नपूर्णा बेस कैंप की यात्रा करेंगे। आइडिएट इंस्पायर इग्नाइट फाउंडेशन के डायरेक्टर व टीम के सदस्य राजीव गुप्ता ने बताया कि बीते 20 अगस्त को रांची में एवरेस्ट समिट कराया गया था। इस समिट से ही सभी इस कठिन यात्रा के लिए मोटिवेट हुए हैं। हमारी कोशिश है कि रोमांचकारी और साहसिक गतिविधियों के माध्यम से झारखंड में भी ट्रैकिंग को बढ़ावा दे सकें। प्रकृति हमें बहुत कुछ सिखाती है।

जूनियर व सब जूनियर हॉकी चैंपियनशिप का आज से

एजेंसी। नई दिल्ली

नवंबर में तमिलनाडु के कोविलपत्ती में जोन बी में मैचों के सफल समापन के बाद, पहला हॉकी इंडिया जूनियर और सब जूनियर मेन एकेडमी चैंपियनशिप 2023 - (जोन ए) 3 दिसंबर से नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुरू होने वाली है। राउंड-रॉबिन लीग स्टेज में 10 टीमों को जूनियर श्रेणी में दो पूलों में विभाजित किया जाएगा, जबकि 8 टीमों को उप जूनियर श्रेणी में दो पूलों में विभाजित किया जाएगा। जूनियर श्रेणी में पूल ए में, आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी, भाई बेहलो हॉकी अकादमी, घुमानरा राइसर अकादमी, हर हॉकी अकादमी और सल्यूट हॉकी अकादमी पूल का हिस्सा हैं, जबकि पूल बी में मार्कंडेश्वर हॉकी अकादमी, चीमा हॉकी अकादमी, नामधारी स्पोर्ट्स एकेडमी, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी और राजा करण हॉकी अकादमी शामिल हैं। उप जूनियर श्रेणी में पूल ए में भाई बेहलो हॉकी अकादमी, हर हॉकी अकादमी, मार्कंडेश्वर हॉकी अकादमी और राजा करण हॉकी अकादमी शामिल हैं। पूल बी में चीमा हॉकी अकादमी, घुमानरा राइसर अकादमी, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब और सैल्यूट हॉकी अकादमी शामिल हैं। प्रत्येक पूल की शीर्ष दो टीमें टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में आगे बढ़ेंगी, जो 9 दिसंबर को होने वाली है। महत्वपूर्ण फाइनल के साथ 3/4 वें स्थान का मैच 10 दिसंबर को होने वाला है। आगामी टूनार्मेंट को लेकर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्म श्री डॉ.दिलीप तिर्की ने कहा, ह्लहम एक और घरेलू हॉकी इवेंट पहली हॉकी इंडिया जूनियर और सब-जूनियर मेन एकेडमी चैंपियनशिप 2023 (जोन ए), के शुरू होने से खुश हैं।

पैरा ओलंपिक के सभी विजेता खिलाड़ियों किया गया सम्मानित

रांची। बिरसा विकलांग उत्थान एवं कल्याण ब्लेसिंग सेंटर में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया गया कार्यक्रम में पैरा ओलंपिक फीमेल स्क्वाड के सभी जीते हुए खिलाड़ियों एवं उनके कोच मुकेश कंचन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । संस्था के सचिव राजू सिंह ने कहा कि आज के इस युग में अपने बच्चों को दिव्यांगों के प्रति समर्पण एवं सद्भावना की सीख देना अपने आप में काफी गरिमामयी बात है और पूरी संस्था तहे दिल से खिलाड़ियों की शुक्रगुजार है जिन्होंने दिव्यांगता को परे रख झारखंड का नाम संपूर्ण देश में जागृत किया । दीपशिखा फाउंडेशन की क्लीनिकल मनोचिकित्सक डॉ अनुराधा वत्स ने संस्था के प्रति समर्पित लोगों की प्रशंसा के साथ दिव्यांगों के मनोबल को बढ़ाते हुए अपने शब्दों से पूरे आगंतुकों को को भाव विभोर कर दिया। अंत में संस्था के आशीष,रंजन सिंह जिटो टीम की सभी सदस्य, सुदीप्त सरकार ने दिव्यांगों को प्रेरित कर समाज में उन्हें सम्मान, प्यार, सद्भावना हेतु सभी को जागरूक किया।

मैच-2 मैकेनिकल चैलेंजर्स बनाम इलेक्ट्रोब्लास्टर्स

टॉस जीतकर ब्लास्टर्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया

ब्लास्टर्स ने 11.2 ओवर में 96 रन बनाए।कार्तिक-41 और नीतीश ने 26 रन बनाए। जवाब में मैकेनिकल ने 10.3 ओवर में 97/1 का स्कोर बनाया। धीमान ने 47 रन बनाए और मृणाल-23 के साथ नॉट आउट रहे। धीमान को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैकेनिकल ने 9 विकेट से जीत दर्ज की।

यूपी के सैयद खालिद ने ट्रैक साइकिलिंग में जीता स्वर्ण

रांची। उत्तर प्रदेश के सैयद खालिद बागी ने 75वीं सीनियर, 52वीं जूनियर एवं 38वीं राष्ट्रीय सब जूनियर होने वाली राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप में सब जूनियर बालक वर्ग की 500 मीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस जीत पर प्रदेश के विभिन्न खेल एसोसिएशन के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खालिद को बधाई दी है। उत्तर प्रदेश साइकिलिंग एसोसिएशन के महासचिव आरके गुप्ता ने बताया कि रांची (झारखंड) में 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक आयोजत चैंपियनशिप में मुरादाबाद के सैयद खालिद बागी ने 00:34.929 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की।झारखंड के विकास को 00:35.590 सेकेंड के समय के साथ रजत और झारखंड के ही नारायण महतो को 00:35.845 के समय के साथ कांस्य पदक मिला। लखनऊ ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ.आनंद किशोर पांडेय व उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्लेयर ऑक्शन में 165 क्रिकेटर, इनमें 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली। टाटा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे संस्करण के लिए मुंबई में 09 दिसंबर को होने वाले प्लेयर ऑक्शन में कुल 165 क्रिकेटर शामिल होंगे। 165 खिलाड़ियों में से 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी हैं, जिनमें से 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों से हैं। कुल कैप्ड खिलाड़ी 56 और अनकैप्ड खिलाड़ी 109 हैं। पांच टीमों के पास अधिकतम 30 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिसमें 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। इन 30 स्लॉटों में दिल्ली के पास चार (1 ओवरसीज) स्लॉट उपलब्ध हैं। वहीं, गुजरात के पास सबसे ज्यादा 10 स्लॉट हैं, जिनमें 3 ओवरसीज हैं। इसके अलावा मुंबई के पास 5 (1 ओवरसीज), आरसीबी के पास 7 (3 ओवरसीज) और यूपी के पास 5 (1 ओवरसीज) स्लॉट उपलब्ध हैं। 50 लाख रुपये उच्चतम आरक्षित मूल्य है, जिसमें 2 खिलाड़ी - डींड्रा डॉटिन और किम गर्थ शामिल हैं।

आयोजन

राष्ट्रीय विद्यालय खेल में कई खेलों में शिरकत करेंगे खिलाड़ी

राज्य की भागीदारी के लिए बच्चों को मिल रहा प्रशिक्षण

एजेंसी। रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तहत राष्ट्रीय विद्यालय खेल में झारखंड राज्य की भागीदारी को लेकर एथलेटिक्स, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, खोखो, जिमनास्टिक, तीरंदाजी व बैंड का विशेष प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा है। खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास हेतु उनके पढ़ाई के साथ पौष्टिक आहार, आवासन इत्यादि की सुविधा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के फ्लैट्स व खेल गांव एथलेटिक्स स्टेडियम में दी गई है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह एसजीएफआई के नोडल पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग ने बताया कि खेलो झारखंड के तहत विद्यालय, प्रखंड, जिला स्तर एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर राज्य के विभिन्न जिलों के चयनित बच्चों को कैंप में खेल के साथ साथ शिक्षा की सुविधा भी दी जा रही है। इसके लिए प्रशिक्षण उपरांत सभी अपने क्लास के अनुसार पढ़ाई कर रहे हैं।

झारखंड शिक्षा परियोजना आयोजन स्थल

- **एथलेटिक्स:** बालक एवं बालिका अंडर 14 वर्ष, 17 वर्ष, 19 वर्ष तक प्रशिक्षण शिविर स्थल बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, होटवार, खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** राष्ट्रीय एसजीएफआई प्रतियोगिता अंडर 14 बालक एवम बालिका झ्र 16 से 20 दिसंबर 2023 ,लखनऊ (उत्तर प्रदेश) अंडर-19 बालक एवम बालिका 26 से 30 दिसंबर चंद्रपुर (महाराष्ट्र)
- **फुटबॉल:** अंडर 17 बालक एवं बालिका प्रशिक्षण स्थल-खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** अंडर 17 बालक 27 दिसंबर से 5 जनवरी तक पोर्ट ब्लेयर अंडमान निकोबार। अंडर 17 बालिका 25 से 29 दिसंबर, सारण (बिहार)।
- **खो-खो:** अंडर-19 बालक एवम बालिका प्रशिक्षण- स्थल खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** अंडर-19 बालक एवं बालिका 12 से 16 दिसंबर, नासिक (महाराष्ट्र)।
- **बास्केटबॉल:** अंडर 17 एवं 19 बालक प्रशिक्षण शिविर स्थल-हरिवंश, टाना भगत, खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** अंडर-19 बालक 6 से 11 जनवरी, 2024 पटियाला (पंजाब)।
- **वॉलीबॉल:** अंडर 14 बालक एवं बालिका हरिवंश ताना भगत, खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** अंडर 14 बालक एवं बालिका 22 से 26 दिसंबर भुवनेश्वर (उड़ीसा)
- **तीरंदाजी:** अंडर 14 ,17 ,19 बालक एवम बालिका प्रशिक्षण स्थल सिल्ली।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** अंडर 14 बालक एवम बालिका 13 से 14 दिसंबर नाडियाड (गुजरात) अंडर 17 बालक एवं बालिका 17 से 18 दिसंबर नाडियाड (गुजरात) अंडर-19- बालक एवम बालिका 9 से 10 दिसंबर नाडियाड (गुजरात)।
- **जिमनास्टिक :** अंडर 14, 17, 19 बालक एवं बालिका प्रशिक्षण स्थल-सेरसा, (चाईबासा)।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल:** 16 से 23 दिसंबर (नई दिल्ली)।

जूनियर हॉकी पुरुष विश्व कप में भाग लेने भारतीय टीम रवाना

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम आज बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मलेशिया के कुआलालंपुर के लिए रवाना हुई, जहां टीम 5 दिसंबर से 16 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 में हिस्सा लेगी। भारत टूनार्मेंट के पिछले संस्करण में चौथे स्थान पर रहा था, जो कि 2021 में भुवनेश्वर, भारत में आयोजित किया गया था। भारत को स्पेन, कोरिया और कनाडा के साथ पूल सी में रखा गया है, जबकि गत चैंपियन अर्जेंटीना चिली, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान मलेशिया के साथ पूल ए में है। जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र पूल बी में हैं, जबकि नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और पाकिस्तान पूल डी में हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 5 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। उनका अगला मैच 7 दिसंबर को स्पेन के खिलाफ होगा और अंतिम पूल स्टेज मैच 9 दिसंबर को कनाडा के खिलाफ होगा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने को लिए भारत को पूल सी में शीर्ष दो में रहना होगा।भारतीय टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने टूनार्मेंट को लेकर कहा, आखिरी बार हमें 3-4 स्थान के लिए हुए मैच में फ्रांस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब टीम पहले से कहीं बेहतर और कहीं ज्यादा मजबूत है। वहीं, उप-कप्तान अरिजीत सिंह हुंडल ने कहा, पिछले विश्व कप के बाद से टीम काफी बढ़ गई है। हमने सुल्तान जोहोर कप 2022 और जूनियर एशिया कप जीता और हाल ही में सुल्तान जोहोर कप 2023 में तीसरे स्थान पर रहे।